हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 92, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 29 सितम्बर, 2023 दिन शुक्रवार | गाजीपुर/वाराणसी

12 जिलों में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का कायाकल्प करेगी योगी सरकार

सामुदायिक स्वाथ्य केंद्रों के कायाकल्प के लिए 8.58 करोड़ रुपए की धनराशि खर्च करेगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने निर्णय लिया है कि प्रदेश के कुल 12 जिलों के 13 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का कायाकल्प किया जाएगा। जिन जिलों में 1-1 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के कायाकल्प की प्रक्रिया जारी है उनमें श्रावस्ती, बलिया, बलरामपुर, उन्नाव, कौशाम्बी, मुजफ्फरनगर, चित्रकूट, महोबा, लखनऊ, बदायूं व सुल्तानपुर शामिल हैं।

वहीं, हापुड़ जिले में दो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के अपग्रेडेशन प्रक्रिया को मूर्त रूप दिया जाएगा। इन सभी 13 सामुदायिक स्वाथ्य केंद्रों के कायाकल्प के लिए योगी सरकार 8.58 करोड़ रुपए की धनराशि खर्च करने जा रही है जिसे शासन से वित्तीय स्वीकृति के बाद जारी कर दिया गया है। प्रदेश के जिन 12 जिलों के 13 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में अपग्रेडेशन प्रक्रिया को मूर्त रूप दिया जा रहा है उनमें हापुड़ के बहादुरगढ़ व गोहरा आलमगीर का नाम प्रमुख है। वहीं, श्रावस्ती के लक्ष्मणपुर बाजार, बलिया के सहतवार,

उन्नाव के ऊंचगांव, कौशाम्बी के करारी, मुजफ्फरनगर के सिसौली, चित्रकूट के रैपुरा, महोबा के श्री नगर, लखनऊ के बेहटा, बदायूं के इस्लामनगर व सुल्तानपुर के डिहदुग्धुपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का नाम भी उन सामुदायिक स्वास्थ केंद्रों में शामिल है जिन्हें अपग्रेड करने की प्रक्रिया जारी है। निश्चित तौर पर इस धनराशि आवंटन की प्रक्रिया को वित्तीय स्वीकृति मिलने के बाद इन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के विकास में तेजी आएगी और यहां इंस्टॉल किए जाने वाले मेडिकल इक्विप्मेंट्स की खरीद प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त होगा। प्रक्रिया में क्रय होने वाले सभी इक्विप्मेंट्स की गुणवत्ता, क्रय प्रक्रिया का निर्धारण व अनुपालन क्रयाधिकारी के निरीक्षण में किया जाएगा।

इस पूरी प्रक्रिया को प्रदेश शासन के नियम व शर्तों के आधीन पूरा किया जाएगा और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि आवंटित धन का उपयोग केवल उसी मद में हो जिस मद में उपयोग किया जाना निर्धारित किया गया था। प्रदेश के कई स्वास्थ्य व चिकित्सा संस्थानों के मॉडर्नाइजेशन का प्रयास योगी सरकार द्वारा किया जा रहा है। इसी क्रम में, लखनऊ स्थित वीरांगना अवंतीबाई महिला चिकित्सालय में 2 बेबी ट्रांसपोर्टेशन इनक्यूबेटर की खरीद व इंस्टॉलेशन के मद में 4 लाख रुपए, 3 एक्टोक्लेव मशीन की खरीद व इंस्टॉलेशन के मद में 60 हजार व एमएनसीयू में 6 वॉर्मर मशीनों की खरीद व इंस्टॉलेशन के लिए 9.40 लाख रुपए की धनराशि स्वीकृत की गई है।

इसी तरह, बाराबंकी के सिरौली गौसपुर चिकित्सालय में एक्स-रे मशीन प्रिंटर उपलब्ध कराने व कन्नौज के पैरा मेडिकल इंस्टीट्यूट में जारी निर्माण कार्य के लिए 8 करोड़ रुपए की धनराशि जारी की गई है। इसके अतिरिक्त, गाजियाबाद के लोनी नगर पालिका परिषद में निमार्णाधीन 50 बेड्स की क्षमता वाले अस्पताल के लिए प्रथम किस्त के तौर पर 3.08 करोड़ रुपए की धनराशि भी वित्तीय स्वीकृति के बाद जारी कर दी गई है।

तबादला पाए शिक्षकों का वेतन-एरियर जल्द जारी करें, अपर मुख्य सचिव ने दिए निर्देश

लखनऊ। अपर मुख्य सचिव बेसिक शिक्षा दीपक कुमार ने कहा है कि एक से दूसरे जिले में तबादला पाए शिक्षकों के वेतन व एरियर का भुगतान नियमानुसार किया जाए। साथ ही निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों को तय समय में पूरा करें। योजना भवन में हुई विभागीय समीक्षा बैठक में उन्होंने यह निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत विद्यालयों में सभी निर्धारित मानक बिंदुओं पर आवश्यक कार्रवाई की जाए। विद्यालयों व शौचालयों की साफ-सफाई, विद्युत व्यवस्था, निपुण लक्ष्य एप पर आंकलन, शिक्षक संकुल, एसआरजी व एआरपी की ओर से निपुण विद्यालय की कार्रवाई तेज की जाए। बालिकाओं के शत-प्रतिशत नामांकन, आधार वेरिफिकेशन, शैक्षिक व शिक्षणेत्तर कार्मिकों के चयन, विद्यालयों के उच्चीकरण के लिए निर्माण कार्यों को समय से पूरा करने के निर्देश दिए। कहा कि समेकित शिक्षा के तहत दिव्यांग बच्चों को डीबीटी के माध्यम से स्टाइपेंड एवं एस्कॉर्ट एलाउंस बच्चों को दिए जाए। बैठक में महानिदेशक स्कूल शिक्षा विजय किरन आनंद, अपर राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा मधुसूदन हुल्गी आदि अधिकारी उपस्थित थे।

अफ्स्पा बढ़ाना संकट का समाधान नहीं, बोलीं इरोम शर्मिला; पीएम मोदी पर भी साधा निशाना

नई दिल्ली। मणिपुर के अधिकांश हिस्सों में अफ्स्पा बढ़ाए जाने के एक दिन बाद, अधिकार कार्यकर्ता इरोम शर्मिला ने कहा कि "दमनकारी कानून" संघर्ष का राज्य में समाधान नहीं है। प्रदेश में आयरन लेडी के नाम से मशहूर शर्मिला ने गुरुवार को एक टेलीफोनिक साक्षात्कार में न्यूज एजेंसी से कहा कि केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को समान नागरिक संहिता जैसे प्रस्तावों के माध्यम से एकरूपता के लिए काम करने के बजाय विविधता का सम्मान करना चाहिए। इंफाल घाटी के 19 पुलिस थाना क्षेत्रों और पड़ोसी असम के साथ अपनी सीमा साझा करने वाले क्षेत्र को छोड़कर, बुधवार को मणिपुर में सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम या एएफएसपीए को छह महीने के लिए बढ़ा दिया गया।

उन्होंने कहा कि अफस्पा का विस्तार राज्य में समस्याओं या जातीय हिंसा का समाधान नहीं है। केंद्र और मणिपुर सरकार को क्षेत्र की विविधता का सम्मान करना होगा। शर्मिला ने आगे कहा कि विभिन्न जातीय समूहों के मूल्यों, सिद्धांतों और प्रथाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। भारत अपनी विविधता के लिए जाना जाता है, लेकिन केंद्र सरकार और भाजपा समान नागरिक संहिता जैसे प्रस्तावों के माध्यम से एकरूपता बनाने में अधिक रुचि रखते हैं। शर्मिला ने सवाल उठाया कि मई में हिंसा भड़कने के बाद से पीएम नरेंद्र मोदी मणिपुर का दौरा क्यों नहीं कर सके।

उन्होंने दवा किया कि अगर प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य का दौरा किया होता और लोगों से बात की होती, तो अब तक समस्याएं हल हो गई होतीं। इस हिंसा का समाधान करुणा और प्रेम में है, लेकिन ऐसा लगता है कि भाजपा इस मुद्दे को सुलझाने के लिए उत्सुक नहीं है और चाहती है कि यह समस्या लंबे समय तक बनी रहे। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह की आलोचना करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार की गलत नीतियों ने मणिपुर को इस अभूतपूर्व संकट की ओर धकेल दिया है। यह कहते हुए कि जातीय हिंसा में राज्य के युवाओं को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है, और इन व्यापक विरोध प्रदर्शनों के कारण ही युवक और महिला की मौत हुई है, शर्मिला की आंखों में आंसू आ गए। उन्होंने पूर्वोत्तर राज्य में महिलाओं की स्थिति को लेकर भी केंद्र पर निशाना साधा।

मणिपुर की महिलाएं AFSPA और इस जातीय हिंसा का खामियाजा भुगत रही हैं। अगर आप महिलाओं की गरिमा की रक्षा नहीं कर सकते, तो महिला सशक्तिकरण की बातें और महिला आरक्षण विधेयक का कोई मतलब नहीं रहेगा। इसके अलावा उन्होंने सवाल उठाया कि क्या मणिपुर की महिलाएं कुछ अलग हैं?" मुख्य भूमि भारत के लोगों से सिर्फ इसलिए कि हम अलग दिखते हैं इसका मतलब यह नहीं है कि हमारे साथ इस तरह का व्यवहार किया जा सकता है। शर्मिला, जो एएफएसपीए को निरस्त करने की मांग को लेकर 16 साल की लंबी भूख हड़ताल पर थीं, ने सोचा कि यह कानून कब तक पूर्वोत्तर में समस्याओं का समाधान करेगा।

एक लाख के इनामी सद्दाम को एसटीएफ ने किया गिरफ्तार, उमेश पाल हत्याकांड के बाद से था फरार

बरेली। बरेली जिला जेल में बंद रहे माफिया अशरफ के साले सद्दाम को एसटीएफ बरेली यूनिट ने दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। प्रयागराज में हुए उमेश पाल हत्याकांड के बाद से सद्दाम फरार था। उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। कई टीमें उसकी तलाश में जुटी थीं। एसटीएफ के डीएसपी अब्दुल कादिर के नेतृत्व में टीम ने दिल्ली में डेरा डाला और सद्दाम को गिरफ्तार कर लिया। जेल में अशरफ से अवैध मुलाकात कराने और सहूलियत पहुंचाने के मामले में सद्दाम के खिलाफ बिथरी चैनपुर थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था।

बृहस्पतिवार को एसटीएफ उसे लेकर बरेली के बिथरी चैनपुर थाना पहुंची। एसटीएफ और पुलिस की संयुक्त टीम सद्दाम से पूछताछ कर रही है। उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेजा जाएगा। माना जा रहा है कि सद्दाम से अशरफ और अतीक अहमद के कई राज खुल सकते हैं। गैर जमानती वारंट जारी होने के बाद भी सद्दाम के न मिलने पर प्रयागराज में उसकी संपत्ति

की कुर्की की तैयारी की जा रही थी। लखनऊ और प्रयागराज की टीम भी उसकी तलाश में जुटी थी। आखिरकार एसटीएफ ने उसे दबोच लिया। उमेश पाल की हत्या की साजिश बरेली जिला जेल में रची गई थी। यहां बंद रहे माफिया अशरफ का साला सद्दाम तीन साल से बरेली में ही किराये पर रह रहा था। वह प्रयागराज के रसूखदारों, शूटरों व अन्य जगह से आए लोगों की अशरफ से मुलाकात कराता था। यहां जिला जेल में अफसरों से लेकर सिपाहियों तक उसने नेटवर्क फैला रखा था। जीजा-साले दोनों मिलकर जेल प्रशासन को अंगुलियों के इशारे पर नचाते थे।

उमेश पाल की हत्या करने वाले शूटरों की अशरफ से मुलाकात कराने में भी सद्दाम और उसके खास गुर्गे बरेली निवासी लल्ला गद्दी की भूमिका सामने आई थी। बिथरी थाने में सद्दाम, लल्ला गद्दी और उसके अन्य गुर्गों पर मुकदमा दर्ज किया गया था। दूसरा मुकदमा सद्दाम व उसके साथियों के खिलाफ बारादरी थाने में दर्ज हुआ था। दोनों मुकदमों की विवेचना के लिए सीओ तृतीय के नेतृत्व में एसआईटी गठित की गई थी। अशरफ व सद्दाम के गुर्गों को जेल भेजा गया था। जेल के आरक्षी भी जेल गए थे। फिर नौ लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई थी।

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी पर अपमानजनक टिप्पणी करने पर पूर्व एमएलसी पर मुकदमा दर्ज

अमेठी। मुंशीगंज के संजय गांधी अस्पताल के मामले को लेकर सीएमओ कार्यालय पर सत्याग्रह के दौरान केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में कांग्रेस के पूर्व एमएलसी दीपक सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सीएमओ कार्यालय पर अमेठी बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले चल रहे सत्याग्रह के दौरान मंगलवार को एक निजी चैनल से बात करते हुए पूर्व एमएलसी दीपक सिंह का बयान वायरल हो रहा है। इसको लेकर राजनीतिक गहमागहमी का दौर चल रहा है। भाजपा के जिला महामंत्री केशव सिंह ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि पूर्व एमएलसी ने बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री पर अपमानजनक टिप्पणी की है। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। अस्पताल मामले को लेकर दो दिन तक चले सत्याग्रह को बुधवार की शाम को मशाल जुलूस के साथ एक दिन के लिए स्थगित करने की बात कही गई है। संजय गांधी अस्पताल के मामले को लेकर मंगलवार को मुसाफिरखाना के पूरे पहलवान गांव में विरोध स्वरूप प्रदर्शन किया गया था। इसमें अमेठी सांसद व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी का पुतला फूंका गया था। स्थानीय कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई गई थी। जिसमें नामजद आरोपी बनाए गए दस लोगों में शामिल मनोज मिश्रा और अनुज तिवारी स्थानीय विद्युत उपखंड कार्यालय में संविदा कर्मी के रूप में कार्य कर रहे थे। प्रदर्शन में संलिप्तता पर ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग कंसल्टेंट इंडिया लिमिटेड के प्रबंधक परियोजना एवं नोडल अधिकारी अजय दूबे ने बुधवार को कार्यालय आदेश जारी कर मनोज मिश्रा और अनुज तिवारी की तत्काल प्रभाव से सेवा समाप्त कर दी है। उप मंडलीय अभियंता ने दोनों की सेवा समाप्त किये जाने की पुष्टि की है। मुंशीगंज स्थित संजय गांधी अस्पताल मामले को लेकर कर्मियों का सत्याग्रह तीसरे दिन भी जारी है।

प. बंगाल में 38 हजार मामले, दिल्ली में भी बिगड़े हालात, स्वास्थ्य मंत्रालय का अलर्ट- बरतें सावधानी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली-एनसीआर सहित देश के कई राज्यों में इन दिनों डेंगू संक्रमण और इसके कारण अस्पताल में बढ़ती मरीजों की संख्या को लेकर अलर्ट किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक राजधानी दिल्ली के अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ी है, इसके अलावा पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड सहित कई अन्य राज्यों में भी रोगियों के बढ़ते मामले को लेकर अलर्ट किया गया है। हालिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 20 सितंबर तक पश्चिम बंगाल में 38 हजार से अधिक लोगों में रोग की पुष्टि की जा चुकी है, ज्यादातर लोगों में प्लेटलेट्स कम होने और इसके कारण होने वाली जटिलताएं रिपोर्ट की जा रही हैं। बात राजधानी दिल्ली-एनसीआर की करें तो यहां के अस्पतालों से मिल रही जानकारियों के मुताबिक यहां ओपीडी में रोजाना आ रहे करीब 60 फीसदी लोगों में डेंगू का निदान किया जा रहा है। हालांकि डॉक्टर्स बताते हैं, अधिकतर लोग सामान्य उपचार के साथ ठीक हो जा रहे हैं, गंभीर मामलों के विकसित होने का जोखिम सिर्फ उन्हीं लोगों में देखा जा रहा है जो पहले से कोमोरबिडिटी के शिकार रहे हैं या जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने देश भर में डेंगू के मामलों में हालिया वृद्धि के मद्देनजर उच्च स्तरीय बैठक की, जिसमें सभी लोगों को डेंगू को लेकर सावधानी बरतने और इसके बचाव के उपाय करते रहने की सलाह दी गई है। देश में डेंगू के मामलों की बढ़ती संख्या से उत्पन्न चुनौतियों और जटिलताओं को लेकर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से रोग के रोकथाम को लेकर सावधानियां बरतने को कहा गया है। दिल्ली में पिछले डेढ़ महीने में डेंगू के मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है। जहां 5 अगस्त तक डेंगू के मामलों की संख्या 348 थी, वहीं 22 सितंबर तक यह बढ़कर 3,013 हो गई। शहर में डेंगू से एक मौत भी दर्ज की गई। लंबे अंतराल के बाद, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने मंगलवार को डेंगू के मामलों का विवरण साझा किया।

श्रीनगर के एसएसपी राकेश बलवाल का मणिपुर तबादला, इंफाल में हिंसा भड़कने के बाद सरकार का फैसला

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने वरिष्ठ आईपीसीएस अधिकारी राकेश बलवाल का मणिपुर तबादला कर दिया है। राकेश बलवाल श्रीनगर में एसएसपी के पद पर तैनात थे, जिन्हें हिंसा भड़कने के बाद मणिपुर भेजा गया है। 2012 बैच के आईपीएस अधिकारी का मूल कैडर मणिपुर ही है और फिलहाल वह केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जम्मू कश्मीर के श्रीनगर में एसएसपी के पद पर तैनात थे। मणिपुर में दो युवकों के शवों की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद तनाव बढ़ गया है। राकेश बलवाल को साल 2021 के अंत में श्रीनगर में कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी सौंपी थी। आदेश में कहा गया है कि कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने केंद्रीय गृह मंत्रालय के उस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जिसमें आईपीएस राकेश बलवाल को समय से पहले एजीएमयूटी कैडर से उनके मूल कैडर मणिपुर में वापस भेजने की मांग की गई थी। श्रीनगर में तैनाती से पहले राकेश बलवाल एनआईए में भी साढ़े तीन साल तक प्रतिनियुक्ति पर थे। आईपीएस राकेश बलवाल पुलवामा हमले की जांच करने वाली टीम का भी हिस्सा थे, जिसमें सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए थे। बता दें कि मणिपुर में दो युवकों के शवों की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसके चलते मणिपुर में फिर से हिंसा भड़क गई है। ताजा हिंसा में कई लोग घायल हुए हैं। वहीं गुस्साई भीड़ ने बीती रात इंफाल पश्चिम में डीसी ऑफिस पर हमला बोल दिया और वहां कई वाहनों को आग लगा दी। मणिपुर के उरीपोक, येसकुल, सेगलबंद और तेरा इलाकों में सुरक्षाबलों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं। हालात को काबू करने के लिए सुरक्षाबलों ने आंसू गैस के गोले छोड़े और रबर की गोलियां चलानी पड़ी। मणिपुर में बीती 3 मई से जारी हिंसा में अभी तक 180 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

'जेनेरिक दवाओं में हम दुनिया की फामेर्सी', मांडविया बोले- भारत में कैंसर की 90 में से 42 दवाएं सबसे सस्ती

नई दिल्ली। भारत में दुनिया के मुकाबले कई दवाओं के दाम सबसे कम हैं, जिसमें कैंसर जैसी बड़ी बीमारी की दवा भी शामिल है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने बताया कि भारत कैंसर की 90 दवाओं में से 42 सबसे सस्ती दरों पर देता है। इसी के साथ मांडविया ने घोषणा करते हुए कहा कि हम अब कैंसर अस्पतालों की संख्या भी बढ़ाने जा रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत, स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन स्वास्थ्य क्षेत्र को आगे बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि हमने मंगलवार को फार्मा नीति लॉन्च की जो एक बड़ा कदम था और हम अब जेनेरिक दवाओं में दुनिया की फामेर्सी बन गए हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य कभी भी राजनीतिक विषय नहीं हो सकता और न ही व्यावसायिक, उन्होंने कहा कि यह भारत के लिए सेवा का विषय है। मांडविया एक मीडिया ग्रुप के कार्यक्रम के उद्घाटन पर बोल रहे थे। मंत्री ने आगे कहा कि जैसे-जैसे विज्ञान तरक्की कर रहा है, समय के साथ बीमारियों का पैटर्न भी बदल रहा है। इस क्षेत्र के प्रति समग्र दृष्टिकोण रखना महत्वपूर्ण है। मांडविया ने कहा कि हमने स्वास्थ्य सेवाओं को सभी के लिए सुलभ बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है। मांडविया ने कहा कि देश के स्वास्थ्य क्षेत्र को हम और मजबूत करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हमने एमबीबीएस और स्नातकोत्तर मेडिकल सीटों और कॉलेजों की संख्या में वृद्धि की है और चिकित्सा शैक्षिक संसाधन बनाए हैं। मांडविया ने कहा कि ये देश सभी नागरिकों का है और इसकी भलाई की जिम्मेदारी प्रत्येक व्यक्ति की है। उन्होंने कहा कि यह साझा जिम्मेदारी और सामूहिक प्रयास ही था, जिसने देश को कोविड-19 से उत्पन्न चुनौतियों का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने में सक्षम बनाया।

भारत में हरित क्रांति के जनक एमएस स्वामीनाथन का 98 वर्ष की उम्र में निधन

नई दिल्ली। भारत में हरित क्रांति (ग्रीन रेवोल्यूशन) के जनक एमएस स्वामीनाथन का 98 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। उन्होंने चेन्नई में आखिरी सांस ली। स्वामीनाथन को भारत के एक लोकप्रिय वैज्ञानिक के तौर पर जाना जाता था। स्वामीनाथन को भारत में हरित क्रांति का अगुआ माना जाता है। वे पहले ऐसे व्यक्ति हैं, जिन्होंने सबसे पहले गेहूं की एक बेहतरीन किस्म को पहचाना और स्वीकार किया। इसके कारण भारत में गेहूं उत्पादन में भारी वृद्धि हुई। स्वामीनाथन को कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है, इनमें पद्मश्री (1967), पद्मभूषण (1972), पद्मविभूषण (1989), मैग्सेसे पुरस्कार (1971) और विश्व खाद्य पुरस्कार (1987) महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने किसानों के हालात सुधारने और कृषि को बढ़ावा देने के लिए सिफारिशें की थीं, लेकिन अब तक उनकी ये सिफारिशें पूर्ण रूप से लागू नहीं हो पाई हैं। हालांकि सरकारों का कहना है कि उन्होंने आयोग की सिफारिशों को लागू कर दिया है, लेकिन सच्चाई तो यही है कि अभी तक इसे पूरी तरह से लागू नहीं किया जा सका है। किसान बार-बार आंदोलनों के जरिए स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने की मांग करते रहे हैं। बता दें कि स्वामीनाथन आयोग का गठन 18 नवंबर, 2004 को किया गया था। दरअसल, इस आयोग का नाम राष्ट्रीय किसान आयोग है और इसके अध्यक्ष एमएस स्वामीनाथन हैं। उन्हीं के नाम पर इस आयोग का नाम स्वामीनाथन आयोग पड़ा। इस आयोग ने लंबे समय तक किसानों की समस्या को समझने के बाद केंद्र से कृषि क्षेत्र में कई जरूरी सुधारों की मांग की थी। पीएम नरेंद्र मोदी ने स्वामीनाथन के निधन पर ट्वीट किया। उन्होंने लिखा, "स्वामीनाथन जी के निधन से दुख पहुंचा है। देश के इतिहास के इस बेहद अहम काल के दौरान कृषि क्षेत्र में उनके अभूतपूर्व कार्यों ने करोड़ों लोगों की जिंदगी बदल दी और देश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की।"

संपादकीय

आभूषण की दुकान में चोरी से राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था सवालों के घेरे में

दिल्ली में जंगपुरा इलाके के एक आभूषण की दुकान में बीस करोड़ रुपए से ज्यादा की कीमत के गहनों और नगदी की चोरी को आम आपराधिक घटनाओं में शुमार किया जा सकता है, लेकिन इस घटना से फिर यह साफ होता है कि यहां कानून-व्यवस्था के मामले में सर्वोच्च मानकों के लागू होने की हकीकत क्या है। इस समूचे मामले का जो ब्योरा सामने आ सका है, उससे यह जाहिर है कि इतनी बड़ी चोरी को पुख्ता योजना बना कर अंजाम दिया गया। शुरूआती आकलनों के मुताबिक, दुकान में कई स्तरों की सुरक्षा व्यवस्था को पार कर चोर बड़े पैमाने पर सोने और हीरे के आभूषण उठा ले गए। इमारत में घुसने और बिजली आपूर्ति बाधित करने से लेकर स्ट्रांग रूम में घुसने के लिए सेंध मारने और भीतर जाकर बेहद मजबूत लाकर को तोड़ कर गहने चुरा ले जाने का ब्योरा किसी कहानी की तरह है। लेकिन चोरों ने जिस तरह सुनियोजित तरीके से इसे हकीकत में तब्दील किया, उसमें किसी की मिलीभगत से लेकर घटनास्थल का बारीकी से अध्ययन करने के संकेत मिलते हैं। सवाल है कि आभूषण की दुकान की अपने स्तर पर तय की गई सुरक्षा व्यवस्था के अलावा समूचे सरकारी तंत्र के कामकाज और उसकी उपस्थिति का क्या असर था कि चोरों को इतने बड़े कांड को सफाई से अंजाम देने में कोई बाधा पेश नहीं आई। घटना के बाद कार्रवाई के नाम पर पुलिस ने फोरेंसिक जांच के लिए इमारत के आसपास की छतों से नमूना एकत्र करने, लोगों से पूछताछ और अंगुलियों के निशान लेने की प्रक्रिया पूरी की, लेकिन हालत यह है कि वहां लगे सीसीटीवी कैमरों के जरिए भी इसमें लिप्त लोगों की पहचान आसानी से नहीं हो सकी। इस वारदात के क्रम में जो स्थितियां सामने आई हैं, उसे देख कर यह समझना मुश्किल हो जाता है कि दिल्ली में हाल ही में जी20 सम्मेलन का पूरी कामयाबी से आयोजन किया गया। उस दौरान समूची दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था का स्तर ऐसा था जिसमें बड़े से लेकर छोटे स्तर के किसी भी अपराध के बारे में सोचना तक मुमकिन नहीं था। सवाल है कि क्या सुरक्षा व्यवस्था के उस उच्च स्तर का इंतजाम सिर्फ तात्कालिक था और क्या बाकी दिनों में सब कुछ अपने हाल पर छोड़ दिया जाता है? आखिर यहां कानून-व्यवस्था को लागू करने वाली एजंसियों के कामकाज की शैली ऐसी क्यों है कि सामान्य दिनों में अपराधियों पर इसकी मौजूदगी का कोई खास असर नहीं दिखता? देश की राजधानी होने के नाते यह उम्मीद की जाती है कि दिल्ली में कानून-व्यवस्था दूसरे राज्यों और इलाकों से बेहतर होगी और यहां अपराध की दर काबू में होनी चाहिए। लेकिन हकीकत यह है कि कुछ खास मौकों पर उच्च स्तरीय सुरक्षा और चौकसी का शानदार उदाहरण पेश करने वाली दिल्ली में सरकार सामान्य से लेकर गंभीर वारदात और महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराधों को भी रोकने के मामले में लाचार नजर आती है। खुद दिल्ली पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक, इस वर्ष शुरूआती छह महीनों में राजधानी के विभिन्न इलाकों से उन्नीस हजार से ज्यादा वाहन चोरी हो चुके हैं। हर रोज सौ से ज्यादा वाहनों की चोरी की वारदात को नहीं रोक पाने के लिए कौन जिम्मेदार है? इससे चोरी के बाकी मामलों और अन्य अपराधों के बदस्तूर जारी रहने की स्थितियों और उनके कारणों का अंदाजा लगाया जा सकता है। सच यह है कि दिल्ली सरकार सीसीटीवी कैमरे लगाने से लेकर अन्य तमाम इंतजाम करके अपराधियों से जनता को बचाने और सुरक्षा मुहैया कराने का वादा और दावा करने में तो सबसे आगे रहती है, लेकिन इसे जमीन पर उतारने को लेकर पूरी तरह चाकचौबंद व्यवस्था करने को लेकर गंभीर नहीं होती।

घिर गए इस बार !

पड़ गए अकेले ।
घिर गए इस बार ।।
असरदार ना रहा ।
किए जो प्रहार ।।
फायदे के चक्कर में ।
कर गए नुकसान ।।
खुली आखिर पोल ।
बनने चले महान ।।
खेला था जो खेल ।
पड़ा उल्टा दाव ।।
आया शायद समझ में ।
फजी है झुकाव ।।
झेलना पर होगा ।
आएगा ठहराव ।।
दे सकता है सदमा ।
ज्यादा ये जुड़ाव ।।

–कृष्णेन्द्र राय

2023 के विधानसभा चुनावों में सामूहिक नेतृत्व और मोदी फैक्टर पर जोर दे रही भाजपा

अंकित सिंह

2024 में लोकसभा चुनाव होने हैं। हालांकि, 2023 के आखिर में पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव हैं। इसे 2024 का सेमीफाइनल माना जा रहा है। इन पांच राज्यों में से भाजपा अपने दम पर एक मध्य प्रदेश में शासन में है। वहीं, मिजोरम में गठबंधन में है। इसके अलावा कांग्रेस राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सत्ता में है। जबकि तेलंगाना में भारत राष्ट्रीय समिति का शासन है। हालांकि, इन पांचो राज्यों में भाजपा कहीं ना कहीं पूरी ताकत लगाने की कोशिश में जुटी हुई है और अभी से ही अपनी रणनीति जमीन पर उतर रही है। इसका असर मध्य प्रदेश में जो अब तक उम्मीदवार घोषित किए गए हैं उसमें दिख भी रहा है। इसके अलावा भाजपा ने जो रणनीति अपनाई है, उसमें मुख्यमंत्री के चेहरे की बजाय सामूहिक नेतृत्व और मोदी फैक्टर पर जोर दिया गया है।

इसका बड़ा कारण यह भी है कि भाजपा इस बात को भली-भांति समझती हैं कि अगर उसकी ओर से मुख्यमंत्री उम्मीदवार का ऐलान किया गया तो चुनाव से पहले हिंदी भाषी राज्यों में पार्टी के भीतर गुटबाजी मजबूत हो सकती है। इससे उम्मीदवारों के समक्ष चुनौतियां आएंगी। मध्य प्रदेश की बात करें तो वहां भाजपा बड़े नाम को भी चुनावी मैदान में उतर रही है। इसका मतलब साफ है कि पार्टी ज्यादा से ज्यादा सीटों को सुरक्षित करना चाहती है। साथ ही जो कमजोर सीट हैं, वहां अभी से ही तैयारी शुरू की जा रही है। इसके अलावा अगर इन राज्यों में सीएम का चेहरा नहीं दिया जाता है तो क्षेत्रीय नेताओं को ज्यादा महत्व मिलेगा। भाजपा की ओर से भाई-भतीजावाद वाली राजनीति पर अंकुश लगाने पर भी कहीं ना कहीं खास ध्यान दिया जा रहा है। भाजपा सभी नेताओं को यह संदेश देने की कोशिश कर रही है कि आप अपने-अपने क्षेत्र में दम लगाइए और पार्टी की जीत सुनिश्चित करिए। आपको उसके अनुरूप सरकार बनने पर मौका दिया जाएगा। मध्य प्रदेश में केंद्रीय मंत्रियों को विधानसभा चुनाव में उतारना कहीं ना कहीं यह संदेश देने की कोशिश है कि पार्टी सामूहिक नेतृत्व में विश्वास करती है और उसी के आधार पर चुनावी मैदान में उतर रही है। आश्चर्य की बात यह भी है कि अब तक मध्य प्रदेश में भाजपा की ओर से चेहरा रहे शिवराज सिंह चौहान के टिकट का ऐलान नहीं हुआ है। इसको राजनीतिक पंडित अलग-अलग चश्मे से भी देख रहे हैं। साथ ही साथ अब तक संगठन की जिम्मेदारी संभाल रहे कैलाश विजयवर्गीय को भी इस बार चुनावी मैदान में उतरकर भाजपा ने शिवराज सिंह चौहान को भी संदेश देने की कोशिश की है। राजस्थान में भी भाजपा ने इस बात के संकेत दे दिए हैं कि वह सामूहिक नेतृत्व में ही चुनाव लड़ेगी। इससे वसुंधरा राजे की उम्मीदों पर एक पानी फिरता दिखाई दे रहा है। वसुंधरा राजे दो बार राजस्थान में भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री रह चुकी हैं। लेकिन इस बार कहीं ना कहीं उनके नाम को लेकर पार्टी के भीतर ही असमंजस की स्थिति है। बड़ा सवाल यह भी है कि क्या अगर भाजपा की सरकार मध्य प्रदेश में बनती हैं तो वह किसी अन्य के नीचे काम करना पसंद करेंगी। इसको फिलहाल राजनीतिक पंडित बचते दिखाई दे रहे हैं। लेकिन राजस्थान की सारी चीजें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी प्रमुख जेपी नड्डा के ही इर्द-गिर्द घूम रही है। वहीं, छत्तीसगढ़ में पार्टी की ओर से नए नेतृत्व पर जोर दिया जा रहा है। रमन सिंह को लेकर अभी भी पार्टी में कोई दिलचस्पी दिखाई नहीं दे रही है।

पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की छवि हुई ताकतवर : मनोज सिन्हा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। गुरुवार को जखनिया ग्राम सचिवालय पंचायत भवन का भव्य उद्घाटन पूर्वांचल के विकास पुरुष महामहिम उपराज्यपाल जम्मू कश्मीर मनोज सिन्हा के कर कमलो द्वारा संपन्न हुआ। मनोज सिन्हा का जखनिया कार्यक्रम में आगमन पर उनका स्वागत पुष्प वर्षा करके ग्राम वासियों ने किया, वही ग्राम प्रधान नन्दलाल गुप्ता, कार्यक्रम आयोजक अशोक गुप्ता ने मुख्य अतिथि का स्वागत भारत स्तंभ स्मृति चिन्ह और साल भेंट करके किया। जनपद के सारे व्यापारियों की तरफ से भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष प्रमोद वर्मा ने मनोज सिन्हा को भगवान शंकर की नटराज मूर्ति सप्रेम भेंट किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि मनोज सिन्हा ने कहा कि आज का भारत नरेंद्र की मोदी के नेतृत्व में बदलता भारत है, संवरता भारत है। जी-20 का सम्मेलन इसका साक्षात प्रमाण है। मनोज सिन्हा ने कहा 2014 से देश

में बहुत ही परिवर्तन हुआ है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कश्मीर में बहुत बड़ा बदलाव हुआ है। कश्मीर जिसके लिए पहले जाना जाता था अब पुनः वही रौनक लौट आई है। अब लोग शाम से लाल चौक पर तिरंगा भी फराते हैं और झेलम नदी के किनारे बने रिवरफ्रंट पार्कों में बैठकर आइसक्रीम भी खाते हैं। जम्मू कश्मीर में नई नीतियों के कारण रिकॉर्ड पर्यटक घूमने आये। सिन्हा ने कहा भारत की नई शिक्षा नीति देश में नया परिवर्तन लाएगी। आज अपना भारत विश्व के सबसे शक्तिशाली आर्थिक देश में शुमार है। मोदी के नेतृत्व में भारत की नई पहचान बनी है। उन्होंने क्षेत्र की जनता से आग्रह किया यह भारत इसी तरह सामरिक, आर्थिक औद्योगिक रूप विकसित होता रहे, आगे बढ़ता रहे, इसके लिए आप लोगों का सहयोग बहुत जरूरी है, और इसकी शुरूआत जखनिया से होनी चाहिए। उन्होंने भावुक होकर कहा हम भले जम्मू कश्मीर में रहते हैं लेकिन हमारा दिल हमेशा गाजीपुर के लोगों के लिए धड़कता रहता है। उन्होंने कहा "देश रहे परदेस रहे लेकिन राऊरे कहिबे राऊरे कहिबे" मनोज सिन्हा जखनिया में लोगो द्वारा पाए सम्मान से बहुत अभिभूत दिखे। उनके द्वारा रामराज वनवासी सहित जखनिया के विविध पदों पर आसीन कर्मचारियों, शिक्षक, डॉक्टर, भूतपूर्व सैनिक एवं अन्य सम्मानित लोगों एवं देश के चौथे स्तंभ पत्रकार बंधुओ का भी अंगवस्त्र देकर स्वागत व अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम को जिला अध्यक्ष सुनील सिंह, गाजीपुर लोकसभा संयोजक कृष्ण बिहारी राय, पूर्व प्रदेश मंत्री रामतेज पांडेय, पूर्व प्रत्याशी रामराज वनवासी, सरोज कुशवाहा, विपिन सिंह ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विधानसभा संयोजक मुराहू राजभर, विडियो त्रिवेणी राम, सचिव गौरव सिंह, कृषि विभाग की हेमलता, व्यापार उद्योग के अबुफकर, भाजपा मंडल अध्यक्ष उमाशंकर यादव, दयाशंकर सिंह, धर्मवीर राजभर, पीयूष सिंह, पूरेंदु त्रिपाठी, कैलाश वर्मा, धर्मेंद्र चौरसिया, सुदामा यादव, वीरेंद्र पांडेय, संतोष कुशवाहा, कमलेश यादव, लोकगीत कलाकार मुद्रीका, जितेंद्र सिंह, रामदरस कुशवाह, संतोष जायसवाल, प्रशांत सिंह, विजय गुप्ता, मुकेश गुप्ता, हीरा मौर्य, जितेंद्र यादव, मुकेश वर्मा, अजीत सिंह, लाल जी गोंड़ सहित भारी संख्या में ग्रामवासी एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष प्रमोद वर्मा ने किया।

वहीदा रहमान के उत्कृष्ट अभिनय का कायल है जमाना

ललित गर्ग

एक परम्परागत भारतीय स्त्री को जिन मानवीय मूल्यों के साथ देखा जाता रहा है, हिन्दी फिल्मों में वहीदा रहमान स्त्री के उन्हीं मूल्यों का प्रतिनिधित्व करती रही हैं। वे एक नायाब नायिका, जिन्होंने पांच दशकों तक यादगार एवं अविस्मरणीय भूमिकाओं को निभाते हुए हिन्दी सिनेमा को न केवल उच्च शिखर दिये बल्कि मनोरंजन के अनेक दरवाजों को खोला। इस महान अदाकार को दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित करने का निर्णय भारत सरकार ने ऐसे समय में लिया है, जब ऐतिहासिक नारी शक्ति वन्दन अधिनियम संसद में पारित किया गया है। वहीदा रहमान करोड़ो दर्शकों पर पीढ़ी-दर-पीढ़ी यादगार एवं संवेदनशील भूमिकाओं से विचरण करती रही है। जिनका अभिनय, प्रेम की तरह मन के एक सुरक्षित कोने में संजोया जा सकता है।

वे दर्शकों के मन में इस तरह पैठ गयी है कि मन का वजन पहले से कई गुणा भारी हो उठता है। उनकी मोहक छवि, भंगिमाएं, नृत्य की बारीकियां दर्शकों को एकबारगी जड़ कर देती है। तब पर्दे पर यह विलक्षण एवं अद्भुत नायिका, प्रकृति की सबसे सुन्दर कृति के रूप में नजर आती रही है। उन्होंने अपने प्रभावशाली अभिनय से असंख्य दर्शकों का जो स्नेह-सम्मान पाया है, वह अद्भुत है, आज तक उनके अभिनय की गहनता को कोई अभिनेत्री छू नहीं सकी हैं। अपने अभिनय कौशल से किरदारों को संवेदनशील और अदम्य गरिमा प्रदान करने वाली वहीदा रहमान को दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित करने का निर्णय ऊंची पसन्द के दिलों को गौरवान्वित करने की घटना है।

निश्चित ही यह एक सुखद संयोग है कि देश जब हरदिल अजीज अभिनेता देव आनंद की जन्मशती मना रहा है, उसी दौरान उनकी कालजयी फिल्म गाइड की नायिका वहीदा रहमान को भारतीय सिनेमा का शिखर सम्मान की घोषणा की गई। दिलचस्प तथ्य यह भी है कि वहीदा रहमान और देव साहब की जोड़ी रूपहले परदे पर लंबे समय तक छाई रही। दोनों ने सात फिल्में साथ-साथ की थीं, जिनमें से पांच जबर्दस्त हिट रहीं। वहीदा रहमान की शख्सियत का सबसे आकर्षक पहलू यह है कि फिल्मी कॅरियर की शुरूआत से लेकर अब तक उन्होंने अपनी शर्तों पर ही काम किया और इसमें उनकी परवरिश का बड़ा योगदान रहा। बचपन में जब वह भारत नाट्यम सीख रही थीं, उनके जिला मजिस्ट्रेट पिता से किसी रिश्तेदार ने शिकायती अंदाज में कहा था, मुसलमान होकर बेटी को नचाओगे? तरक्की पसंद पिता का जवाब था, कला कोई बुरी चीज नहीं होती, इंसान की सोच बुरी होती हैं। वहीदा रहमान की अदाओं का हिन्दी फिल्मों के बड़े पर्दे के दर्शक तो कायल रहे ही हैं, लेकिन तेलुगु, तमिल और बंगाली फिल्मों के दर्शकों पर भी उन्होंने राज किया है। वह 1950, 1960 और 1970 के दशकों की फिल्मों की विभिन्न शैलियों में अपने योगदान के लिए जानी जाती हैं। 3 फरवरी 1936 को जन्मी यह महान कलाकार अनेक विशेषताओं एवं विलक्षणओं का समवाय रही हैं। हिंदी सिनेमा की सबसे निपुण अभिनेत्रियों में से एक मानी जाने वाली वहीदाजी को एक राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और तीन फिल्मफेयर पुरस्कार मिले हैं। रहमान को 1972 में भारत सरकार ने पद्मश्री और 2011 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। उन्होंने 90 से अधिक फिल्मों में काम किया है। कॅरियर के इस पड़ाव पर रहमान ने अनेक चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं के साथ प्रयोग करना शुरू कर दिया। उन्होंने फागुन (1973) में जया भादुड़ी की मां की भूमिका निभाने का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। 70 के दशक की नई पारी में वहीदा रहमान की सफल फिल्मों में कभी-कभी (1976), त्रिशूल (1978), ज्वालामुखी (1980), नसीब (1981), नमकीन (1982), धरम कांटा (1982), नमक हलाल (1982) शामिल हैं। कुली (1983), मशाल (1984), चांदनी (1989) और लम्हे (1991)। कभी-कभी, नमकीन, चांदनी और लम्हे ने सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री के फिल्मफेयर पुरस्कार के लिए नामांकन प्राप्त किया।

अपने पूरे शानो शौकत से मनाया गया जश्ने ईद ए मिलाद उल नबी

प्रखर जौनपुर। ऐतिहासिक (बारावफात) ईद ए मिलाद का जलसा और जुलूस अपनी परंपरा के अनुसार मनाया गया, इस्लाम धर्म के आखिरी पैगंबर हजरत मोहम्मद सङ्के जन्मोत्सव को इस्लामिक कैलेंडर हिजरी के अनुसार 12 रबीउल अव्वल को मनाया गया,जौनपुर शहर में एक ऐतिहासिक जलसा व भव्य जुलूस का आयोजन हुआ, कौमी यकजहती का एक प्रोग्राम किदवई पार्क में कोतवाली के सामने हुआ जिसमे शहर के तमाम गणमान्य लोग सम्मिलित हुए,कार्यक्रम की शुरूआत कारी यासिर हस्सान ने कलामे इलाही से किया, इस मौके पर मुख्य अतिथि धनंजय सिंह रहे उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा की धर्म सिर्फ इंसानियत और मानवतावाद का संदेश देता है,दुनिया में प्रेम था,और प्रेम हमेशा ही रहेगा,नफरत की जगह कहीं न थी न रहेगी, जुलूस अपनी परंपरा के अनुसार शाही ईदगाह के मैन गेट से उठा उसको हरी झंडी दिखा कर सदर शौकत अली मुन्ना और अरशद खा तथा निखलेश सिंह ने संयुक्त रूप से रवाना किया जुलूस देर रात अपने पूरे शानो शौकत से शाही अटाला मस्जिद पर पहुंचकर एक जलसे के रूप में तब्दील हो गया,इस बीच रास्ते भर विभिन्न अखाड़े अपने-अपने हुनर का मुजाहेरा किए वहीं विभिन्न प्रकार की अंजुमन नातिया कलाम सुनाती हुई रात भर शहर को गुलजार करती रही ,शहर को रंग बिरंगी झालरों, लाइट बत्ती वह झंडों से सजाया गया,जिले के ही नहीं बल्कि प्रदेश के विभिन्न जिलों के भी लोग उक्त ऐतिहासिक मेले में आए और सभी समुदाय के लोग मिलजुल कर इस ऐतिहासिक दिन में शामिल हुए इस मौके पर रियाजुल हक ने बताया की हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहों अलैह व सल्लम का जन्म अरब के मक्का शहर में 570 ईस्वी में हुआ था और 8 जून 632 ईस्वी में उनकी वफात हुई थी वह एक ईश्वरवाद में विश्वास रखते थे और इस्लाम धर्म के पहले पैगंबर आदम से लेकर इस श्रृंखला में इब्राहिम,मूसा, ईशा आदि पैगंबरों की तरह वह इस्लाम के आखिरी पैगंबर हैं। और उन्होंने पूरी दुनिया को एक ईश्वर और निराकार ईश्वर का संदेश दिया जिसको पूरी दुनिया में उनके फॉलोअर मानते है,वही डॉक्टर कमर अब्बास ने कहा की हुजूर सबके लिए रहमत बनकर आए है तो उनके मानने वाला किसी के लिए जहमत कैसे बन सकते है। पी सी विश्वकर्मा सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने वक्तव्य हजरत मोहम्मद की सीरत पर बयान किए। कार्यक्रम का संचालन नेयाज ताहिर शैखू और आरिफ ने संयुक्त रूप से किया,वही एक जलसा शाही ईदगाह के प्रांगण के अंदर भी हुआ जिसमे शोएब खान अच्छू,हाजी इमरान, कमालुद्दीन ,तबरेज ,ताज मोहम्मद आदि मौजूद रहे। इस मौके पर शाहिद मंसूरी,एकराम सौदागर, फिरोज अहमद पप्पू ,सरताज अहमद सिद्दीकी ,मोहम्मद शकील माज राइन,शोएब पठान,हाजी सैयद फरोग,शोएब अहमद समीर,ताजुद्दीन शोबी उस्मान राइन,डॉ अर्शी नवाज,नासिर सिद्दीकी,अब्दुल शफीक खान,शहाबुद्दीन विधार्थी, दानिश इकबाल, शीराज अहमद,फैसल उस्मान , नबी अहमद,एकराम मुन्ना प्लाई ,रेयाजुद्दीन अल्वी ,मेराज खान,मो. अली दिलदार अहमद, अहमद,मो.अजीम,फैयाज सौदागर,सरताज,सलमान मलिक, अदनान, सलीमुल्लाह आदि लोग मौजूद रहे।

अक्टूबर में चलेगा संचारी रोग नियंत्रण अभियान के साथ आईएमईआई 5.0

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। स्वास्थ्य विभाग की तरफ से आगामी अक्टूबर माह में विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के साथ ही आईएमआई 5.0 चलना है। जिसको लेकर सभी तहसीलों में तहसील स्तरीय बैठक किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को मोहम्दाबाद तहसील की बैठक तहसीलदार मोहम्मदाबाद की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस बैठक में कई बिंदुओं पर चर्चा किया गया। जिससे आगामी माह में संचालित होने वाले कार्यक्रम के लक्ष्य को शत प्रतिशत प्राप्त किया जा सके। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहम्मदाबाद के अधीक्षक डॉ आशीष कुमार राय ने बताया कि आगामी 3 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान जिसमें 16 से 31 अक्टूबर तक दस्तक अभियान भी शामिल है चलना है। इसी कार्यक्रम को लेकर आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को लक्षण युक्त व्यक्तियों को नजदीक स्वास्थ्य केन्द्र पर लाकर जांच कराना सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि नगर निकाय में चुने हुए जनप्रतिनिधि के द्वारा आमजन को दिमागी बुखार एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों तथा जल जनित रोगों की रोकथाम के प्रति जागरुक एवं संवेदीकरण करने के बारे में भी बताया गया। बैठक में पंचायती राज विभाग ग्राम में ग्राम्य विकास विभाग के द्वारा जनसंपर्क एवं जन जागरण के माध्यम से साफ सफाई, शौचालय की सफाई, शुद्ध पेयजल की व्यवस्था के साथ ही खराब इंडिया मार्का हैंड पंप की मरम्मत के बारे में भी चर्चा किया गया । इसके अलावा पशुओं के मूत्र से फैलने वाला रोग लेटोस्पा विरोसिस अनेक जनपदों में फैल रहे हैं जिसको देखते हुए पशुपालन विभाग की भूमिका बढ़ जाती है। ऐसे में आगामी माह में पशुपालन विभाग भी अपनी भूमिका निभाएगा। साथ अगामी 9 अक्टूबर से चलने वाले आई एम आई5.0 पर चर्चा करते हुऐ हेड काउंट सर्वे तथा डियु लिस्ट निर्माण में सावधानी बरतते हुए शतप्रतिशत 0 से 5 वर्ष के बच्चों का टीकाकरण किया जाए एवं उदासीन परिवार तथा बिमार बच्चों के घरों पर अवश्य ब्लाक रिस्पॉन्स टिम भ्रमण करते हुऐ उनका सफल टीकाकरण कराऐ । साथ ही समस्त जानकरीयो को ई कवच पर समय से एएनएम द्वारा सेशन बनाते हुऐ दर्ज किया जाय। बैठक में खंड विकास अधिकारी मोहम्मदाबाद, खंड शिक्षा अधिकारी मोहम्मदाबाद ,अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद मोहम्मदाबाद, बीपीएम संजीव कुमार, डब्ल्यूएचओ से अभिषेक द्विवेदी के अलावा अन्य लोग भी शामिल रहे।

कृषि महानिदेशक ने किया सोहनी गाँव का भ्रमण, इंद्रसेन सिंह की खेती को सराहा

प्रखर थानागद्दी जौनपुर। उत्तर प्रदेश काउन्सिल आफ ऐग्रिकल्चरल रीसर्च, लखनऊ के महानिदेशक डॉक्टर संजय सिंह ने गुरूवार को वाराणसी और जौनपुर के गाँव का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने फूलपुर के पतिराजपुर एवं केराकत अंतर्गत सोहनी गाँव का भ्रमण कर किसानों का हाल जाना। किसानो के समूह से बात करते हुए उन्होंने सरकार के द्वारा किसानों के लिए चलाए जा रहे परियोजनाओं पर चर्चा करने के साथ साथ किसानो से उनका हाल जाना। महानिदेशक डॉक्टर संजय सिंह के साथ उपस्थित कृषि विज्ञान केंद्र, वाराणसी के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉक्टर नरेंद्र रघुबंशी, डॉक्टर राहुल कुमार सिंह एवं डॉक्टर श्रिप्रकाश सिंह ने इन्द्रसेन सिंह के प्रक्षेत्र पर लगे फसल का निरीक्षण भी किया । महानिदेशक एवं वैज्ञानिकों द्वारा इन्द्रसेन के प्रक्षेत्र पर लगे गन्ने की फसल एवं एकीकृत खेती की काफी सराहना किया गया। इस अवसर पर उपस्थित किसानो ने खेती में आ रही समस्याओं से महानिदेशक को अवगत कराया। उन्होंने किसानों को सहकारी समिती बनाने के साथ साथ कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों से तकनीकी सलाह लेकर खेती करने का सुझाव दिया। इस अवसर पर प्रगतिशील किसान इन्द्रसेन सिंह, ब्रजेश सिंह, अशोक यादव, ओमकर सिंह, सच्चिदानंद गिरी, मार्जाद यादव सहित लगभग तीन दर्जन किसान उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

छात्र, आम नागरिक, राहगीर और किसान के लिए मुसीबत बन रहे छुट्टा पशु

प्रखर जौनपुर। योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनते ही गौ माता और बछड़े को बूचड़खाने में जाने से बचाने के लिए पूरे प्रदेश में गौ हत्या पर प्रतिबंध लगाया। इसके लिए उन्होंने प्रदेश के हर जिले के प्रत्येक विकासखंड क्षेत्र में गांव स्तर पर गौशाला की स्थापना और चारे पानी के प्रबंध के बारे में गंभीरता दिखाई। भौतिकता की दौड़ में अंधा स्वार्थी मनुष्य गाय का दोहन करने के पश्चात बछड़े सहित घर से खदेड़ दिया। जिस गौ माता की महिमा पुराणों में वर्णित है और किसी भी शुभ कार्य या पूजा पाठ में गाय का दूध का प्रयोग किया जाता है। ऐसी पवित्र गौ माता अब इधर-उधर आवारा और लावारिस पशु की तरह अपने उदर की शांति के लिए और प्यास से व्याकुल दर-दर भटकती फिर रही हैं। आधुनिकता के दौर में इंसान इतना स्वार्थी हो गया है कि बढ़ती जनसंख्या और आवश्यकता के कारण उपभोग सामग्री में कमी और उपभोक्ताओं में वृद्धि हो गई है जिसका दुष्परिणाम गौ माता को भुगतना पड़ रहा है। पहले इंसान गाय से उत्पन्न गोबर का उपयोग भोजन बनाने के लिए उपली, खेतों में गोबर की खाद और कंपोस्ट खाद के रूप में करता था।इतना ही नहीं गोबर गैस संयंत्र में भी गोबर का इस्तेमाल होता था और बाद में उससे निकले अपशिष्ट पदार्थ से खाद तैयार होती थी और जिसका प्रयोग खेतों में करता था।इससे कोई साइड इफेक्ट नहीं पड़ता था। अनाज के अधिक उत्पादन की होड़ में तमाम कीटनाशकों और रसायनों तथा भारी मात्रा में उर्वरकों के प्रयोग ने अनगिनत मानसिक और शारीरिक बीमारियों को जन्म दिया। इसका दुष्प्रभाव आने वाली पीढियां पर भी पड़ने लगा। सरकार ने गौ संरक्षण के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं इसमें कोई शक नहीं किंतु इससे और नई समस्याएं उत्पन्न हो गईं जैसे इंसान की मानसिकता को इस प्रकार से बदला जाए कि वह गाय का दूध दुहने के बाद जब वह दूध देने में सक्षम नहीं रहती तो भी न छोड़े। तमाम समाजसेवियों और स्वयंसेवी संगठनों ने भी अपने स्तर से चंदा जुटाया और पुआल- भूसा एकत्रित करके गौशाला तक पहुंचाया जो अत्यंत सराहनीय कार्य है किंतु इतने से ही हमेशा के लिए समस्या का समाधान होना संभव नहीं है। सोशल मीडिया पर तथा प्रमुख समाचार पत्रों और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर भूख प्यास से मर रही गौ माता और उन्हें नोच नोच कर खाते चील कौवे वाली खबरें तथा वीडियो भी वायरल हुई जिससे सरकार प्रशासन और आम जनता की संवेदनहीनता भी उजागर हुई। सरकार को भी इस बात पर विचार करना होगा कि चारे और पशु आहार का प्रति पशु का औसत क्या प्रत्येक पशु के लिए पर्याप्त है यदि नहीं है तो इससे जानवर कुपोषण के शिकार होंगे कि नहीं और भूख प्यास से दम तोड़ेंगे कि नहीं ?जितने अधिक ऐशो- आराम की चाह इंसान में बढ़ी इसके बदले में उसने साथ-साथ अनेकों बीमारियों को भी मोल ले लिया। बीमारियों की वृद्धि ने इंसान के औसत जीवन काल को भी कम कर दिया जिसका नतीजा रहा कि हमारे पूर्वज 100 वर्ष से अधिक आयु तक जीवित रहते थे लेकिन आज तमाम बीमारियों के कारण अल्पायु में ही रोग ग्रस्त होकर अपना जीवन हार जा रहे हैं। छुट्टा पशुओं को पकड़ने के लिए सरकार ने कैटल कैचर का भी प्रबंध किया किंतु वह भी काफी हद तक सार्थक और कारगर नहीं साबित हुआ। स्कूली छात्र, आम राहगीर और किसान पर इधर-उधर घूम रहे इन जानवरों से इन तीनों के अस्तित्व को बचाने लिए समस्या उत्पन्न हो गई है। स्कूली बच्चों और आम राहगीर सड़क पर पूरी तरह से अतिक्रमण कर रहे इन पशुओं की वजह से कितनी दुर्घटनाएं हो रही हैं इसका भी कोई ठोस उपाय होना चाहिए ।सरकार- प्रशासन और हर नागरिक के सामने यह समस्या और सवाल जस का तस बना हुआ है। इस पर कोई ठोस कदम अभी तक नहीं उठाए गए हैं।

दुर्घटना की सूचना मिलने पर पहुंचे पुलिस टीम पर हमला तीन नामजद 50 अज्ञात पर केस दर्ज

प्रखर सहजनवां, गोरखपुर। सहजनवां थाना क्षेत्र के भीटी रावत चौराहे पर रात्रि में 8.30 बजे के करीब पुलिस को सूचना मिली कि एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया है। जिसमे एक गुमटी क्षतिग्रस्त हो गयी है। पुलिस जैसे ही मौके पर पहुची तो पहले से मौजूद तीन नामजद तथा 50 से अधिक लोग पुलिस से बहस करते हुए हमला बोल दिया। जिसमें पुलिस ने अनेक धाराओं में केस दर्ज कर दो लोगो को हिरासत में ले लिया है। मिली जानकारी से रात्रि में 8.30 बजे पुलिस को सूचना मिली थी अनियंत्रित ट्रक पलटने से एक गुमटी को नुकसान पहुचा है। पहले से मौजूद लोग ट्रक चालक से जबरजस्ती 20 हजार रुपये मांग रहे थे। उसी दौरान थाने से दरोगा चंदन नारायण अपने हमराहियों के साथ घटना स्थल पर पहुचे तो मौजूद लोग पुलिस टीम से बहस करते हुए हमला बोल दिया। पुलिस किसी तरह भाग कर जान बचायी। इस दौरान अफरा तफरी मच गया। दरोगा चंदन नारायण की तहरीर पर अशोक यादव पुत्र रामअवध यादव निवासी जोन्हिया,रामु प्रसाद पुत्र स्व रामगजन,योगेंद्र पुत्र सतेंद्र के खिलाफ बलवा,जान लेवा हमला,जान मारने की धमकी तथा 7 क्रिमनल एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर दो को हिरासत में ले लिया है।

डेंगू की रोकथाम व नियंत्रण के लिए स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर, सीएमओ ने की अपील

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। संचारी व मौसमी बीमारियों को नियंत्रित करने के लिए जिला स्वास्थ्य विभाग निरंतर प्रयासरत है। विभाग टीम भेजकर लोगों को जागरूक कर रहा है। साथ ही प्रभावी रोकथाम के लिए फॉगिंग, छिड़काव आदि कार्य किया जा रहा है। यह कहना है मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ देश दीपक पाल का। उन्होंने बताया कि जनपद में इस वर्ष अभी तक डेंगू के 109 मरीजों को चिन्हित किया गया, जिनमें से करीब 105 रोगी ठीक हो चुके हैं। शेष का इलाज जारी है।

सीएमओ ने कहा है कि डेंगू की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग व जिला मलेरिया इकाई पूरी तरह से सतर्क है। जनमानस को भी जागरूक होने और सहयोग करने की आवश्यकता है। उन्होंने अपील की है कि घर-घर जाने वाली टीमों को सहयोग प्रदान करते हुए सही सूचना उपलब्ध कराएं। घर के अंदर व आस-पास पानी जमा न होने दें। साथ ही साफ-सफाई का भी विशेष ध्यान रखें। वही जिला मलेरिया अधिकारी (डीएमओ) मनोज कुमार ने बताया कि जनपद में डेंगू के संभावित मरीजों की लगातार जांच व उपचार की प्रक्रिया की जा रही है। जिनकी एलाइजा रिपोर्ट पॉजिटिव आ रही है उनको तत्काल उपचार पर रखा जा रहा है। जनपद में इस वर्ष अब तक 109 डेंगू के मरीज चिन्हित किए जा चुके हैं। कोई भी गंभीर स्थिति में नहीं है। उन्होंने बताया कि इन दिनों जनपद में लगातार विभाग के द्वारा स्रोत विनष्टीकरण के साथ ही एंटी लार्वा छिड़काव घरों में किया जा रहा है। इसके अलावा नालियों में लार्वी साइड और गलियों में फॉगिंग की जा रही है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण इलाकों में इन सभी कार्यों के लिए जिला पंचायती राज विभाग के द्वारा और नगरीय इलाकों में नगर पालिका और नगर पंचायत के द्वारा सहयोग किया जा रहा है। साथ ही लोगों को जागरूक करने का भी काम किया जा रहा है। परिवार को डेंगू से कैसे बचाएं, इसके बारे में जानकारी दी जा रही है। डेंगू पीड़ित के परिवार के लोगों की फीवर एवं मलेरिया की जांच भी कराई जा रही है। विभाग के गाइड लाइन के अनुसार घर के अंदर व आस-पास पानी जमा न होने दें। जैसे - कूलर, पानी की टंकी, फूल के गमलों, बेकार पड़े हुए टायरों, प्लास्टिक की बोतलों, नारियल के खोल आदि में जमा पानी में लार्वा पनपता है। इसको रोकने के लिए यह आवश्यक है कि पानी सप्ताह में एक बार अनिवार्य रूप से बदल कर साफ करें। पानी की टंकी के ढक्कन को पूरी तरह बंद रखे। निष्प्रयोज्य सभी वस्तुओं को नष्ट कर दें, जिनमें पानी जमा होता हो। घर तथा आसपास साफ-सफाई का ध्यान रखें। डेंगू का मच्छर दिन में तथा शरीर के निचले हिस्से में काटता है, इसलिए यह सलाह दी जाती है कि पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनें। सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें` घर में पर्याप्त प्रकाश तथा हवा की व्यवस्था रखें।

सौहार्दपूर्ण ढंग से निकला दावत-ए-इस्लामी हिंद जुलूसे मिलाद

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। हर साल की तरह इस साल भी दावत-ए-इस्लामी हिन्द के बैनर तले टाउन हॉल के मैदान से बरोज जुमेरात जुलूसे मिलाद निकाला गया। जिसमें शहर के तमाम मोहल्ले के लोग अपने छोटे-छोटे जुलूस की शक्ल में टाउन हॉल के मैदान में शामिल हुवे और वहां से बड़े जुलूस की शक्ल में दावत-ए-इस्लामी हिन्द के बैनर तले शहर के परमिशन लिए हुए रास्तों से गुजरा और वापिस टाउन हॉल के मैदान में दुआ के साथ खत्म हुआ। जिसमें शहर के तकरीबन हर मोहल्ले वासी शामिल रहे जुलुस बड़े ही सुकून के साथ निकला गया जिसमे प्रशासन ने भी साथ दिया। इस जुलूस में इस्लाम धर्म के प्रचारक मोहम्मद साहब -सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम- की पैदाइश का जश्न यानी खुशी मनाते हैं जिन्होंने दुनिया वालों को इंसानियत का पैगाम दिया जाता है। जिन्होंने जीने का ढंग सिखाया छोटो को बड़ों से बात करना बड़ों को छोटों से बात करना सिखाया , तकलीफ देने वाले को माफ कर देना, झूठ बोलने से बचना गलत और गंदे कामों को करने से बचना एक दूसरे को देखकर जलने से बचना अपने जात से किसी को तकलीफ ना देना यह सब हमारे प्यारे नबी अल्लाह के आखिरी नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम जिनकी पैदाइश का हम जश्न मना रहे हैं खुशी मना रहे हैं उनके बताए हुए पैगाम है और अफजल हुसैन अत्तारी निगरा दावत-ए-इस्लामी हिन्द गाजीपुर ने बताया आज नौजवान पीढ़ी अपने वक्त को कहां गुजार रही है रात रात भर गंदे गंदे वीडियो देखकर के टाइम पास करना गंदी गंदी फिल्में देखना गंदे गाने सुनना झूठ गीबत चुगली इस कदर नौजवानों में भरता चला जा रहा है कि आज इसको रोकना बहुत जरूरी है इसको रोकने का एक ही जरिया है वह है अल्लाह के आखिरी नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम जिनकी पैदाईश की खुशी हम मना रहे हैं उनके जिंदगी को पढ़ना और उनके नक्शे कदम पर अपनी जिंदगी को गुजारना जहां आज इतना ज्यादा माहौल में नफरत भर गई है वहां इंसान को सिर्फ इतना सोचना चाहिए कि एक दिन मरना है आखिर मौत है- करले जो करना है आखिर मौत है इंसान नफरत फैला करके इस दुनिया से जाता है तो ऐसो को याद नहीं किया जाता इसलिए जब तक जिंदा रहे मोहब्बत का पैगाम देते रहे मोहब्बत का पैगाम देने वाले का जश्न हम मनाने आए हैं तो हम यही पैगाम देना चाहते हैं कि मोहब्बत की बातें और मोहब्बत बांट करके इस दुनिया से जाएं ताकि लोग याद रखें। हमारा जुलुस मदरसा कादरिया प्रिंसिपल मौलाना फरीद अख्तर कादरी साहब की सर-परस्ती में निकला और शहर के मानिंद लोग भी शामिल हुए नदीम अत्तारी, फैज अत्तारी ,शालू खान ,आरिफ अत्तारी दिलशाद मदनी, हैदर मदनी अफजल हुसैन अत्तारी, अतीक अहमद राईन मौजूद रहे।

जिम्मेदारो की निरंकुशता के कारण मानक की धज्जियां उड़ाते होटल व रेस्टोरेंट व्यवसायी

प्रखर गोरखपुर। सहजनवा तहसील क्षेत्र के गीडा स्थित सेक्टर 22 में आए दिनों होटल एवं रेस्टोरेंटों का संख्या बढ़ता जा रहा है होटल व्यवसाईयों द्वारा सरकार के मानक की धज्जियां उड़ाते हुए कुकुरमुत्ते की तरह गली-गली में होटल और रेस्टोरेंट का कारोबार जोरों पर दिखाई दे रहा है होटल में मानक के हिसाब से पूरी व्यवस्था भी नहीं की जा रही है और होटल में दिए जा रहे कमरों का रेट भी काफी लंबा चार्ज है और होटल में कमरा देने के नाम पर अनैतिक धंधे भी देखने को मिल रहा है। होटल व रेस्टोरेंट में चल रहे गोरखधंधा का बीड़ा कुछ महिलाएं व पुरुषो के कंधे पर होता है इन महिलाओं व पुरुषों द्वारा होटलों व रेस्टोरेंटो पर ग्राहकों को पहले बुलाया जाता है उसके बाद ग्राहकों से मुह मांगी रकम का डिमांड किया जाता है सौदा तय होने के बाद महिला सीपेसलार द्वारा ग्राहकों को उनके हिसाब से सौदा सुपुर्द किया जाता है और इस धंधे से सभी लोग मालामाल हो जाते हैं।सूत्रों से मिली जानकारी के द्वारा दिन हो या रात धंधा खूब फल फूल रहा है वही जिमेदार पूरी तरह से मूकदर्शक बने हुए हैं।सहजनवा के सेक्टर 22 में चल रहे होटल के कोई मानक किसी प्रकार का कोई मानक पूरा नहीं किया जा रहा है और आए दिन होटल की संख्या बढ़ती जा रही है जिस पर सभी जिम्मेदार मौन साधे हुए हैं होटल पर दिन में 2 घंटे का चार्ज लगभग 2000 रखा जाता है कुछ होटल को छोड़कर अन्य होटल के पास सरकार के द्वारा जारी किए गए लाइसेंस व कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज जिसका रजिस्ट्रेशन होना अनिवार्य है जिसमें लाइसेंस एवं अन्य डॉक्यूमेंट बनवाना जरूरी है जिसमें बिल्डिंग बनाने का परमिशन ,हायर सेफ्टी परमिट, बार रजिस्ट्रेशन फूड बिजनेस रजिस्ट्रेशन, जीएसटी रजिस्ट्रेशन होटल बिजनेस रजिस्ट्रेशन ,पुलिस लाइसेंस रजिस्ट्रेशन होना अनिवार्य है और होटल खोलने के लिए इन सभी कागजी कार्रवाई जरूरत पड़ती है और होटल के रूम में सोफा, टीवी ,टेलीफोन वाई-फाई कनेक्टिविटी ,अउ व नॉन एसी रूम बाथरूम के सभी सामान, किचन के सामान रूम के आवश्यक सामान होना आवश्यक है होटल में लॉन, हाल, गार्डन और पार्किंग की व्यवस्था होनी चाहिए होटल खोलने के पहले अपनी नजदीकी पुलिस स्टेशन में सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी है जिससे आपको होटल संचालन करने की अनुमति मिल सके होटल पंजीकरण के लिए ऑनलाइन व्यवस्थाएं होती हैं जिसमें इन सभी डॉक्यूमेंट की जरुरत होती हैं। लेकिन सहजनवा तहसील क्षेत्र के गीडा सेक्टर 22 स्थित होटल व्यवसाईयों द्वारा खुले आम मानक की धज्जियां उड़ाते हुए होटल का संचालन किया जा रहा है तथा होटल और रेस्टोरेंट के नाम पर तमाम तरह के अनैतिक धंधों का संचालन भी किया जा रहा है और बढ़ावा भी दिया जा रहा है ग्राहकों को कमरा उपलब्ध कराने के बाद उनके मनचाहे ख्वाहिशों को होटल कारोबारी द्वारा पूरा किया जाता है और मुंह मांगी रकम भी ली जाती है और सुबह से लेकर शाम तक इन होटलों के अगल-बगल की गालियों में युवक एवं युवतियों के आने जाने से गुलजार होना शुरू हो जाता है। और होटल की रौनक बढ़ जाती है इस गोरख धंधों में होटल व्यवसायी पूरी तरह से लिप्त नजर आते है वही जिम्मेदार पूरी तरह से मुख दर्शक बने हुए हैं।वही जिम्मदारो द्वारा बार बार कहा जाता है कि इन सभी की जांच करा कर कार्यवाही किया जायेगा लेकिन कही न कही जिम्मेदारो की निरंकुशता सामने दिखाई दे रही है।वही जब इस विषय में मुख्य कार्यपालक अधिकारी गीडा अनुज मलिक जी से बात किया गया तो उन्होंने कहा कि आप लोगों द्वारा मुझे जो जानकारी मिली है इन सभी विन्दुओ का जांच कराकर जल्द कार्यवाही किया जायेगा।

प्रशिक्षित चिकित्सक से ही कराये सुरक्षित गर्भसमापन : डॉ. रजनी

प्रखर प्रयागराज। अनचाहे गर्भ से निदान के लिए योग्य चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। सुरक्षित गर्भ समापन की सुविधा सरकारी अस्पतालों के साथ मान्यता प्राप्त नर्सिंगहोमो में उपलब्ध है। झोलाछाप अथवा अप्रशिक्षित चिकित्सको से असुरक्षित गर्भसमापन से जान जोखिक की संभावनाएं ज्यादा होती है। महिलाओं को इसकी जानकारी चाहिए। यह विचार डॉ रजनी सिंह, ओबेस्टेस्टिक्स गायिनेकोलॉजी ने वसेरा तथा स्वदेश सेवा संस्थान द्वारा तिकोनिया पार्क, तेलियरगंज , प्रयागराज में अन्तर्राष्ट्रीय सुरक्षित गर्भसमापन दिवस की पूर्व संध्या पर संशोधित एमटीपी एक्ट 2021 के महत्व विषयक सेमिनार में बतौर मुख्य अतिथि ब्यक्त किया। उन्होंने बताया कि एमटीपी एक्ट संशोधन 2021 में अविवाहित दुष्कर्म पीड़ित नाबालिक किशोरियो को भी सुरक्षित गर्भसमपन का अधिकार देता है। इसके प्रचार प्रसार तथा ब्यापक जागरूकता कि आवश्यकता है , जिससे झोला छाप तथा अप्रशिक्षित लोगो से असुरक्षित गर्भसमापन से बच सके। विशिष्ट अतिथि आसुतोष उपाध्याय, अधिवक्ता हाईकोर्ट इलाहाबाद ने बताया कि असुरक्षित गर्भसमापन से मौत की संभावनाएं ज्यादा होती है तथा उसका साइड इफेक्ट भी हो सकता है। एमटीपी एक्ट संशोधन महिलाओं को अधिकार देती है कि सुरक्षित गर्भसमापन को अपनाये। अनचाहे गर्भ से विवाहित तथा अविवाहित महिलाओं को इसका अधिकार है। कई देशों में गर्भसमापन गैरकानूनी है। भारत मे 20 सप्ताह तक के गर्भासमापन कराया जा सकता है। विशेष परिस्थितियों में 24 सप्ताह के गर्भ को चिकित्सको के पैनल तथा निगरानी में सुरक्षित गर्भसमापन हो सकता है। वसेरा के सचिव देवेन्द्र कुमार शर्मा ने सेमिनार के औचित्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 10 में से 6 अनचाहे गर्भधारण होते है। लगभग 45 प्रतिशत मातृमृत्यु का कारण असुरक्षित गर्भ समापन है। इन परिस्थियो में संशोधित एमटीपी एक्ट 2021 के महत्व विषय पर सेमिनर आयोजित किया गया। अध्यक्षीय उद्बोधन में पूनम ने बताया कि आज महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने की आवश्यकता है। मेरा शरीर, मेरा अधिकार तथा मेरा निर्णय ही चलेगा। मुझे कब गर्भ धारण करना है, अनचाहे गर्भ के समापन का अधिकार भी मेरा होना चाहिए। संचालन देव रतन राय ने किया। स्वदेश सेवा संस्थान के कार्यकताओं में सूर्य प्रताप सिंह , देव रतन राय , अनमोल , केतन मोदनवाल , दिलीप कुमार , शिवम साहू , उत्कर्ष , पूजा , ज्योति , निशा यादव व अन्य कार्यकर्ताओ की उपस्थिति रहे ।

इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन तथा टूरिज्म वेलफेयर एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में टूरिज्म एंड ग्रीन इन्वेस्टमेंट विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन तथा टूरिज्म वेलफेयर एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में विश्व पर्यटन दिवस पर नदेसर मिन्ट हाउस स्थित होटल ताज के दरबार हाल में टूरिज्म एंड ग्रीन इन्वेस्टमेंट विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन हुआ` संगोष्ठी की विषय स्थापना करते हुए आई आई ए के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आर के चौधरी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर सभी काशीवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पर्यटन की दृष्टि से आज काशी विश्व पटल पर अपना स्थान रखती है काशी के सांसद तथा देश के प्रधानमंत्री जी के निरंतर प्रयास से बनारस को स्वच्छ तथा सुंदर बनाया जा रहा है श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के भव्य निर्माण की गाथा देश एवं विदेश के हिंदू सनातनी जन मानस को इसके दर्शन हेतु आमंत्रित करती है विगत दो वर्षों में जिस तरह से जन सैलाब बनारस आया है और लगातार आ रहा है उसका अथिति देवो भव के भाव से सम्मान करना हम बनारसियों की जिम्मेदारी है` जिला प्रशासन अपनी ओर से इन पर्यटकों और दर्शनार्थियों की सुविधा हेतु पूरी तरह प्रयत्नशील है आज विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर हम अपने शहर में प्रतिदिन आ रहे अतिथियों को और बेहतर व्यवस्था कैसे प्रदान कर सके इस विषय पर अवश्य चिंतन मंथन करेगे इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन की पर्यटन की राष्ट्रीय समिति के चेयरमैन तथा टूरिज्म वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष राहुल मेहता अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्व पर्यटन दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम की थीम टूरिज्म एंड ग्रीन इन्वेस्टमेंट के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि आज पूरे विश्व को इको टूरिज्म की ओर ध्यान देने की आवश्यकता है पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए ही पर्यटन विकास करने की आवश्यकता है` इस अवसर पर मंचासीन सम्मानित अतिथियों टू डब्लू ए का टूरिज्म कैलेंडर 2024 का थीम लॉन्च किया गया इस कैलेंडर में उत्तर प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलो अयोध्या , वाराणसी, प्रयागराज ,कुशीनगर, मथुरा, वृंदावन, झांसी, चित्रकूट आदि को स्थान दिया गया है इसके साथ ही ओडीओपी के प्रोडक्ट को भी इस कैलेंडर में दशार्या गया है` संगोष्ठी के मुख्य अतिथि अशोक तिवारी महापौर वाराणसी, विशिष्ट अतिथि कौशल राज शर्मा (आई.ए.एस.) आयुक्त वाराणसी मंडल रहे तथा उन्होंने पर्यटन की असीम सम्भावनाओं का उल्लेख करते हुए अधिकाधिक पर्यटन की सुविधाएँ देने का आश्वासन दिया` इस अवसर पर ग्रीन इनीशिएटिव हेतु महाप्रबंधक होटल ताज को इनोवेटिव आइडिया हेतु उदित वासुदेव को उनके प्रोजेक्ट काशी आनंदम एवं स्पिरिचुअल और वैदिक विलेज को सम्मानित किया गया` काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रदोष मिश्रा को एंबेसडर ऑफ टूरिज्म इन एकेडमिक्स के सम्मान से नवाजा गया इसी प्रकार टूर एंड ट्रैवल सर्विसेज के लिए बेंजामिन नादर डायरेक्टर ट्रैवल असिस्टेंट, एक्स्कर्जन लीडर मदन विश्वकर्मा लाइसेंस टूरिस्ट गाइड तथा प्रदीप साहनी बोट ऑपरेटर टूरिज्म के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों हेतु सम्मानित किया गया इसी प्रकार आर्ट एंड क्राफ्ट के क्षेत्र में बनारसी साड़ी एवं ब्रोकेड हेतु सर्वेश अग्रवाल में रमा टेक्सटाइल टेक्सटाइल प्राइवेट लिमिटेड तथा नीरज सेलोट में नीलमबारी साड़ी, गुलाबी मीनाकारी में बलराम दास नेशनल अवार्ड तथा वुडन हैंडीक्राफ्ट के क्षेत्र में राजेश जोगई, जोगई, हैंडीक्राफ्ट को सम्मानित किया गया ` मोस्ट इन्नोवेटिव सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर करण कपूर को उनके उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित किया गया` पदम श्री डॉक्टर रजनीकांत द्वारा पर्यटन के क्षेत्र में हैंडीक्राफ्ट के योगदान विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया गया ` इंडियन इंडस्ट्री एसोसिएशन के राष्ट्रीय सचिव राजेश भाटिया ने वाराणसी में जाम तथा गंदगी से पर्यटकों एवं आम नागरिकों को हो रही असुविधाओं की ओर ध्यान आकृष्ट कराया` उत्तर प्रदेश टूरिज्म के डिप्टी डायरेक्टर आर के रावत तथा इंडिया टूरिज्म के असिस्टेंट डायरेक्टर अमित गुप्ता ने प्रदेश सरकार तथा भारत सरकार टूरिज्म पॉलिसी के बारे में विस्तार से बताया` धन्यवाद प्रकाश इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य नीरज पारीक ने दिया इस संगोष्ठी में प्रेम मिश्रा, अशोक जायसवाल, प्रशांत अग्रवाल, मनीष कटारिया, गौरव गुप्ता, यू आर सिंह सहित अन्य उद्यमी उपस्थित रहे।

व्यायाम के दौरान नाक से सांस लेने से मुश्किल नहीं आसानी होती है

कैम्ब्रिज (द कन्वरसेशन)। श्वास अवचेतन है। हमें इसके बारे में सोचने की ज़रूरत नहीं है - यह बस हो जाता है। लेकिन जब हम व्यायाम करते हैं, तो हममें से कई लोग इसके प्रति सामान्य से अधिक जागरूक हो जाते हैं - कभी-कभी हम अपनी हर सांस के बारे में सोचते हैं। कम और मध्यम तीव्रता वाले व्यायाम (जैसे पैदल चलना और साइकिल चलाना) के दौरान, हममें से अधिकांश लोग अपनी नाक से सांस लेते हैं और अपने मुंह से सांस छोड़ते हैं। लेकिन व्यायाम जितना अधिक तीव्र होता जाता है, उतना ही हम पूरी तरह मुंह से सांस लेने लगते हैं। हममें से अधिकांश लोग यह मानेंगे कि गहन व्यायाम के दौरान मुंह से सांस लेना सबसे अच्छी तकनीक है, क्योंकि यह हमारी मांसपेशियों तक अधिक ऑक्सीजन पहुंचने में मदद देता है। लेकिन सबूत इसके विपरीत दिखाते हैं - और यह कि आपकी नाक से सांस लेना वास्तव में गहन व्यायाम (जैसे दौड़ना) के दौरान उपयोग करने के लिए एक बेहतर तकनीक हो सकती है।

अध्ययनों की एक श्रृंखला से पता चला है कि विभिन्न तीव्रता पर व्यायाम करते समय, मुंह से सांस लेने की तुलना में नाक से सांस लेने पर कम ऑक्सीजन का उपयोग होता है। हालांकि यह कोई फ़ायदा नहीं लग सकता है, लेकिन मूल रूप से इसका मतलब यह है कि शरीर कम ऑक्सीजन का उपयोग करते हुए भी उतनी ही मात्रा में व्यायाम कर सकता है। यह विशेष रूप से अधिक सहनशक्ति वाले एथलीटों के लिए एक वास्तविक लाभ हो सकता है क्योंकि गति को अधिक समय तक बनाए रखना ही सफलता का मूलमंत्र है।

ऑक्सीजन को कार के लिए ईंधन की तरह समझें। एक कार प्रति गैलन जितने कम ईंधन का उपयोग करती है उसकी 'ईंधन अर्थव्यवस्था' उतनी ही बेहतर होती है। यही बात ऑक्सीजन पर भी लागू होती है। चलते हुए पैदल यात्री जितनी कम ऑक्सीजन का उपयोग करेगा, व्यक्ति उतनी ही कम ऊर्जा का उपयोग करेगा (और इसलिए वह उतना ही अधिक किफायती होगा)। इसका मतलब है कि आप जल्दी थके बिना आगे दौड़ने में सक्षम हो सकते हैं। इसके अलावा, आपकी नाक से सांस लेने से हवा की मात्रा कम हो जाती है। यह समझ में आता है, क्योंकि नाक आपके मुंह से बहुत छोटी होती है, इसलिए आप एक समय में इतनी अधिक ऑक्सीजन नहीं खींच सकते। लेकिन इस अध्ययन में यह भी पाया गया कि व्यायाम करते समय लोग अपनी नाक से कम बार सांस लेते हैं, जो कम तर्कसंगत लगता है। यहां मुख्य बात यह समझना है कि हवा उच्च दबाव से कम दबाव की ओर जाती है ताकि उसे फेफड़ों में जाने में मदद मिल सके। यद्यपि मुंह की तुलना में नाक गुहा में हवा की मात्रा कम होती है, लेकिन दबाव अधिक होता है - जिसका अर्थ है कि हवा श्वसन प्रणाली में अधिक तेज़ी से प्रवेश करती है।

इसका परिणाम यह होता है कि काम करने वाली मांसपेशियों तक ऑक्सीजन अधिक तेजी से पहुंचाई जा सकती है। प्रति सांस अधिक ऑक्सीजन भी निकलती है, जो बताता है कि एक ही व्यायाम के दौरान मुंह या नाक से सांस लेने पर हृदय गति में कोई अंतर क्यों नहीं होता है। इसलिए कम मात्रा में ऑक्सीजन आने के बावजूद, यह इंगित करता है कि हृदय को इसे मांसपेशियों तक पहुंचाने के लिए अधिक मेहनत करने की आवश्यकता नहीं है।

■ नाक से सांस लेने से नाइट्रिक ऑक्साइड का उत्पादन बढ़ जाता है, जिससे न केवल फेफड़ों और मांसपेशियों तक ऑक्सीजन पहुंचना आसान हो जाता है, बल्कि यह वायुजनित रोगजनकों (जैसे वायरस) को भी रोक सकता है।

■ कम और मध्यम तीव्रता वाले व्यायाम (जैसे पैदल चलना और साइकिल चलाना) के दौरान, हममें से अधिकांश लोग अपनी नाक से सांस लेते हैं और अपने मुंह से सांस छोड़ते हैं। लेकिन व्यायाम जितना अधिक तीव्र होता जाता है, उतना ही हम पूरी तरह मुंह से सांस लेने लगते हैं

■ सबूत इसके विपरीत दिखाते हैं - और यह कि आपकी नाक से सांस लेना वास्तव में गहन व्यायाम (जैसे दौड़ना) के दौरान उपयोग करने के लिए एक बेहतर तकनीक हो सकती है। अध्ययनों की एक श्रृंखला से पता चला है कि विभिन्न तीव्रता पर व्यायाम करते समय, मुंह से सांस लेने की तुलना में नाक से सांस लेने पर कम ऑक्सीजन का उपयोग होता है

इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 3 को मिले 'टॉप 5' फाइनलिस्ट

मुंबई (वार्ता)। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के शो इंडियाज बेस्ट डांसर 3 को'टॉप 5'फाइनलिस्ट मिल गये है। बेस्ट डांसर 3 के प्रतिभागियों ने एक्सपर्ट्स - सोनाली बेंद्रे, गीता कपूर और टेरेंस

लुईस को मंत्रमुग्ध कर दिया है। अब, फिनाले की दौड़ में, रियलिटी डांस शो को अपने'टॉप 5'फाइनलिस्ट्स मिल गए है। कोरियोग्राफर कार्तिक राजा के साथ अनिकेत चौहान, कोरियोग्राफर आकाश थापा के साथ अंजलि ममगांई, कोरियोग्राफर भावना खंडूजा के साथ समर्पण लामा, कोरियोग्राफर पंकज थापा के साथ विपुल खंडपाल और कोरियोग्राफर विवेक चाचेरे के साथ शिवांशु सोनी इंडियाज बेस्ट डांसर का सबसे प्रतिष्ठित खिताब जीतने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करते नजर आएंगे। 'ग्रैंड फिनाले'30 सितम्बर को होगा।

मेडिकल ड्रामा 'मुंबई डायरीज 2' का 6 अक्टूबर से होगा प्रीमियर

मुंबई (आईएएनएस)। एक्टर्स मोहित रैना और कोंकणा सेन शर्मा स्टारर रोमांचक मेडिकल ड्रामा 'मुंबई डायरीज 2' छह अक्टूबर से प्रीमियर के लिए

तैयार है। निर्माता और निर्देशक निखिल आडवाणी ने कहा, मुंबई डायरीज एक जटिल रूप से बुना गया मेडिकल ड्रामा है, जो हमारे फ्रंटलाइन वर्कर्स और मेडिकल कम्युनिटी के हीरोज के ट्रायल और जीत की पड़ताल करता है।

आवाज के जादू से दिलों पर राज किया

लता मंगेशकर ने

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड में लता मंगेशकर को ऐसी पार्श्वगायिका के तौर पर याद किया जाता है,जिन्होंने अपनी आवाज के जादू से संगीत प्रेमियों के दिलों पर करीब सात दशक तक राज किया। मध्य प्रदेश के इंदौर में 28 सितम्बर 1929 को जन्मीं लता मंगेशकर (मूल नाम हेमा हरिदकर) के पिता दीनानाथ मंगेशकर मराठी रंगमंच से जुड़े हुये थे। पांच वर्ष की उम्र में लता ने अपने पिता के साथ नाटकों में अभिनय करना शुरू कर दिया। इसके साथ ही लता संगीत की शिक्षा अपने पिता से लेने लगी। उन्होंने वर्ष 1942 में फिल्म किटी हसाल के लिये अपना पहला गाना गाया लेकिन उनके पिता को लता का फिल्मों के लिये गाना पसंद नहीं आया और उन्होंने उस फिल्म से लता के गाये गीत को हटवा दिया।

वर्ष 1942 में 13 वर्ष की छोटी उम्र में ही लता के सिर से पिता का साया उठ गया और परिवार की जिम्मेदारी उनके उपर आ गयी। इसके बाद उनका पूरा परिवार पुणे से मुंबई आ गया। लता को फिल्मों में अभिनय करना जरा भी पसंद नहीं था बावजूद इसके परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी को उठाते हुये उन्होंने फिल्मो में अभिनय करना शुरू कर दिया। वर्ष 1942 मे लता को 'पहली मंगलगौर' में अभिनय करने का मौका मिला। वर्ष 1945 में लता की मुलाकात संगीतकार गुलाम हैदर से हुयी। गुलाम हैदर लता के गाने के अंदाज से काफी प्रभावित हुये। गुलाम हैदर ने फिल्म निमार्ता एस .मुखर्जी से यह गुजारिश की कि वह लता को अपनी फिल्म शहीद में गाने का मौका दे। एस.मुखर्जी को लता की आवाज पसंद नही आई और उन्होंने लता को अपनी फिल्म में लेने से मना कर दिया । इस बात को लेकर गुलाम हैदर काफी गुस्सा हुये और उन्होंने कहा यह लड़की आगे इतना अधिक नाम करेगी कि बड़े-बड़े निमार्ता-निर्देशक उसे अपनी फिल्मों में गाने के लिये गुजारिश करेगे।

जन्मदिवस 28 सितम्बर के अवसर पर

वर्ष 1949 में फिल्म महल के गाने आयेगा आने वाला गाने के बाद लता बालीवुड में अपनी पहचान बनाने में सफल हो गयी। इसके बाद राजकपूर की बरसात के गाने जिया बेकरार है, हवा मे उड़ता जाये जैसे गीत गाने के बाद लता बालीवुड में एक सफल पार्श्वगायिका के रूप में स्थापित हो गयी। सी.रामचंद्र के संगीत निर्देशन में लता ने प्रदीप के लिखे गीत पर एक कार्यक्रम के दौरान एक गैर फिल्मी गीत ए मेरे वतन के लोगों गाया। इस गीत को सुनकर तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू इतने प्रभावित हुये कि उनकी आंखो मे आंसू आ गये। लता के गाये इस गीत से आज भी लोगो की आंखे नम हो उठती है ।

लता की आवाज से नौशाद का संगीत सज उठता था । संगीतकार नौशाद लता के आवाज के इस कदर दीवाने थे कि उन्होने अपनी हर फिल्म में लता को ही लिया करते थे ।वर्ष 1960 मे प्रदर्शित फिल्म मुगले आजम के गीत मोहे पनघट पे गीत की रिकार्डिंग के दौरान नौशाद ने लता से कहा था मैंने यह गीत केवल तुम्हारे लिये ही बनाया है, इस गीत को कोई और नहीं गा सकता है। हिन्दी सिनेमा के शो मैन कहे जाने वाले राजकपूर को सदा अपनी फिल्मो के लिये लता की आवाज की जरूरत रहा करती थी। राजकपूर लता के आवाज के इस कदर प्रभावित थे कि उन्होने लता मंगेशकर को सरस्वती का दर्जा तक दे रखा था। साठ के दशक में लता पार्श्वगायिकाओं की महारानी कही जाने लगी। वर्ष 1969 मे लक्ष्मीकांत प्यारे लाल के संगीत निर्देशन ने लता मंगेशकर ने फिल्म इंतकाम का गाना आ जानें जा गाकर यह साबित कर दिया कि वह आशा भोंसले की तरह पाश्चात्य धुन पर भी गा सकती है। नब्बे के दशक तक आते आते लता कुछ चुनिंदा फिल्मो के लिये ही गाने लगी ।

शेफाली शाह, जिम सर्भ, वीर दास एमी अवार्ड्स के लिए नॉमिनेट

मुंबई (वार्ता)। इंटरनेशनल एमी अवार्ड्स 2023 ने अपने नॉमिनेशन की लिस्ट की अनाउंसमेंट कर दी है। अनाउंस की गई लिस्ट में 20 देशों के 56 नॉमिनेटेड लोग शामिल हैं, जिसमें भारत से शेफाली शाह, जिम सर्भ और वीर दास का नाम भी शामिल है। शेफाली शाह को दिल्ली क्राइम 2 सीरीज में उनके काम के लिए बेस्ट एक्ट्रेस कैटेगरी में नॉमिनेट किया गया है।जिम सर्भ को रॉकेट बॉयज 2 सीरीज में डॉ जे होमी भाभा के रूप में उनकी अदाकारी के लिए एक अभिनेता द्वारा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए नॉमिनेट किया गया है। वीर दास को उनकी नेटफ्लिक्स कॉमेडी स्पेशल वीर दासः

लैंडिंग के लिए नॉमिनेट किया गया है। 20 नवमबर 2023 को इंटरनेशनल एमी अवार्ड्स 2023 का आयोजन न्यूयॉर्क में किया जाएगा, वहीं इन सभी सितारों के साथ-साथ फिल्म निर्माता एकता कपूर को भी सम्मानित किया जाएगा। एकता कपूर को 52वें इंटरनेशनल एमी अवार्ड्स 2023 में प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय एमी डायरेक्टरेट पुरस्कार से नवाजा जाएगा।

मिशन रानीगंज

द ग्रेट भारत रेस्क्यू के ट्रेलर की सराहना

मुंबई (आईएएनएस)। पूजा एंटरटेनमेंट और अक्षय कुमार की अपकमिंग रेस्क्यू थ्रिलर 'मिशन रानीगंजः द ग्रेट भारत रेस्क्यू' का ट्रेलर आखिरकार जारी कर दिया गया है। ट्रेलर को देखने के बाद फैंस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ट्रेलर ने रिलीज होने के महज 24 घंटों के भीतर सैकड़ों व्यूज बटोर लिए है और हर जगह फिल्म की चर्चा हो रही है। ट्रेलर ने एक्स पर भी बड़े पैमाने पर चर्चा शुरू की दी है। यूजर्स हैशटैग मिशन रानीगंज ट्रेलर का इस्तेमाल कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। यह फिल्म रियल लाइफ हीरो जसवंत सिंह गिल की लाइफ पर बेस्ड है, जिन्होंने नवम्बर 1989 में रानीगंज में बाढ़ वाली कोयला खदान में फंसे खनिकों को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। ट्रेलर में कलाकारों के प्रदर्शनों की काफी सराहना की जा रही है।

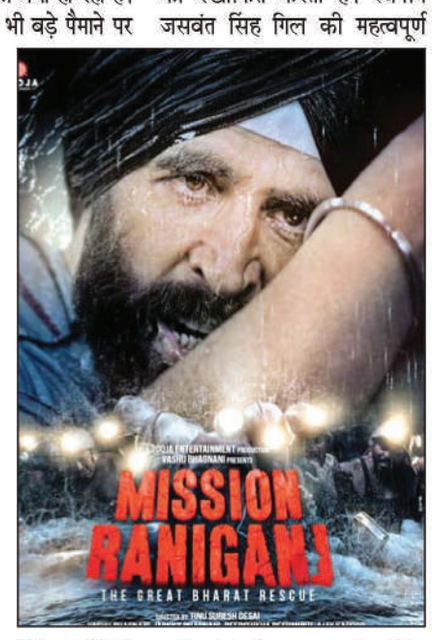

इसमें कई ऐसे असाधारण क्षण हैं, जो दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींच रहे हैं। जिन सीन्स में खनिकों को खदान में फंसे हुए दिखाए गए, उन्हें शानदार कैमरावर्क के साथ खूबसूरती से फिल्माया गया है। यह फिल्म की सिनेमैटोग्राफी लेवल को हाइलाइट करता है। ट्रेलर में ऐसे कई एलिमेंट्स शामिल हैं, जो इसे सिनेमाघरों में देखने के लिए परफेक्ट ऑप्शन बनाता है। अक्षय के अंडरवाटर शॉट्स से लेकर पावरफुल डायलॉग तक, यह इमोशन्स और देशभक्ति को जगाता है। फिल्म में अक्षय का लुक भी दर्शकों के बीच काफी चर्चा का विषय बना हुआ है। विपरीत परिस्थितियों से उबरने के उनके लचीलेपन को प्रदर्शित करते हुए उनकी भावनाओं को पूरी तरह से सामने लाया गया है। ट्रेलर का समापन एक रोंगटे खड़े कर देने वाले सीन के साथ होता है, जिसमें अक्षय प्रार्थना करते हुए दिखाई देते हैं, जो सम्मोहक कहानी कहने की परिवर्तनकारी शक्ति को रेखांकित करता है। स्वर्गीय जसवंत सिंह गिल की महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए, अक्षय ने रानीगंज कोयला खदान के अंदर फंसे खनिकों को बचाने में गिल के अटूट दृढ संकल्प और उनके साहस को दिखाया।

पावरफुल बैकग्राउंड म्यूजिक ट्रेलर में नई जान डाल रहा है।इसके अलावा, ट्रेलर में जसवन्त गिल की इनोवेटिव रेस्क्यू टेक्निक पर प्रकाश डाला गया है, जिसका भारत में पहली बार इस्तेमाल किया गया, जो जीवन बचाने में उनके साहस को प्रदर्शित करता है। परिणीति चोपड़ा, जो जसवन्त गिल की पत्नी का किरदार निभा रही हैं, एक उल्लेखनीय भूमिका में हैं।

'खतरों के खिलाड़ी' में चैलेंजर बनकर आएंगी हिना खान

मुंबई (आईएएनएस)। 'खतरों के खिलाड़ी' सीजन 13 में अभिनेत्री हिना खान एक चैलेंजर के रूप में वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि बहादुरी के लिए एक बेंचमार्क स्थापित करने के लिए चुना जाना सम्मान की बात है। शो के रोमांच की भावना को अगले स्तर पर ले जाते हुए, एक्शन मास्टर और होस्ट रोहित शेट्टी इस सीजन के तीसरे चैलेंजर का स्वागत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। शो के आठवें सीजन की मशहूर फाइनलिस्ट 'शेर खान' के नाम से मशहूर हिना अपनी असाधारण लचीलेपन और शो के आठवें संस्करण में अधिकांश स्टंट में महारत हासिल करने के लिए प्रसिद्ध हैं, जो इस सीजन के प्रतियोगियों को चुनौती देने के लिए तैयार हैं। अपने निडर व्यक्तित्व को बरकरार रखते हुए, हिना शो में 'लग जा गले' गाते हुए प्रवेश करती नजर आएंगी, क्योंकि वह एक चट्टान से कूदने वाली हैं।

तापसी पन्नू की फिल्म

धकधक

मुंबई,(वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू निर्मित फिल्म धकधक 13 अक्टूबर को रिलीज होगी। तापसी पन्नू फिल्म धक-धक से बतौर प्रोड्यूसर नया सफर शुरू करने जा रही हैं। इस फिल्म को तापसी पन्नू वायाकॉम 18 के साथ मिलकर प्रोड्यूस कर रही हैं। तरुण दुदेजा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में फातिमा सना शेख ,दीया मिर्जा, रत्ना पाठक शाह और संजना सांघी की मुख्य भूमिका है।फातिमा सना शेख ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म धकधक का पोस्टर शेयर किया, जिसमें फातिमा सना शेख, रत्ना पाठक शाह , दीया मिर्जा और संजना सांघी नजर आ रही हैं। इस पोस्टर में चारों बाइक पर सवार हैं। तापसी पन्नू ने फिल्म धकधक के पोस्टर को शेयर करते हुए लिखा, मेरी चार हीरोज आपको एक ऐसे सफर पर आपको ले जाने के लिए तैयार हैं, जो आपको जिंदगी भर याद रहेगा।

आंख मिचौली का ट्रेलर रिलीज

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री मृणाल ठाकुर की आने वाली फिल्म आंख मिचौली का ट्रेलर रिलीज हो गया है। मृणाल ठाकुर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर'आंख मिचौली'के ट्रेलर को शेयर किया है। फिल्म'आंख मिचौली'में मृणाल ठाकुर ने पारो का किरदार निभाया है, जिसे शाम होने के बाद दिखाई देना बंद हो जाता है। इसके अलावा परेश रावल, अभिषेक बनर्जी, दिव्या दत्ता, शरमन जोशी और अभिमन्यु दसानी जैसे कलाकार भी इस ट्रेलर में अपनी-अपनी भूमिकाओं के साथ दर्शकों का ध्यान खींचते हुए नजर आ रहे है। उमेश शुक्ला ने फिल्म'आंख मिचौली'का निर्देशन किया है।

संक्षिप्त खबरें

एबी फैशन ने हिस्सेदारी ली

नई दिल्ली। आदित्य बिड़ला फैशन रिटेल लिमिटेड (एबीएफआरएल) ने टीसीएनएस क्लोदिंग में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। एबीएफआरएल ने मंगलवार देर रात शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा, 'कंपनी ने टीसीएनएस की विस्तारित शेयर पूंजी का 51 प्रतिशत हासिल कर लिया है, जिससे टीसीएनएस पर नियंत्रण प्राप्त हो गया है।' बयान में कहा गया, टीसीएनएस अब कंपनी की एक अनुषंगी कंपनी बन गई है। सेबी के सूचीबद्ध विनियमों के तहत कंपनी की एक सामग्री अनुषंगी कंपनी भी होगी।

छंटनी करेगी बायजू

नई दिल्ली। शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी बायजू चालू वित्त वर्ष में 3,500 कर्मचारियों की छंटनी कर सकती है। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने यह जानकारी दी। कंपनी अपनी टीमों को मजबूत करने और क्षेत्रीय स्तर पर अधिक ध्यान देने पर विचार कर रही है। सूत्रों में से एक के अनुसार, ऑनलाइन शिक्षा में अचानक उछाल के कारण बायजू ने कोविड-19 वैश्विक महामारी के समय लोगों को "अधिक काम पर रखा" था, लेकिन अब मांग कम हो गई है जिसके लिए कंपनी को बदलाव करने की जरूरत है।

लोकप्रिय हो रहा इनड्राइव

लखनऊ (वि.)। दुनिया भर में दो अरब से अधिक राइड्स पूरी करने वाला ग्लोबल मोबिलिटी अर्बन सर्विसेस और कम्युनिटी डेवलपमेंट प्लेटफार्म इनड्राइव किराए को लेकर यात्रियों और ड्राईवर में काफी लोकप्रिय है। यह जानकारी देते हुए साउथ एशिया इनड्राइव की पीआर मैनेजर पी नंदा आनंद ने कहा हमारा ऐप ड्राइवर्स और पैसेंजर्स को आपस में नेगोशिएट करने की अनुमति दे रहा है जिससे दिल्ली एनसीआर, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, चंडीगढ़, पुणे, अहमदाबाद, सूरत, लखनऊ, लुधियाना, जयपुर और भोपाल में उपलब्ध इनड्राइव ग्राहकों को अपनी सवारी का दाम तय करने की स्वतंत्रता मिलने से अन्य ऐप के मुकाबले लोग इनड्राइव को तरजीह दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को बनाए रखने के लिए एक हम सेफ्टी पैक भी लेकर आए हैं।

टाइटन की आई+ योजना

नई दिल्ली (वि,)। नेत्र स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता पैदा करने और बच्चों के सीखने के परिणामों में सुधार लाने के उद्देश्य से, टाइटन ने आई+ योजना शुरू की है। इसके तहत कंपनी उत्तर प्रदेश में 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए नेत्र जांच कार्यक्रम शुरू कर रही है। कंपनी लखनऊ, कानपुर, इलाहाबाद, वाराणसी, आज़मगढ़ सहित यूपी क्षेत्र के अन्य क्षेत्रों में 500 से अधिक छात्रों की स्क्रीनिंग करने की योजना बना रही है। यूपी आई स्क्रीनिंग चैप्टर अखिल भारतीय आई स्क्रीनिंग अभियान का हिस्सा है जिसका लक्ष्य भारत के 300+ शहरों में 11000+ स्कूलों तक पहुंचना है। इसके साथ ही, टाइटन आईकेयर डिवीजन ने 14 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए टाइटन **Titan Eye+ Dash Contest 2023** भी लांच किया है।

साई सिल्क्स सूचीबद्ध

नई दिल्ली। खुदरा परिधान विक्रेता साई सिल्क्स (कलामंदिर) के शेयर निर्गम मूल्य 222 रुपये से चार प्रतिशत के उछाल के साथ बुधवार को बाजार में सूचीबद्ध हुए। बीएसई पर शेयर 3.64 प्रतिशत की बढ़त के साथ 230.10 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। बाद में कारोबार के दौरान यह 9.84 प्रतिशत चढ़कर 243.85 रुपये पर पहुंच गए। एनएसई पर शेयर ने निर्गम मूल्य से चार प्रतिशत बढ़त के साथ 231 रुपये पर कारोबार शुरू किया। शुरुआती कारोबार में कंपनी का बाजार मूल्यांकन 3,719.13 करोड़ रुपये रहा।

जिंक गैल्वनाइजेशन संयंत्र

नई दिल्ली। सालासर टेक्नो इंजीनियरिंग ने हापुड़ में 60 करोड़ रुपये के निवेश से जिंक गैल्वनाइजिंग संयंत्र शुरू करने की बुधवार को घोषणा की। कंपनी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, नए संयंत्र की वार्षिक क्षमता 96,000 मीट्रिक टन होगी। जिंक की परत के साथ स्टील या अन्य धातुओं की परत चढ़ाने को जिंक गैल्वनाइजेशन कहा जाता है। कंपनी का दावा है कि यह संयंत्र दुनिया के सबसे बड़े संयंत्रों में से एक है। विभिन्न उद्योगों, खासकर बिजली पारेषण बुनियादी ढांचे, निर्माण तथा वाहन में उच्च गुणवत्ता वाले गैल्वेनाइज्ड उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

प्रोफेशनल्स के लिए जेप्टो सबसे पसंदीदा स्टार्टअप

■ लिंक्डइन की रैंकिंग में शीर्ष पर रहा यह स्टार्टअप ■ ई किराना ऐप भी पेशेवरों में काफी लोकप्रिय

नई दिल्ली (भाषा)।

ई-वाणिज्य मंच जेप्टो पेशेवरों के पसंदीदा कार्यस्थल के मामले में भारत में शीर्ष स्टार्टअप के रूप में उभरा है। कामकाजी पेशेवरों से जुड़े मंच लिंक्डइन ने बुधवार को 'शीर्ष 25 भारतीय स्टार्टअप सूची' जारी की। इसमें उन उभरती कंपनियों को शामिल किया गया है जहां पेशेवर काम करना चाहते हैं।

इस सूची में जेप्टो के बाद ई-किराना ऐप, ईवी कैब एग्रीगेटर ब्लूस्मार्ट, फिनटेक कंपनी डिट्टो इंश्योरेंस, ऑडियो ओटीटी मंच पॉकेट एफएम और स्काईरूट एयरोस्पेस शामिल हैं। यह सूची लिंक्डइन के डेटा पर आधारित है।

कर्मचारी की संख्या में इजाफा, नौकरी चाहने वालों की रुचि, कंपनी तथा उसके कर्मचारियों के बीच जुड़ाव के मामले में जेप्टो अग्रणी स्टार्टअप के रूप में उभरा हैं। पिछले साल वह चौथे स्थान पर था।

लिंक्डइन इंडिया की संपादकीय प्रमुख एवं करियर विशेषज्ञ निराजिता बनर्जी ने कहा, 'यह वास्तव में उल्लेखनीय है कि इस वर्ष की सूची में शामिल 20 स्टार्टअप में से 14 ने पहली बार इस सूची में जगह बनाई हैं, जो भारत के स्टार्टअप क्षेत्र में नवाचार की अपार संभावनाओं तथा बेहतरीन गति को रेखांकित करता है।'

ग्रेटर नोएडा में औद्योगिक पार्क बनाएगी शाकुंतलम

नई दिल्ली (भाषा)।

रियल्टी फर्म शाकुंतलम लैंडक्राफ्ट की ग्रेटर नोएडा में 1,500 करोड़ रुपये के निवेश से एक औद्योगिक पार्क स्थापित करने की योजना है। इसमें 600 से अधिक सूक्ष्म, लघु एवं मझोली (एमएसएमई) इकाइयों को जगह दी जाएगी।

कंपनी की निदेशक पल्लवी ने इस निवेश योजना की जानकारी देते हुए कहा कि यह औद्योगिक पार्क सूरजपुर में स्थित उस जमीन पर विकसित किया जाएगा जहां पर कभी कोरियाई वाहन कंपनी देवू मोटर्स का विनिर्माण संयंत्र हुआ करता था। गुप्ता ने कहा, 'हमने ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर में स्थित 204 एकड़ जमीन नीलामी में करीब 359 करोड़ रुपये में खरीदी है।

नोएडा एयरपोर्ट को मिला DXN का कूटनाम

■ आईएटीए ने आवंटित किया कोड

नई दिल्ली (एजेंसियां)।

विमानन कंपनियों की वैश्विक संस्था आईएटीए ने ग्रेटर नोएडा के जेवर में निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के लिए तीन अक्षरों वाले कूटनाम (कोडनेम) का आवंटन कर दिया है।

हवाई अड्डे की मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) किरण जैन ने बयान में कहा कि अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आईएटीए) ने नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए

'डीएक्सएन' कूटनाम आवंटित किया है। दुनियाभर में करीब 300 एयरलाइंस का प्रतिनिधित्व करने वाला आईएटीए किसी हवाईअड्डे की विशिष्ट पहचान को सुनिश्चित करने के लिए तीन अक्षर का कूटनाम जारी करता है। इस कूटनाम से उड़ानों के परिचालन एवं मार्ग निर्धारण में सहूलियत होती है।

नोएडा हवाई अड्डे के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) क्रिस्टॉफ श्नेलमैन ने कहा कि डीएक्सएन का कूटनाम इस हवाई अड्डे की दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश एवं नोएडा के साथ नजदीकी को परिलक्षित करता है। आईएटीए से जुड़ी एयरलाइंस दुनिया के कुल हवाई यातायात के करीब 83 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करती हैं।

दिल्ली से सटे गौतम बुद्ध नगर जिले में ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के जेवर में यह हवाई अड्डा विकसित किया जा रहा है। इस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का परिचालन शुरू होने पर दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का बोझ कम करने और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लोगों को सहूलियत मिलने की उम्मीद है।

भारत के लिए अब उड़ान भरने का वक्त आ गया

■ नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी की राय

■ भारत ऐसे मुकाम पर है जहां निजी क्षेत्र को निभानी हैं बेहद अहम जिम्मेदारी

नई दिल्ली (भाषा)।

नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने बुधवार को कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी कामकाजी आबादी और मजबूत भौतिक एवं डिजिटल संस्थानों की मौजूदगी से भारत के लिए अब उड़ान भरने का वक्त आ गया है। बेरी ने यहां 'पब्लिक अफेयर्स फोरम आफ इंडिया' की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था ऐसे मुकाम पर है जहां निजी क्षेत्र को अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है।

उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र देश में शोध एवं विकास गतिविधियों में 40 प्रतिशत योगदान करता है जबकि विकसित देशों में यह अनुपात 70 प्रतिशत है। बेरी ने कहा, 'यह भारत के लिए उड़ान भरने का वक्त है। मानवता के पांचवें हिस्से के जीवनस्तर में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।' उन्होंने कहा, 'इस बात में कोई संदेह नहीं है कि भारत आगे बढ़ रहा है। भारत के पास दुनिया की सबसे बड़ी कामकाजी उम्र वाली आबादी है और इसके पास मजबूत भौतिक एवं डिजिटल संस्थान भी हैं।'

उर्जित के कार्यकाल में रुख से पलटने का आदी था RBI

■ पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग ने अपनी पुस्तक में किया इसका खुलासा

■ कहा, रिजर्व बैंक के पास रखी आरक्षित निधि सरकार को नहीं देना चाहते थे उर्जित पटेल

गर्ग ने लिखा...

- आरक्षित निधि न देने पर पटेल से बहुत नाराज हुए थे मोदी
- मोदी ने पटेल की तुलना 'रुपए के ढेर पर कुंडली मार कर बैठे नाग' से की थी
- गर्ग ने कहा, पटेल के दौर में नार्थ ब्लाक और रिजर्व बैंक के बीच रिश्ते कभी भी अच्छे नहीं रहे

नई दिल्ली (भाषा)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के तत्कालीन गवर्नर उर्जित पटेल की अगुवाई में केंद्रीय बैंक बार-बार अपना रुख बदलने का आदी हो गया था। चुनावी बान्ड और डिजिटल भुगतान सहित विभिन्न मामलों में यह देखने को मिला। यह बात पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग ने अपनी नई किताब में लिखी है। उन्होंने किताब में तत्कालीन आरबीआई गवर्नर पटेल के रुख में बदलाव का उदाहरण देते हुए लिखा है आरबीआई ने चुनावी बान्ड मुद्दे और भुगतान नियामक बोर्ड (पीआरबी) की स्थापना के मामले में रुख बदला था।

गर्ग ने अपनी किताब 'वी ऑल्सो मेक पॉलिसीः एन इनसाइडर्स अकाउंट ऑफ ह्राऊ द फाइनेंस मिनिस्ट्री फंक्शंस' में लिखा है कि आरबीआई ने भुगतान प्रणाली में भागीदारी के लिए आंकड़ों के स्थानीय स्तर पर भंडारण का आदेश देने जैसे एकतरफा फैसले भी किए। गर्ग कहते हैं, 'वर्ष 2007 में बने भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम (पीएसएस) में कोई संशोधन नहीं हो पाया। सरकार ने अभी तक वित्त अधिनियम 2017 के जरिये बने पीआरबी को अधिसूचित नहीं किया है।

किताब में लिखा गया है कि पटेल केंद्रीय बैंक के पास पड़ी आरक्षित निधि को भारत सरकार को हस्तांतरित करने को इच्छुक नहीं थे। इस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनकी तुलना 'रुपये के ढेर पर कुंडली मारकर पर बैठे सांप' से की थी। गर्ग 21 जून, 2017 से 25 जुलाई, 2019 के बीच आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव थे। उन्होंने वित्त सचिव की भी भूमिका निभायी। उनके कार्यकाल में किसानों के लिये न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) तय करने, चुनावी बान्ड पेश करने, बैंकों में पूंजी डालने और छह हवाई अड्डों को बाजार पर चढ़ाने जैसे राजनीतिक लिहाज से महत्वपूर्ण निर्णय हुए। हालांकि, उनके कार्यकाल के दौरान सबसे विवादास्पद और चर्चित मुद्दा आरबीआई और वित्त मंत्रालय के दफ्तर नॉर्थ ब्लॉक के बीच का संबंध था।

भारत में भूकंप 'अलर्ट' सेवा शुरू करेगी गूगल

नई दिल्ली (भाषा)।

इंटरनेट सर्च इंजन कंपनी गूगल भारत में एक भूकंप अलर्ट (चेतावनी) सेवा शुरू करेगी। यह सेवा एंड्रॉयड स्मार्टफोन में सेंसर का उपयोग करके भूकंप का अनुमान और उसकी तीव्रता का पता लगाने का काम करेगी। कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

गूगल ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) और राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनएससी) के परामर्श के साथ भारत में 'एंड्रॉयड भूकंप अलर्ट सिस्टम' पेश किया है। कंपनी ने एक ब्लॉग में कहा, 'एनडीएमए और एनएससी के परामर्श के साथ आज हम भारत में एंड्रॉयड भूकंप अलर्ट प्रणाली पेश कर रहे हैं। इसके जरिये हमारी कोशिश एंड्रॉयड उपयोगकर्ताओं को उनके क्षेत्र में भूकंप आने की स्वचालित शुरुआती चेतावनी देना है।'

कंपनी के अनुसार, यह सेवा आने वाले सप्ताह में एंड्रॉयड-5 और उसके बाद के संस्करणों में उपलब्ध होगी। यह प्रणाली एंड्रॉयड स्मार्टफोन में मौजूद छोटे 'एक्सेलेरोमीटर' की मदद लेती है जो मिनी सीस्मोमीटर (भूकम्पमापी) के रूप में काम कर सकता है।

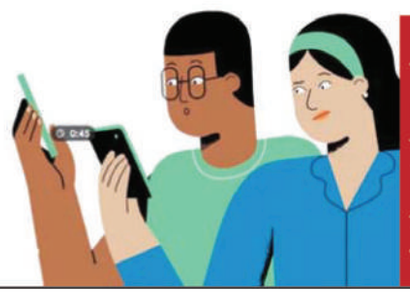

- एंड्रायड फोन पर यह सेवा देगी कंपनी
- इसके लिए फोन में लगेगा एक सेंसर
- फोन यूजर्स को उनके क्षेत्र के बारे में जारी होगा अलर्ट

कोयला खदान जल संसाधनों के सतत इस्तेमाल से 981 गांवों को फायदा

नई दिल्ली (भाषा)।

सरकार ने बुधवार को कहा कि कोयला मंत्रालय के तहत सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों द्वारा खदान जल संसाधनों के सतत इस्तेमाल से नौ राज्यों के 981 गांवों के 17.7 लाख लोगों को फायदा पहुंचा है।

कोयला खनन कार्यों के दौरान खदान का पानी बड़ी मात्रा में खदान के भूमिगत टैंक में जमा हो जाता है। यह पानी कई सामुदायिक उद्देश्यों को पूरा करता है, जिसमें घरेलू तथा पेयजल की आपूर्ति, कृषि क्षेत्रों की सिंचाई, भूजल पुनःपूर्ति, धूल दमन और भारी मशीनरी की धुलाई जैसे विभिन्न औद्योगिक इस्तेमाल शामिल हैं।

बीमार पेंशनधारकों के घर पर जाकर लाइफ सर्टिफिकेट लें बैंक

■ केंद्र सरकार ने सभी बैंकों को दिये इसके निर्देश

नई दिल्ली (भाषा)।

केंद्र सरकार ने पेंशन वितरण करने वाले सभी बैंकों से बीमार और अस्पताल में भर्ती पेंशनभोगियों को जीवन प्रमाणपत्र जमा करने में मदद करने के लिए उनके पास 'डोरस्टेप कार्यकारियों' भेजने की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है।

पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग (डीओपीपीडब्ल्यू) ने एक आदेश में कहा है कि सभी बैंक 80 वर्ष और उससे अधिक आयु वाले अति-वरिष्ठ पेंशनभोगियों को डिजिटल माध्यम से जीवन प्रमाण-पत्र बनवाने को लेकर जागरूकता पैदा करने के प्रयास करें। चेहरे का सत्यापन करने वाली तकनीक के इस्तेमाल से पेंशनभोगियों का डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र बनाया जा सकता है। दरअसल, सभी पेंशनभोगियों को अपनी पेंशन आगे भी पाने के लिए हर साल अपने जीवित होने का प्रमाण देना होता है जिसे 'जीवन प्रमाणपत्र' कहा जाता है। इस समय केंद्र सरकार के लगभग 69.76 लाख पेंशनभोगी हैं।

■ सरकार ने अपने आदेश में कहा, इस काम के लिए डोर स्टेप बैंकिंग से जुड़े कर्मचारियों की मदद ले सकते हैं बैंक

केंद्र सरकार ने वर्ष 2019 में बैंकों से कहा था कि वे अति वरिष्ठ पेंशनभोगियों को नवम्बर के बजाय एक अक्टूबर से ही अपना जीवन प्रमाणपत्र देने की अनुमति दें। वहीं 80 साल से कम उम्र के पेंशनधारकों को अपना जीवन प्रमाणपत्र नवम्बर में देना होता है। डीओपीपीडब्ल्यू की तरफ से 25 सितम्बर को जारी आदेश में कहा गया है कि चेहरे का सत्यापन करने वाली तकनीक से बनाए गए डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र (डीएलसी) को अब हर पेंशनभोगी अपने घर से ही स्मार्टफोन के जरिये या बैंक शाखा में जमा करा सकता है। आदेश के मुताबिक, बैंक डोरस्टेप बैंकिंग कार्यकारियों की नियुक्ति करके जीवन प्रमाणपत्र जमा करने की सुविधा दे सकते हैं। बैंक 80 वर्ष से अधिक उम्र के पेंशनभोगियों को एक अक्टूबर से यह सुविधा देने का निर्देश अपनी शाखाओं को दे सकते हैं।

इस आदेश में बैंकों को डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र बनवाने की सुविधा के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न मंचों का इस्तेमाल करने का सुझाव दिया गया है। इस बारे में बैंक शाखाओं एवं एटीएम पर पोस्टर के जरिये सूचना दी जा सकती है।

समुद्री मार्ग से माल ढुलाई पर एकीकृत जीएसटी से छूट

नई दिल्ली (भाषा)।

सरकार ने समुद्री मार्ग से आयातित माल के लिए होने वाले भुगतान को पांच प्रतिशत एकीकृत माल एवं सेवा कर (आईजीएसटी) से छूट दी है।

वित्त मंत्रालय ने आयातित वस्तुओं पर 'समुद्री मार्ग से माल ढुलाई' पर एकीकृत जीएसटी के भुगतान के संबंध में आईजीएसटी (एकीकृत माल एवं सेवा कर) अधिनियम में बदलाव को एक अक्टूबर से अधिसूचित किया है। फिलहाल, आयातकों को 'रिवर्स चार्ज मैकेनिज्म' के तहत पांच प्रतिशत जीएसटी देना होता है। रिवर्स चार्ज यानी उलट शुल्क ढांचे के तहत कर जमा करने की जिम्मेदारी आपूर्तिकर्ता के बजाए माल प्राप्त करने वालों पर होती है।

केपीएमजी में अप्रत्यक्ष कर मामलों के प्रमुख और भागीदार अभिषेक जैन ने कहा कि प्रस्तावित संशोधन मोहित मिनरल्स के मामले में शीर्ष अदालत के फैसले के अनुरूप है। यह इस मामले में सरकार के रुख को स्पष्ट करने में मदद करता है।

जैन ने कहा, 'हालांकि इसे आगे की तिथि से जारी किया गया है, उद्योग उन मामलों में पिछली अवधि के लिए पहले से दिए जा चुके कर की वापसी की मांग कर रहा है, जहां 'क्रेडिट' का लाभ नहीं लिया गया है।'

मोहित मिनरल्स मामले में उच्चतम न्यायालय ने अपना फैसला सुनाते हुए पिछले साल मई में कहा था कि चूंकि देश में आयातक 'समग्र आपूर्ति' पर आईजीएसटी का भुगतान करने को जवाबदेह हैं, ऐसे में पोत परिवहन के जरिये सेवाओं की आपूर्ति के लिए भारतीय आयातक पर एक अलग शुल्क जीएसटी अधिनियम का उल्लंघन होगा। मोहित मिनरल्स मामले में, कंपनी ने समुद्री मार्ग से माल ढुलाई पर आईजीएसटी लगाने के संबंध में केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) की अधिसूचना की वैधता को गुजरात उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखा।

ड्रोन तकनीक से कृषि क्षेत्र में आएगा बड़ा बदलाव

नई दिल्ली (भाषा)।

फसल कटाई, उसके परिवहन और भंडारण के दौरान होने वाली भारी क्षति को ड्रोन प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से लगभग 50 प्रतिशत कम किया जा सकता है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

'ट्रांसफॉर्मिंग इंडियाज फ्रेश फ्रूट्स एंड वेजिटेबल इंडस्ट्रीः ड्रोन डिलिवरी फार मिनीमाइजिंग वेस्टेज एंड एम्पॉवरिंग फॉर्मर्स' (भारत के ताजा फल और सब्जी उद्योग में बदलावः बर्बादी को कम करने और किसानों को सशक्त बनाने के लिए ड्रोन डिलिवरी)' शीर्षक से जारी यह रिपोर्ट ताजा फल और सब्जी क्षेत्र में कटाई के बाद की चौंका देने वाली बर्बादी को उजागर करती है। रिपोर्ट में बताया गया है कि कैसे ड्रोन डिलिवरी इन चुनौतियों को कम कर सकती है, किसानों की स्थिति में सुधार कर सकती है। इसके साथ ही ड्रोन डिलिवरी पूरी आपूर्ति श्रृंखला की कार्यकुशलता बढाने और उसे टिकाऊ बनाने में मदद कर सकती है।

प्रमुख ड्रोन डिलिवरी लॉजिस्टिक्स प्रदाता स्काई एयर ने एक नए अध्ययन में कहा है कि ड्रोन प्रौद्योगिकी भारतीय कृषि क्षेत्र का पूरा नक्शा बदलने में सक्षम है। इस रिपोर्ट में कृषि में ड्रोन प्रौद्योगिकी की नई और विशाल क्षमताओं के बारे में बताया गया है और कई नए तथ्य सामने रखे गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत को ताजा फलों और सब्जियों के क्षेत्र में कटाई के बाद सालाना 30-40 प्रतिशत की भारी क्षति के साथ एक गंभीर चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के अनुसार, ये नुकसान, लगभग 13,300 करोड़ रुपये (1.8 अरब डॉलर) तक पहुंच गया है।

फसल कटाई, परिवहन और भंडारण के दौरान होने वाली क्षति पर लगेगी लगाम

प्रमुख तौर पर उचित भंडारण सुविधाएं न होने के कारण कृषि उत्पादों के खराब होने, अकुशल परिवहन सेवाएं और सीमित बाजार पहुंच के कारण नुक्सान बढ़ रहा है।

स्काई एयर के सीईओ अंकित कुमार ने कहा, 'परिवहन के एक महत्वपूर्ण हिस्से को सडक़ से ड्रोन डिलिवरी में स्थानांतरित करके, किसान कार्बन उत्सर्जन घटा सकते हैं।

सेंसेक्स 173 अंक चढ़ा

मुंबई (भाषा)। रिलायंस इंडस्ट्रीज, लार्सन एंड टुब्रो और आईटीसी के शेयरों में लिवाली से स्थानीय शेयर बाजार बुधवार को शुरुआती गिरावट से उबर गया और लाभ के साथ बंद हुआ। एशियाई और यूरोपीय बाजारों के सकारात्मक रुख के बीच लिवाली से बाजार में तेजी आई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 173.22 अंक यानी 0.26 प्रतिशत लाभ के साथ 66,118.69 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में नुकसान में रहा तथा बाद में और लुढ़ककर 65,549.96 अंक तक आ गया था। हालांकि, रिलायंस, एलएंडटी, इन्फोसिस और मारुति में लिवाली से यह नुकसान से उबरा। एक समय यह 226.8 अंक तक चढ गया था। नेशनल स्टाक एक्सचेंज का निफ्टी भी 51.75 अंक यानी 0.26 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,716.45 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह नीचे में 19,554 और ऊंचे में 19,730.70 अंक तक गया। सेंसेक्स की कंपनियों में लार्सन एंड टुब्रो, आईटीसी, सन फार्मा, मारुति, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर लाभ में रहे।

भारत ने शूटिंग में जीते दो स्वर्ण समेत सात पदक

मनु, ईशा और रिदम की तिकड़ी ने टीम इवेंट और सिफ्ट कौर ने व्यक्तिगत स्पर्धा में सोने पर साधा निशाना

हांगझोउ (एजेंसी)। 19वें एशियाई खेलों के चौथे दिन बुधवार को भारत ने निशानेबाजी स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य सहित सात पदक जीत लिए। मनु भाकर, ईशा सिंह और रिदम सांगवान की तिकड़ी को महिलाओं के 25 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा में पहला स्वर्ण पदक मिला। इसके बाद 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन महिला व्यक्तिगत स्पर्धा में भारत की सिफ्ट कौर सामरा ने दूसरा स्वर्ण पदक दिलाया। सिफ्ट ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 469.6 अंक का स्कोर करते हुए व्यक्तिगत स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता, जो नया विश्व रिकॉर्ड है।

सिफ्ट कौर सामरा ने नीलिंग में 154.6, प्रोन में 157.9 और स्टैंडिंग एलिमिनेशन में 157.1 का स्कोर बना कर महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3पी में क्यूनग्यू झांग चीन को 7.3 अंकों के आसान अंतर से हराया। मनु भाकर, ईशा सिंह और रिदम सांगवान की भारतीय महिला 25 मीटर पिस्टल टीम ने 1759 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। चीन (1756) और दक्षिण कोरिया (1742) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक अपने नाम किया। मनु भाकर क्वालीफाइंग राउंड में 590 (283) के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान पर रहीं, जबकि ईशा सिंह ने 586 (173) के स्कोर के साथ पांचवां स्थान हासिल किया। रिदम सांगवान 583 (233) के साथ सातवें स्थान पर रहीं। ज्ञातव्य है कि व्यक्तिगत स्पर्धा में एक देश से केवल दो ही निशानेबाज अंतिम आठ में पहुंच सकते हैं इसलिए रिदम सांगवान जगह बनाने से चूक गई ईशा सिंह ने अपनी शुरुआती सीरीज में केवल 2/5 स्कोर करने के बावजूद फाइनल में रजत पदक जीता।

सिफ्ट कौर

एशियन गेम्स में मप्र का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

भोपाल,(खेसं)। मप्र के खिलाड़ियों ने अब तक 19वें एशियन गेम्स में तीन स्वर्ण, तीन रजत व तीन कांस्य सहित नौ पदक जीते हैं। मप्र का यह एशियन गेम्स में अब तक का सर्वश्रेष्ठत प्रदर्शन है। इसी तरह का प्रदर्शन रहा तो हम इस बार 15 पदक के करीब पहुंच सकते है। अब तक मप्र अकादमी के निशानेबाजों ने अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। शूटिंग में मप्र ने एक स्वर्ण, दो रजत व दो कांस्यय सहित कुल पाच पदक जीते है, इसमें कुछ इवेंट बाकी है, जिसमें हमे पदक की उम्मीद है। जकार्ता एशियन गेम्स 2018 में मप्र के खिलाड़ियों ने पांच पदक जीतकर धूम मचाई थी। इस बार एश्वर्य प्रताप सिंह ने 10 मीटर राइफल टीम इवेंट में देश को स्वर्ण पदक दिलाया। एश्वर्य ने इसी इवेंट के व्यक्तिगत मुकाबले कांस्य पदक जीता। 10 मीटर राइफल महिला टीम इवेंट में मध्यप्रदेश शूटिंग अकादमी की अशी चौकसे ने रजत पदक जीता। बुधवार को अशी चौकसे ने 50 मीटर थ्री पोजीशन व्यक्तिगत इवेंट में कांस्य पदक हासिल किया। शूटिंग में ही एक रजत पदक 50 मीटर थ्री पोजीशन पुरुष वर्ग में एसके शर्मा और एम कौशिक की जोड़ी ने रजत पदक जीता है। महिला क्रिकेट में भारत ने स्वर्ण पदक जीतने में मप्र की पूजा वस्त्राकार ने विशेष भूमिका निभाई। सेलिंग में मध्यप्रदेश वाटर स्पोर्टस अकादमी की नेहा ठाकुर ने सभी को चौंकाते हुए रजत पदक अपने नाम किया। वहीं जूडो में तुलिका मान ने 78 किग्रा भार वर्ग में कांस्स पदक जीता।

पदक तालिका

देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
चीन	76	43	21	140
दक्षिण कोरिया	19	18	31	68
जापान	15	27	24	66
उज्बेकिस्तान	6	10	12	28
हांगकांग	5	8	14	27
भारत	5	7	10	22

प्रदेश की आशी चौकसे रजत पदक जीतने वाली 50 मीटर राइफल भारतीय टीम में भी रहीं शामिल

मध्यप्रदेश शूटिंग अकादमी की कांस्य पदक विजेता आशी चौकसे रजत पदक जीतने की रेस में थीं, लेकिन उनके आखिरी शॉट में 8.9 से नीचे के स्कोर के कारण क्यूनग्यू झांग ने रजत पदक अपने नाम किया और उन्हे कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। इसके अलावा चौकसे, सिफ्ट कौर सामरा और मानिनी कौशिक की तिकड़ी ने महिलाओं के 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन टीम स्पर्धा में क्वालीफाइंग राउंड में अपने क्युमुलेटिव स्कोर 1764 के दम पर रजत पदक जीता। चीन (1773) और कोरिया गणराज्य (1756) ने क्रमशः स्वर्ण और कांस्य पदक हासिल किया।

क्वालीफाइंग राउंड में, सिफ्ट कौर सामरा ने 594 (283) के स्कोर के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि आशी चौकसे 590 (243) के साथ छठे स्थान पर रहीं और मानिनी कौशिक 580 (283) के साथ 18वें स्थान पर रहीं। इससे पहले आशी 10 मी. एयर राइफल में रजत जीत चुकी हैं।

पुरुषों की स्कीट में अनंतजीत ने जीता रजत

पुरुषो की स्कीट में, अनंतजीत सिंह नरूका ने 50/ 60 का प्रभावशाली स्कोर हासिल करते हुए रजत पदक जीता। दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता कुवैत के अब्दुल्ला अब्दुल्ला अल-रशीदी ने भारतीय निशानेबाज को हराने के लिए 60/60 के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की। कतर के नासिर अल-अत्तिया को 46/50 के स्कोर के साथ कांस्य पदक मिला। पुरुष टीम स्पर्धा में, अनंतजीत सिंह नरूका, गुरजोत सिंह खंगुरा और अंगद वीर सिंह बाजवा ने मिलकर 355 के स्कोर के साथ कांस्य पदक हासिल किया। चीन ने 362 अंकों के साथ स्वर्ण पदक पर अपना कब्जा किया और कतर ने 359 अंकों के साथ रजत पदक जीता। अनंतजीत सिंह नरुका पांच राउंड में 121 के स्कोर के साथ क्वालीफाइंग में चौथे स्थान पर रहने के बाद छह सदस्यीय व्यक्तिगत फाइनल में पहुंचने वाले एकमात्र भारतीय थे। गुरजोत सिंह खंगुरा और अंगद वीर सिंह बाजवा ने 16वें और 17वें स्थान के लिए 117-117 अंक हासिल किए।

सरवनन ने नौकायन में जीता कांस्य

भारत के विष्णु सरवनन ने बुधवार को पुरुषो के डिंगी आईएलसीए 7 नौकायन स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। टोक्यो ओलंपियन विष्णु सरवनन ने 11 रेस में 34 नेट प्वाइंट के साथ कांस्य पदक जीता। सेलिंग में सबसे कम अंक हासिल करने वाले को विजेता घोषित किया जाता है। सरवनन एक अंक से रजत पदक चूक गए। महिलाओं की डिंगी आईएलसीए में नेत्रा कुमानन 11 रेस की अपनी सीरीज में नेट 41 प्वाइंट के साथ पदक की दौड़ से बाहर रहीं।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने सिंगापुर को हराया

सविता पूनिया की अगुआई वाली भारतीय महिला हॉकी टीम ने संगीता कुमारी की हैट्रिक और साथी खिलाड़ियो के शानदार खेल की बदौलत सिंगापुर को 13-0 से हरा दिया है। चीन में चल रहे 19वें एशियाई खेलों में पूल ए में भारत बनाम सिंगापुर महिला हॉकी मुकाबले में संगीता ने 23वें, 53वें, 47वें मिनट में तीन गोल किये जबकि नवनीत कौर ने 14वें मिनट में लगातार दो गोल दागे। भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर में ही बैक-टू-बैक पांच गोल कर सिंगापुर की टीम को दबाव में ला दिया। खेल के पहले 15 मिनट में भारतीय खिलाड़ी नवनीत कौर ने लगातार दो गोल किए, जिसके बाद भारत की बढ़त 5-0 होगी। नवनीत कौर के अलावा खेल के पहले क्वार्टर में उदिता, सुशीला चानू और दीपिका ने भी 1-1 गोल अपने नाम किए। दूसरे क्वार्टर भी भारतीय टीम ने तीन और गोल कर मैच में बड़ी बढ़त हासिल कर ली।

ऑस्ट्रेलिया ने मैच व भारत ने जीती सीरीज

कंगारुओं ने 66 रन से जीता अंतिम मुकाबला, पहली बार क्लीन स्वीप करने का सपना टूटा

राजकोट,(एजेंसी)। शीर्ष क्रम के चार बल्लेबाजों के अर्धशतकों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे और अंतिम एक दिवसीय मैच में भारत को 66 रन से हराकर सीरीज में पहली जीत दर्ज की।

मगर सीरीज के शुरुआती दो मुकाबले जीतकर भारतीय टीम ने पहले ही सीरीज पर 2-1 से कब्जा कर लिया था। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 352 रन बनाए। जवाब में भारतीय पारी 49.4 ओवर में 286 रन पर सिमट गई। टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी ऑस्ट्रेलिया को सलामी बल्लेबाज मिचेल मार्श (96) और डेविड वार्नर (56) ने तूफानी शुरूआत दी और पहले विकेट के लिए 78 रन जोड़े। वॉर्नर के आउट होने के बाद मार्श ने दूसरे विकेट के लिए स्टीव स्मिथ (74 रन) के साथ 137 रन की पार्टनरशिप की। इसके बाद लाबुशेन (72 रन) ने मोर्चा संभाला। लाबुशेन 49वें ओवर में पवेलियन लौटे। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने तीन, कुलदीप यादव ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए रोहित और वॉशिंगटन सुंदर (18) ने पहले विकेट के लिए 74 रन जोड़े। सुंदर के आउट होने के बाद रोहित ने कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 70 रन की पार्टनरशिप की। रोहित ने 21वें और कोहली ने 27वें ओवर में अपना विकेट खोया। तीनों मैक्सवेल के जाल में फंसे। श्रेयस अय्यर (48) और केएल राहुल (26) ने भारत को 220 के पार पहुंचाया। मैक्सवेल ने अय्यर को 39वें ओवर में बोल्ड किया। इसके बाद, भारत की हालत लगातार खस्ता होती चली गई। रविंद्र जडेजा (35 रन) को दूसरे छोर से साथ नहीं मिला। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ग्लेन मैक्सवेल ने 10 ओवर में 40 रन देकर सर्वाधिक 4 विकेट चटकाए।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज 550 छक्के जड़ने वाले खिलाड़ी बने भारत के रोहित शर्मा

रोहित शर्मा विंडीज के क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़कर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज 550 छक्के जड़ने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। रोहित ने 471 पारियों में यह आकड़ा छुआ जबकि गेल ने 544 पारियों में इतने छक्के जड़े। हालांकि, गेल (553) के नाम फिलहाल सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय छक्कों का का रिकॉर्ड है। रोहित इसके अलावा सबसे पहले 350, 400, 450, 500 और 550 छक्के जड़ने वाले भारतीय क्रिकेटर बन चुके हैं।

क्रिकेट के सभी प्रारूपों में घरेलू मैदान पर सर्वाधिक छक्के

259 - रोहित शर्मा (भारत)
256 - मार्टिन गुप्टिल (न्यूजीलैंड)
230 - ब्रेंडन मैकुलम (न्यूजीलैंड)
228 - क्रिस गेल (वेस्टइंडीज)
186 - एमएस धोनी (भारत)

विराट ने रिचर्ड्स को पछाड़कर बनाया नया रिकॉर्ड : विराट कोहली (113 बार) वनडे क्रिकेट में तीसरे सर्वाधिक बार 50 या उससे अधिक रन बनाने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। इस सूची में सचिन तेंदुलकर (145 बार) शीर्ष पर हैं। विराट कोहली (2228 रन) विवियन रिचर्ड्स (2187 रन) को पछाड़कर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में चौथे सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। इस सूची में सचिन तेंदुलकर (3077 रन) शीर्ष पर हैं।

स्कोर बोर्ड

ऑस्ट्रेलिया	रन	गेंद	4/6
डेविड वॉर्नर कै. राहुल बो. कृष्णा	56	34	6/4
मिचेल मार्श कै. कृष्णा बो. कुलदीप	96	84	13/3
स्टीव स्मिथ पगबाधा सिराज	74	61	8/1
मार्नस लाबुशेन कै. श्रेयस बो. बुमराह	72	58	9/0
एलेक्स कैरी कै. कोहली बो. बुमराह	11	19	1/0
ग्लेन मैक्सवेल बो. बुमराह	05	07	0/0
कैमरन ग्रीन कै. श्रेयस बो. कुलदीप	09	13	1/0
पैट कमिंस नाबाद	19	22	1/0
मिचेल स्टार्क नाबाद	01	02	0/0

अतिरिक्त: 09, **कुल:** 50 ओवर में सात विकेट पर 352 रन, **विकेट पतन:** 1-78, 2-215, 3-242, 4-267, 5-281, 6-299, 7-345 **गेंदबाजी:** जसप्रीत बुमराह 10-0-81-3, मोहम्मद सिराज 9-0-68-1, प्रसिद्ध कृष्णा 5-0-45-1, रवींद्र जडेजा 10-0-61-0, वॉशिंगटन सुंदर 10-0-48-0, कुलदीप यादव 6-0-48-2 .

भारत	रन	गेंद	4/6
रोहित शर्मा कै. एवं बो. मैक्सवेल	81	57	5/6
वॉशिंगटन सुंदर कै. मार्नस बो. मैक्सवेल	18	30	1/1
विराट कोहली कै. स्मिथ बो. मैक्सवेल	56	61	5/1
श्रेयस अय्यर बो. मैक्सवेल	48	43	1/2
केएल राहुल कै. कैरी बो. स्टार्क	26	30	2/0
सूर्यकुमार कै.मैक्सवेल बो. हेजलवुड	8	7	1/0
रवींद्र जाडेजा पगबाधा संघा	35	36	3/1
कुलदीप यादव बो.हेजलवुड	02	12	0/0
जसप्रीत बुमराह कै. मार्नस बो. कमिंस	05	11	1/0
मोहम्मद सिराज कै. कमिंस बो. ग्रीन	01	08	0/0
प्रसिद्ध कृष्णा नाबाद	00	03	0/0

अतिरिक्त: 06, **कुल:** 49.4 ओवर में 286 रन पर ऑलआउट, **विकेट पतन:** 1-74, 2-144, 3-171, 4-223, 5-233, 6-249, 7-257, 8-270, 9-286, 10-286 **गेंदबाजी:** मिचेल स्टार्क 7-0-53-1, जोस हेजलवुड 8-0-42-2, पैट कमिंस 8-0-59-1, कैमरन ग्रीन 6.4-0-30-1, ग्लेन मैक्सवेल 10-0-40-4, तनवीर संघा 10-0-61-1 .

जिला स्तरीय प्रतियोगिता: बास्केटबॉल में भोपाल ने मारी बाजी, वालीबॉल में मिला दूसरा स्थान

भोपाल,(खेसं)। खेलो एमपी यूथ गेम्स के तहत जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता में भोपाल ने बास्केटबॉल का खिताब जबकि वालीबॉल में दूसरा स्थान मिला। प्रतियोगिता का आयोजन बुधवार को कई स्थानों पर किया गया। इसमें हॉकी मेजर ध्यानचंद स्टेडियम, खो-खो अंकुर खेल परिसर, कुश्ती गुप्पू उस्ताद अखाड़ा और तात्या टोपे स्टेडियम में वालीबाल, बास्केटबॉल, फुटबाल, मुक्केबाजी और कबड्डी के मुकाबले खेले गए। इसमें वालीबॉल प्रतियोगिता में नर्मदापुरम की टीम ने खिताब जीता, जबकि भोपाल संभाग दूसरे स्थान पर रहा। तीसरे स्थान पर विदिशा की टीम रही। बास्केटबॉल में भोपाल को पहला स्थान मिला। दूसरे नंबर पर विदिशा की टीम रही। तीसरे नंबर पर राजगढ़ रहा। इसी प्रकार खो-खो स्पर्धा में पहले स्थान पर हरदा की टीम रही। जबकि दूसरे स्थान पर सीहोर और तीसरे स्थान पर राजगढ़ की टीम रही।

सेंटपॉल के हर्षित चिचवारे को मिला रजत पदक

भोपाल (खेसं)। भारत सरकार की खेलो इंडिया पहल के अंतर्गत राज्य स्तरीय शालेय वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन भोपाल में किया गया। जहां सेंटपॉल स्कूल के छात्र हर्षित चिचवारे ने अंडर 17 की आयु वर्ग में भाग लेकर जिला स्तरीय एवं संभाग स्तरीय प्रतियोगिता को जीतते हुए राज्य स्तरीय प्रतिस्पर्धा के लिए अर्हता प्राप्त की। स्कूल शिक्षा विभाग जिला सीहोर द्वारा आयोजित भारोत्तोलन प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त करते हुए हर्षित ने रजत पदक अपने नाम किया। भोपाल ओपन जिला भारोत्तोलन संघ टी टी नगर स्टेडियम भोपाल में आयोजित प्रतियोगिता में 55 किलोग्राम वर्ग के अंतर्गत द्वितीय स्थान के साथ पुनः रजत पदक प्राप्त किया।

क्रिकेट

एशियाई खेलों में मंगोलिया को रिकॉर्ड 273 रनों से दी शिकस्त

नेपाल ने दर्ज की टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की सबसे बड़ी जीत

हांगझोउ (एजेंसी)। नेपाल ने बुधवार को कुशल मल्ला के शतक, रोहित पांडेल तथा दीपेंद्र सिंह की अर्धशतकीय पारी की बदौलत मंगोलिया को 41 रन पर ढेर कर रिकॉर्ड 273 रन से मुकाबला जीत लिया।

यह टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट इतिहास की रनों के लिहाज से यह सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले चेक रिपब्लिक ने टर्की को 257 रनों से हराया था। नेपाल टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में तीन विकेट पर 314 रन बनाए। नेपाल ने टी20 इंटरनेशनल इतिहास में पहली बार 300 रनों का आंकड़ा पार किया। जबाव में मंगोलिया की टीम 13.1 ओवर में केवल 41 रनों पर सिमट गई। पहले बल्लेबाजी करने उतरी नेपाल की शुरुआत अच्छी नहीं रहीं। कुशल भुर्तेल 19 रन और आसिफ शेख 16 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। उसके बाद कुशल मल्ला ने 50 गेंदो में नाबाद 137 रन, तथा रोहित पॉडेल ने 27 गेंदों में 61 रन बनाए। दीपेंद्र सिंह ऐरी(नाबाद 52 रन) ने केवल नौ गेंदों में टी20 क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक बनाया। मंगोलिया की ओर से केवल डवासुरेन जमयनसुरेन (10) रन एंख-एरदेने ओल्गोनबयार (3) रन, तुमुरसुख तुरमुंख (2)रन तथा तीन अन्य खिलाड़ियों ने एक-एक रन का योगदान किया। चार बल्लेबाज शून्य पर आउट हुए। नेपाल की ओर से करण के सी, अबिनाश बोहरा और संदीप लामिछाने ने दो-दो विकेट लिए।

कुशल और दिपेंद्र टी-20 में सबसे तेज शतक व अर्धशतक जड़ने वाले खिलाड़ी

नेपाल के कुशल मल्ला और दिपेंद्र सिंह ऐरी टी-20 अंतरराष्ट्रीय में क्रमशः सबसे तेज शतक और अर्धशतक जड़ने वाले खिलाड़ी बन गए है। दिपेंद्र ने महज 9 गेंदों पर ही पचास रन बनाकर भारत ने युवराज सिंह का 16 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। इससे पहले युवराज सिंह ने 2007 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ 12 गेंदों पर पचासा ठोक डाला था। कुशल मल्ला ने महज 34 गेंदों पर शतक लगाकर रोहित शर्मा, डेविड मिलर और सुदेश विक्रमशेखर को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 35-35 गेंदों पर शतक लगाया था।

शुबमन गिल वनडे में नंबर 1 बल्लेबाज बनने से चूके, बाबर आजम टॉप पर काबिज

राजकोट में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा और आखिरी वनडे मुकाबला खेला जा रहा है। इस मुकाबले में भारतीय प्लेइंग इलेवन में शुबमन गिल को जगह नहीं मिली है। जिस कारण उन्हें बड़ा नुकसान हुआ है। दरअसल, भारतीय युवा ओपनर शुबमन गिल के पास आईसीसी वनडे रैंकिंग में नंबर वन बनने का मौका था। लेकिन गिल ने यह मौका गंवा दिया। जिसके बाद पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम आईसीसी वनडे रैंकिंग में नंबर वन पर काबिज हैं। बता दें कि, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मोहाली में गिल ने 74 रनों की शानदार पारी खेली थी। इसके बाद इंदौर वनडे में उन्होंने कंगारुओं के खिलाफ 104 रन बनाए थे। लेकिन राजकोट वनडे में उन्हें आराम दिया गया है। फिलहाल आईसीसी की वनडे रैंकिंग में वो दूसरे नंबर पर बने हुए हैं। जबकि पाक कप्तान बाबर आजम पहले नंबर पर ही काबिज हैं। जहां शुबमन के 814 रेंटिंग प्वाइंट्स हैं वहीं, बाबर के 857 रेटिंग प्वाइंट्स हैं। शुबमन को पहले नंबर पर आने के लिए महज 43 रन से पीछे हैं। मौजूदा समय में गिल करियर की बेस्ट रैंकिंग पर हैं और उनकी फॉर्म भी काबिले तारीफ है। ऐसा लगता है कि वर्ल्ड कप के दौरान वो नंबर-1 पर अपना नाम काबिज करेंगे। टॉप 10 में एक अन्य भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली हैं। जो 9वें पायदान पर हैं। गिल ने भारत के लिए 35 वनडे मुकाबले खेले हैं। इन 35 मुकाबलों में उन्होंने 66.1 की औसत और 102.84 की स्ट्राइक रेट से 1917 रन बनाए हैं। गिल के नाम वनडे में 6 शतक भी दर्ज हैं। जबकि इस युवा खिलाड़ी ने 9 बार पचासा का आंकड़ा भी छुआ है। साथ ही वो वनडे फॉर्मेट में दोहरा शतक भी जड़ चुके हैं।

खालिस्तान समर्थक वीजा प्रायोजित करने का दे रहे प्रलोभन

■ नई दिल्ली (भाषा)।

कनाडा में रह रहे खालिस्तान समर्थक तत्व भोले-भाले सिख युवाओं को वहां बुलाने के लिये वीजा प्रायोजित करने का प्रलोभन दे रहे हैं। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि इसका एकमात्र उद्देश्य कनाडाई धरती पर उनके (खालिस्तान के) एजेंडे को आगे बढ़ाना है।

■ सख युवाओं को कनाडा बुलाने की कर रहे कोशिश

■ इनका एकमात्र उद्देश्य कनाडाई धरती पर खालिस्तान के एजेंडे को आगे बढ़ाना है

सूत्रों ने कहा कि हरदीप सिंह निज्जर और मोनिंदर सिंह बुआल, परमिंदर पंगली, भगत सिंह बरार जैसे खालिस्तानी अलगाववादी कनाडा की धरती से अपने खालिस्तानी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिये ऐसे सिख युवाओं का इस्तेमाल करते रहे हैं। निज्जर की हत्या को लेकर भारत और कनाडा के बीच विवाद उत्पन्न हो गया है। प्रवासी भारतीयों के समर्थन नहीं देने के कारण अलगाववादियों को हालांकि जमीनी स्तर पर समर्थक नहीं मिल रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि 'मांग और आपूर्ति के इस तानेबाने' का इस्तेमाल कनाडा में खालिस्तान समर्थक चरमपंथियों ने पंजाब के सिख युवाओं को प्रलोभन देने के लिये किया। इस साजिश को आगे बढ़ाने के लिये सिख युवाओं को नलसाज (प्लंबर), ट्रक चालक जैसी नौकरियों और अलगाववादियों द्वारा नियंत्रित गुरुद्वारों में सेवादार, रागी और पाठियों जैसे धार्मिक कार्यों के लिए प्रायोजित करने का एक नया विचार दिया गया। सूत्रों ने बताया कि खालिस्तान समर्थक चरमपंथी ऐसे पंजाबी युवकों का वीजा प्रायोजित करते हैं और उन्हें कनाडा बुलाकर भारत विरोधी प्रदर्शनों और कार्यक्रमों, कट्टरपंथी-धार्मिक सभाओं में शामिल करवाकर उनका शोषण करते हैं। सूत्रों के अनुसार, इतना ही नहीं अलगाववादी कनाडा में ऐसे भारतीय युवाओं और छात्रों की पहचान करते हैं जिन्हें अपना खर्चा उठाने में मुश्किल आती है और उन्हें विविध नौकरियों और आश्रय के संबंध में मदद की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि कनाडा में अवैध प्रवासियों और ऐसे छात्रों के चरमपंथियों के जाल में फंसने की सबसे अधिक आशंका होती है जिन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी कर ली है लेकिन उपयुक्त नौकरी नहीं मिल पायी है। उन्होंने कहा कि खालिस्तान समर्थक चरमपंथी उन्हें गुरुद्वारे के संसाधनों का उपयोग करके आश्रय और आजीविका के लिए निम्न स्तर की नौकरियों की पेशकश करते हैं। सूत्रों ने बताया कि इसके बाद ये 'ऋणी' युवा स्वेच्छा से या अनिच्छा से 'कनाडा में खालिस्तान ब्रिगेड' में शामिल हो जाते हैं।

सूत्र कहा कि जब आईएसआई समर्थित खालिस्तानी समूह 'सिख फॉर जस्टिस' को अपने भारत विरोधी अभियान 'पंजाब इंडिपेंडेंस रेफरेंडम' के लिए समर्थन हासिल करने में मुश्किल हो रही थी, तो निज्जर और उसके दोस्तों ने ऐसे युवाओं का इस्तेमाल यह दिखाने के लिए किया कि उनका अभियान सफल है।

सूत्रों ने बताया कि खालिस्तान समर्थक इन चरमपंथियों के लिए अब ऐसे अधिक से अधिक लोगों को अपने जाल में फंसाना आसान हो गया है क्योंकि वे सरे, ब्रैम्पटन, एडमॉन्टन आदि में 30 से अधिक गुरुद्वारों पर नियंत्रण रखते हैं। सूत्रों ने कहा कि निज्जर, बुआल और बरार ने पंजाब में दविंदर बंबीहा गिरोह, अर्श दल्ला गिरोह, लखबीर लांडा गिरोह जैसे गैंगस्टर के साथ एक 'नापाक गठजोड़' भी बनाया और पंजाब में आतंकवादी हमलों के लिए उनके गुर्गों का उपयोग करने के बदले में इन वांछित गैंगस्टर को कनाडा ले गए। उन्होंने कहा कि भारत में कुछ खालिस्तान समर्थक राजनीतिक दल युवाओं को 'पत्र' देने के लिए एक से दो लाख रुपये लेती हैं, जो इसका इस्तेमाल यह झूठा दावा करते हुए कनाडा में राजनीतिक शरण लेने के लिए करते हैं कि वे पार्टी कैडर हैं और धार्मिक आधार पर भारत में उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है।

सूत्रों ने बताया कि ऐसे युवा कनाडा पहुंचते ही खालिस्तान समर्थक तत्वों में शामिल हो जाते हैं। सूत्रों ने बताया कि कनाडा जाने वाला कोई भी व्यक्ति जानता है कि कनाडाई वीजा प्राप्त करना बेहद कठिन है और इसमें काफी समय लगता है। सूत्रों ने कहा कि खालिस्तान समर्थक चरमपंथियों द्वारा चलाया जाने वाला यह 'मानव तस्करी' कार्य कनाडाई एजेंसियों की नाक के नीचे निर्बाध जारी है, भले ही यह उत्तरी अमेरिकी देश मानव तस्करी के प्रति बहुत संवेदनशील हो। नयी दिल्ली और ओटावा के बीच विवाद तब शुरू हुआ जब कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने गत जून में निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंट की 'संभावित' संलिप्तता का आरोप गत 18 सितंबर को लगाया।

निज्जर की हत्या में भारत की भूमिका की स्पष्ट खुफिया जानकारी

■ टोरंटो (आईएएनएस)।

कनाडाई सिख सांसद जगमीत सिंह ने कहा कि देश के पास स्पष्ट और विश्वसनीय खुफिया जानकारी है जो बताती है कि एक विदेशी सरकार उसके नागरिक और खालिस्तान समर्थक कट्टरपंथी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में शामिल थी।

उन्होंने कहा कि कनाडा में सिखों को निशाना बनाए जाने का डर बहुत वास्तविक है। यह दावा करते हुए कि उन्हें प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से एक तथा एक अन्य खुफिया ब्रीफिंग मिली हैं, सिंह ने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा, प्रधानमंत्री ने सार्वजनिक रूप से जो कहा है मैं उसकी पुष्टि कर सकता हूं। कनाडा के पास स्पष्ट खुफिया जानकारी है जो उजागर करती है कि कनाडा की धरती पर एक कनाडाई नागरिक की हत्या कर दी गई और इसमें एक विदेशी सरकार शामिल थी। सत्तारूढ लिबरल पार्टी की सहयोगी न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) के नेता सिंह ने

■ खालिस्तान समर्थक कनाडाई सिख सांसद जगमीत सिंह ने कहा

कहा, मुझे लगता है कि यह खुफिया जानकारी बहुत विश्वसनीय है। ट्रूडो की लिबरल पार्टी 338 सदस्यीय हाउस ऑफ कॉमन्स में अकेले बहुमत में नहीं है। उसका अस्तित्व सिंह की एनडीपी पर निर्भर है। भारत में खालिस्तान समर्थक के रूप में जाने जाने वाले नेता ने कहा कि कनाडा में सिखों को निशाना बनाए जाने का डर बहुत वास्तविक है। उन्होंने कहा, लंबे समय से, सिख समुदाय के सदस्यों को भारत सरकार की कार्रवाइयों द्वारा निशाना बनाया गया है, और लंबे समय से या तो इस पर किसी का ध्यान नहीं गया या इसे महत्व नहीं दिया गया।

उन्होंने कहा बहुत से लोगों के लिए जी7 राष्ट्र के प्रधानमंत्री से विदेशी सरकार द्वारा कनाडा की धरती पर एक कनाडाई की हत्या से जुड़ी खुफिया जानकारी के बारे में सुनना उस डर की पुष्टि करता है जो उन्होंने महसूस किया है। इसने उस डर को और भी अधिक वास्तविक और मूर्त बना दिया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि भारत के अन्य प्रवासी समुदायों के सदस्य, जिन्हें उनकी मानवाधिकार सक्रियता के कारण निशाना बनाया गया है।

निज्जर हत्या की जांच में देरी का दावा करने वाली रिपोर्ट खारिज

■ टोरंटो (आईएएनएस)।

कट्टरपंथी खालिस्तान नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद पुलिस की प्रारंभिक प्रतिक्रिया में देरी हुई थी। इस दावे को रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) ने खारिज कर दिया है और कहा कि उसके अधिकारी घटनास्थल पर चार मिनट में ही पहुंच गए थे।

आरसीएमपी के सरे डिवीजन की ओर से यह स्पष्टीकरण सोमवार को वाशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट के बाद आया जिसमें कहा गया था कि 18 जून को सरे के एक गुरुद्वारे की पार्किंग में निज्जर की हत्या में कम से कम छह लोग और दो वाहन शामिल थे। प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि गोलियों की आवाज के बाद पुलिस को पहुंचने में 12 से 20 मिनट का समय लगा। सरे आरसीएमपी ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा, इस घटना के संबंध में पहली कॉल रात 8.27 बजे प्राप्त हुई थी और अधिकारी चार मिनट के भीतर घटनास्थल पर पहुंच गए थे। इस बारे में गलत जानकारी प्रकाशित की गई है। रिपोर्ट में एक गवाह के हवाले से यह भी कहा गया है कि जांच का नेतृत्व करने को लेकर सरे पुलिस और आरसीएमपी के बीच घंटों तक खींचतान हुई थी, जिसके कारण और देरी हुई। कनाडाई कानून प्रवर्तन ने कहा, यह सुझाव दिया गया था कि कौन सी पुलिस एजेंसी जांच का नेतृत्व करेगी, हालांकि अधिकार क्षेत्र की पुलिस के रूप में सरे आरसीएमपी में सभी पुलिस जांच के लिए जिम्मेदार हैं। इसमें आगे कहा गया है कि इस बात का कोई संकेत नहीं है कि इस जांच में किसी भी तरह की देरी हुई। हालांकि, आरसीएमपी ने स्वीकार किया कि उसे 23 सितंबर को एक 'अंतर्राष्ट्रीय मीडिया आउटलेट' से एक अनुरोध प्राप्त हुआ था, जिसमें कई पुलिस एजेंसियों से संबंधित प्रश्नों की एक सूची थी।

■ पुलिस ने कहा, अधिकारी घटनास्थल पर चार मिनट में ही पहुंच गए थे

संक्षिप्त खबरें

ब्रिटिश हाउस ऑफ कॉमन्स में पहुंची 'अजय टू योगी आदित्यनाथ'

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीवन पर आधारित मशहूर ग्राफिक नॉवेल 'अजय टू योगी आदित्यनाथ' अब ब्रिटिश संसद तक पहुंच गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ऑटो बॉयोग्राफी 'द मॉन्क हू ट्रांसफॉर्म उत्तर प्रदेश' और चर्चित ग्राफिक नॉवेल 'अजय टू योगी आदित्यनाथ' के लेखक शांतनु गुप्ता ने इस बात की जानकारी दी है। ब्रिटिश संसद में ग्लोबल गांधी पुरस्कार 2023 प्राप्त करने पहुंचे शांतनु गुप्ता ने सीएम योगी के जीवन पर आधारित ग्राफिक नॉवेल को ब्रिटिश सांसद वीरेन्द्र शर्मा को उपहार में दी है।

पुस्तकालय का नाम अंग्रेजी में लिखा देख नाराज हुए नीतीश

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक सरकारी स्कूल के पुस्तकालय का नाम अंग्रेजी में लिखे होने पर बुधवार को गहरी नाराजगी व्यक्त की। कुमार राज्य की राजधानी से लगभग 250 किलोमीटर दूर बांका जिले में थे, जहां वह निकटवर्ती जमुई में एक पुल के निरीक्षण के बाद पहुंचे थे। मुख्यमंत्री हाई स्कूल में बोर्ड पर अंग्रेजी में 'डिजिटल लाइब्रेरी' लिखा देखकर नाराज हो गए और वहां मौजूद जिलाधिकारी अंशुल कुमार से कहा, ''यह हिंदी में क्यों नहीं है? हम ब्रिटिश युग में नहीं रह रहे हैं।''

यूक्रेन के पश्चिमी साझेदारों ने किया हमले में सहयोग : रूस

कीव। रूस ने बुधवार को आरोप लगाया कि देश में मिलाए गए क्रीमिया प्रायद्वीप स्थित काला सागर बेड़े के उसके मुख्यालय पर पिछले सप्ताह मिसाइलों से किए गए हमले की योजना यूक्रेन के पश्चिमी सहयोगियों ने बनाई थी और उसे अंजाम देने में सहयोग किया था।

काराबाख के अलगाववादी सरकार के पूर्व प्रमुख गिरफ्तार

येरेवान। नागोर्नो-काराबाख पर दोबारा नियंत्रण हासिल करने के बाद अजरबैजान ने कहा कि क्षेत्र की अलगाववादी सरकार के पूर्व प्रमुख को आर्मेनिया में घुसने की कोशिश के दौरान बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया। अजरबैजान के सीमा सुरक्षा बल ने रुबेन वर्दनयान की गिरफ्तारी की घोषणा की। बल ने कहा कि वर्दनयान को देश की राजधानी बाकू ले जाकर 'संबंधित प्राधिकारियों' को सौंप दिया गया, जो उनके बारे में फैसला करेंगे।

पाक : रॉकेट लॉन्चर के खोल में विस्फोट, 8 मरे

कराची। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में बुधवार को एक मकान में रॉकेट लॉन्चर के खोल में विस्फोट होने से एक ही परिवार के चार बच्चों सहित कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई। कशमोर-कंधकोट के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) रोहिल खोसा ने बताया कि एक मैदान पर खेलते समय बच्चों को एक रॉकेट लॉन्चर का खोल मिल गया और वे उसे अपने घर ले आए। यहां उसमें विस्फोट हो गया और एक ही परिवार के चार बच्चों और दो महिलाओं समेत आठ लोगों की मौत हो गई।

ब्रिटिश-भारतीय समेत 22 सांसदों ने भारत से एफटीए वार्ता रोकने का किया आग्रह

■ लंदन (आईएएनएस)।

भारतीय मूल की ब्रिटिश सांसद नादिया व्हिटोम ने हाउस ऑफ कॉमन्स में एक प्रारंभिक प्रस्ताव पेश किया है, जिसमें ब्रिटेन से मणिपुर में जातीय हिंसा के मद्देनजर भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) वार्ता को रोकने की मांग की गई है। ब्रिटेन के 21 अन्य सांसदों द्वारा हस्ताक्षरित प्रस्ताव में सरकार से मणिपुर में मानवाधिकार उल्लंघन के मुद्दे को भारत सरकार के साथ उठाने का भी आग्रह किया गया है।

मणिपुर हिंसा

व्हिटोम ने हाल ही में एक्स पर लिखा, टोरीज़ भारत के साथ एक मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं जबकि अल्पसंख्यकों को भाजपा शासन के तहत उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। मैंने मणिपुर में कुकी-ज़ो लोगों के खिलाफ हिंसा के अभियान को उजागर करते हुए एक प्रस्ताव पेश किया है।

नॉटिंघम ईस्ट के लेबर सांसद ने कहा, जब तक यह जारी रहता है, एफटीए वार्ता रोक दी जानी चाहिए। इस महीने की शुरुआत में पेश किए गए प्रस्ताव में कहा गया है कि भारत के मणिपुर में चल रहे मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघनों में यौन हिंसा, गैर-न्यायिक हत्याएं, घरों में तोड़फोड़, जबरन विस्थापन, यातना और दुर्व्यवहार शामिल हैं।

मणिपुर में स्थिति सामान्य करने के प्रयास जारी : जयशंकर

■ न्यूयॉर्क (भाषा)।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि मणिपुर में पर्याप्त कानून-व्यवस्था लागू है तथा राज्य और केंद्र सरकार ऐसा रास्ता खोजने का प्रयास कर रही हैं जिससे कि हालात पटरी पर लौटें।

मंगलवार को विदेश संबंध परिषद में भारत में पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर की स्थिति पर एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मणिपुर समस्या का असर यहां आए प्रवासियों पर भी पड़ रहा है जो इससे अस्थिर हैं। मंत्री ने कहा, लेकिन तनाव की स्थिति भी है जिनका लंबा इतिहास रहा है और वह लंबे समय से बनी हुई है। आज मुझे लगता है कि राज्य सरकार और केंद्र सरकार की ओर से एक ऐसा रास्ता खोजने का प्रयास किया जा रहा है जिससे सामान्य स्थिति तथा भाईचारे की भावना वापस आए। वहां हथियार बरामद किए गए हैं। वहां पर्याप्त कानून-व्यवस्था लागू है ताकि हिंसा की घटनाएं न हों।

गलवान झड़प से भारत-चीन संबंध सामान्य नहीं : जयशंकर

■ न्यूयॉर्क (भाषा)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यहां कहा कि 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद से भारत और चीन के बीच संबंध 'सामान्य' नहीं हैं और ऐसा लगता है ये मसला अपेक्षा से ज्यादा लंबा खिंच सकता है।

विदेश संबंध परिषद में भारत-चीन संबंधों के बारे में एक सवाल पर उन्होंने कहा कि अगर दुनिया के दो सबसे बड़े देशों के बीच इस हद तक तनाव है, तो इसका असर हर किसी पर पड़ेगा। जयशंकर ने कहा कि चीन के साथ रिश्ते की खासियत ये है कि वे आपको कभी नहीं बताते कि वे ऐसा क्यों करते हैं इसलिए आप अक्सर इसका पता लगाने की कोशिश करते रहते हैं और हमेशा कुछ अस्पष्टता रहती है। विदेश मंत्री ने कहा, ऐसे देश के साथ सामान्य होने की कोशिश करना बहुत कठिन है जिसने समझौते तोड़े हैं इसलिए अगर आप पिछले तीन वर्षों को देखें, तो यह सामान्य स्थिति नहीं है। उन्होंने कहा, संपर्क बाधित हो गए हैं, यात्राएं नहीं हो रही हैं। हमारे बीच निश्चित रूप से उच्च स्तर का सैन्य तनाव है। इससे भारत में चीन के प्रति धारणा पर भी असर पड़ा है।

■ कहा, ये मसला अपेक्षा से ज्यादा लंबा खिंच सकता है

जयशंकर ने कहा, इसलिए मुझे लगता है कि वहां एक तात्कालिक मुद्दा है और प्रतीत होता है कि ये मसला अपेक्षा से ज्यादा लंबा खिंच सकता है। विदेश मंत्री ने दिल्ली और बीजिंग के बीच संबंधों पर एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य को रेखांकित किया और कहा कि यह कभी आसान नहीं रहा।

विदेश मंत्री सुब्रमण्यम जयशंकर ने कहा कि हिंद महासागर में पहले से कहीं अधिक चीन की उपस्थिति के मद्देनजर भारत की 'तैयारी बहुत तार्किक' है। उन्होंने कहा कि सामरिक रूप से अहम क्षेत्र को लेकर उत्पन्न चिंताओं से बेहतर तरीके से निपटा जा सकता है अगर क्वाड (भारत,अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान) देश मिलकर काम करें।

अमेरिका कर रहा है 'बहु-ध्रुवीय विश्व से सामंजस्य' : जयशंकर

नई दिल्ली (भाषा)। विदेश मंत्री सुब्रमण्यम जयशंकर ने कहा कि अमेरिका 'बहुध्रुवीय विश्व से सामंजस्य' कर रहा है, भले ही वह इस शब्द का स्वयं इस्तेमाल नहीं करे। 'काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशन' में मंगलवार को बातचीत के दौरान जयशंकर ने कहा कि अमेरिका सक्रिय तरीके से उन शक्तियों को आकार देना चाहता है जो ध्रुव (विश्व शक्ति) हो सकते हैं और यह भी आकलन करने की कोशिश कर रहा है कि उक्त ध्रुव की क्या ताकत होगी और उससे अमेरिका को क्या लाभ हो सकता है।

भारत-रूस के रिश्ते 'बहुत ज्यादा स्थिर'

न्यूयॉर्क (भाषा)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत और रूस के संबंध 'बहुत, बहुत ज्यादा स्थिर' बने हुए हैं और संबंध ऐसे ही बने रहे, यह सुनिश्चित करने को 'हम काफी सावधानी बरतते हैं'।

विदेशी संबंधों से जुड़ी एक परिषद में बातचीत के दौरान जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि फरवरी 2022 में यूक्रेन में युद्ध के कारण रूस के यूरोप तथा पश्चिमी देशों के साथ संबंधों पर 'इतना गंभीर असर' पड़ा है कि वह अब वास्तव में एशिया तथा दुनिया के अन्य हिस्सों की ओर हाथ बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा, भारत-रूस के रिश्ते वास्तव में बहुत ज्यादा स्थिर हैं। दोनों देशों में रिश्ते सोवियत काल और सोवियत के बाद के काल से बने हुए हैं। जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 78वें सत्र को संबोधित करने के बाद कहा, मुझे लगता है कि दोनों देशों में यह समझ है कि एशियाई महाद्वीप की बड़ी शक्तियों के रूप में साथ आने के लिए हमारे पास एक तरह का संरचनात्मक आधार है इसलिए यह सुनिश्चित करने के लिए हम काफी सावधानी बरतते हैं कि रिश्ते बने रहे।

ईरान का 'इमेजिंग सैटेलाइट' को सफलतापूर्वक पृथ्वी की कक्षा में स्थापित करने का दावा

तेहरान (एपी)। ईरान ने बुधवार को दावा किया कि उसने एक 'इमेजिंग सैटेलाइट' को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष की कक्षा में स्थापित कर दिया है। इस कदम से पश्चिम देशों के साथ तनाव और बढ़ने की आशंका है, जिन्हें आशंका है कि ईरान इन उपग्रहों का इस्तेमाल परमाणु हथियार विकसित करने में कर सकता है।

सरकारी समाचार एजेंसी 'इरना' की खबर के अनुसार, ईरान के संचार मंत्री इसा जारेपुर ने कहा कि 'नूर-3' उपग्रह को पृथ्वी की सतह के ऊपर 450 किलोमीटर पर कक्षा में स्थापित किया गया है। इस प्रक्षेपण या उपग्रह को कक्षा में स्थापित किए जाने के बारे में पश्चिमी देशों के अधिकारियों ने तत्काल कोई पुष्टि नहीं की है। ईरान हाल के वर्षों में कई असफल प्रक्षेपण कर चुका है।

ट्रंप ने रियल एस्टेट कारोबार में की धोखाधड़ी : न्यायाधीश

■ न्यूयॉर्क (एपी)।

■ कहा, पूर्व राष्ट्रपति के कुछ कारोबारी लाइसेंस रद्द कर दिए जाएं

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ एक न्यायाधीश ने अपने फैसले में कहा कि ट्रंप ने रियल एस्टेट कारोबार खड़ा करते समय बरसों बरस धोखाधड़ी की जबकि इसी कारोबार ने उन्हें प्रसिद्धि दिलाई और व्हाइट हाउस तक पहुंचाया।

न्यूयॉर्क अटॉर्नी जनरल लेटीशिया जेम्स द्वारा दायर किए गए एक मुकदमे में मंगलवार को सुनवाई करते हुए न्यायाधीश आर्थर एंगोरोन ने ट्रंप के खिलाफ अपनी व्यवस्था में यह कहा। उनके अनुसार, पाया गया है कि पूर्व राष्ट्रपति और उनकी कंपनी ने अपनी संपत्तियों का अत्यधिक मूल्यांकन करके तथा सौदे करने और ऋण हासिल करने में कागजी कार्रवाई में अपनी कुल आय को बढ़ा-चढ़ाकर दिखा कर बैंकों, बीमाकर्ताओं और अन्य लोगों के साथ धोखाधड़ी की। एंगोरोन ने आदेश में कहा कि सजा के तौर पर ट्रंप के कुछ कारोबारी लाइसेंस रद्द कर दिए जाएं। उन्होंने कहा कि वह ट्रंप ऑर्गनाइजेशन के कामकाज की निगरानी जारी रखेंगे। इस फैसले के बाद ट्रंप के लिए न्यूयॉर्क में व्यवसाय करना मुश्किल हो गया।

सिंगापुर : नस्लवादी टिप्पणी को लेकर चीनी कैब चालक निलंबित

सिंगापुर (भाषा)। सिंगापुर में चीन के एक कैब ड्राइवर द्वारा एक महिला और उसकी बेटी को भारतीय मूल का नागरिक समझकर उन पर कथित रूप से नस्लभेदी टिप्पणी करने के बाद निजी कार संचालन कंपनी 'टाडा' ने उसे निलंबित कर दिया है। कंपनी ने यह जानकारी दी।

कंपनी के एक प्रवक्ता ने कहा कि घटना की गहन जांच के बाद चालक के खिलाफ कार्रवाई की गई। घटना का वीडियो एक यात्री और उसकी छोटी बेटी ने रिकार्ड किया था। पिछले शनिवार को जान होडेन नामक एक महिला ने सोशल मीडिया मंच 'फेसबुक' पर दो वीडियो अपलोड किए थे। वीडियो में उनके और कैब चालक के बीच हुई बहस को दिखाया गया था।

हिंदुओं के संवैधानिक अधिकार के उल्लंघन मामले में मुकदमा दायर

वाशिंगटन (भाषा)। अमेरिका में एक हिंदू संगठन ने कैलिफोर्निया नागरिक अधिकार विभाग (सीआरडी) के खिलाफ मुकदमा दायर किया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि विभाग ने राज्य में रहने वाले हिंदुओं के कई संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन किया है। 'हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन' (एचएएफ) और अन्य द्वारा दायर संशोधित शिकायत में आरोप लगाया गया है कि विभाग ने यह गलत कहा है कि जाति व्यवस्था और जाति-आधारित भेदभाव हिंदू उपदेशों और प्रथाओं का अभिन्न अंग हैं और ऐसा करके विभाग ने कैलिफोर्निया में हिंदुओं के अधिकारों का उल्लंघन किया है।

उ. कोरिया ने सीमा में घुसे अमेरिकी सैनिक को किया रिहा

सियोल/वाशिंगटन (एपी)। उत्तर कोरिया ने जुलाई में भारी हथियारों से लैस अंतर-कोरियाई सीमा से देश में प्रवेश करने वाले एक अमेरिकी सैनिक को रिहा करने की घोषणा की। इसके बाद, व्हाइट हाउस ने संबंधित सैनिक को अमेरिका को सौंपे जाने की पुष्टि की। इससे पहले, उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी ने बुधवार को बताया कि अधिकारियों ने पकड़े गए अमेरिकी सैनिक ट्राविस किंग से पूछताछ पूरी कर ली है। इसने दावा किया कि सैनिक ने स्वीकार किया है कि उसने अवैध रूप से उत्तर कोरिया में प्रवेश किया क्योंकि वह अमेरिकी सेना के भीतर 'अमानवीय दुर्व्यवहार और नस्लीय भेदभाव के खिलाफ था।'

जोशीमठ में जमीन धंसने से 65 प्रतिशत मकान प्रभावित

नई दिल्ली (भाषा)। उत्तराखंड के जोशीमठ में जमीन धंसने से लगभग 65 प्रतिशत मकान प्रभावित हुए हैं। सरकारी एजेंसियों की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, दो जनवरी से जमीन धंसने के कारण जोशीमठ-औली मार्ग के निकट स्थित एक इलाके में कई मकानों और संरचनाओं में बड़ी दरारें दिखने लगी, जिससे 355 परिवारों को वहां से स्थानांतरित करना पड़ा। स्थानीय लोगों ने बताया कि यहां जमीन धंसने की समस्या कई वर्षों से हैं लेकिन दो जनवरी से आठ जनवरी तक यह अधिक गंभीर हो गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि जोशीमठ में नुकसान का आकलन करने और प्रभावित इलाकों में पुनर्निर्माण के मद्देनजर 22 अप्रैल से 25 अप्रैल तक 35 सदस्यीय एक टीम को भेजा गया।

टीम में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों, केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान और अन्य एजेंसियों के पेशेवर शामिल थे। आकलन रिपोर्ट के मुताबिक जोशीमठ में कुल 2,152 मकानों में से 1,403 मकान जमीन धंसने से प्रभावित हुए हैं और इन पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। इसके अनुसार कुल 472 मकानों के पुनर्निर्माण और 931 मकानों की मरम्मत की जरूरत है।

भारतीय नौसेना नया स्वदेशीकरण रोडमैप पेश करेगी

नई दिल्ली (भाषा)। भारतीय नौसेना अगले सप्ताह एक अद्यतन स्वदेशीकरण रोडमैप का अनावरण करेगी, जिसमें विभिन्न महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों और प्लेटफार्म में आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए विशिष्ट पहलों की रूपरेखा बताई जाएगी।

रोडमैप 4 और 5 अक्टूबर को आयोजित होने वाले वार्षिक 'स्वावलंबन' सेमिनार के दूसरे संस्करण में जारी किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस सम्मेलन में भाग लेने वाले हैं। एक संवाददाता सम्मेलन में, नौसेना स्टाफ के उप प्रमुख वाइस एडमिरल संजय जसजीत सिंह ने कहा कि नौसेना ने पिछले साल 'स्वावलंबन' सेमिनार में 75 प्रौद्योगिकियों को विकसित करने का संकल्प लिया था और लक्ष्य हासिल कर लिया गया है।

मिर्गी तलाक का आधार नहीं : बंबई हाईकोर्ट

■ मुंबई (भाषा)।

बम्बई उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ ने कहा है कि पति या पत्नी में से किसी एक को मिर्गी की बीमारी होना क्रूरता नहीं है और यह हिंदू विवाह अधिनियम के तहत तलाक का आधार नहीं है, क्योंकि मिर्गी न तो लाइलाज बीमारी है और न ही इसे मानसिक विकार माना जा सकता है।

न्यायमूर्ति विनय जोशी और न्यायमूर्ति एस ए मेनेजेस की खंडपीठ ने मंगलवार को अपने आदेश में 33 वर्षीय एक व्यक्ति द्वारा दायर याचिका खारिज कर दी, जिसमें उसने अपनी पत्नी से क्रूरता के आधार पर तलाक का अनुरोध किया था। व्यक्ति ने दावा किया था कि उसकी पत्नी मिर्गी से पीड़ित है, जिसके कारण वह मानसिक रूप से अस्वस्थ है। पीठ ने अपने आदेश में कहा कि मिर्गी न तो लाइलाज बीमारी है और न ही इसे मानसिक विकार या मनोरोग माना जा सकता है, जिससे कि यह हिंदू विवाह अधिनियम के तहत तलाक का आधार बने। व्यक्ति ने अपनी याचिका में कहा कि उसकी पत्नी मिर्गी से पीड़ित है, जिसके कारण वह मानसिक रूप से

■ कहा, यह बीमारी न तो लाइलाज और न ही मानसिक विकार

स्वस्थ नहीं है, जो क्रूरता है और इसलिए वह उसके साथ नहीं रह सकता। व्यक्ति ने हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13 (1) (3) के तहत तलाक का अनुरोध किया था।

महिला ने याचिका का विरोध करते हुए दलील दी कि उसे दौरे पड़ते हैं लेकिन इसका उसके मानसिक स्वास्थ्य पर कोई प्रभाव नहीं है। व्यक्ति की याचिका खारिज करते हुए पीठ ने कहा कि वह यह साबित करने में विफल रहा है कि उससे अलग रह रही उसकी पत्नी मिर्गी से पीड़ित है या यदि वह इससे पीड़ित है भी, तो भी इसे हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13 (1) के तहत तलाक मांगने का एक आधार नहीं माना जा सकता। उच्च न्यायालय ने कहा कि चिकित्सा साक्ष्य के अनुसार, मिर्गी से पीड़ित प्रत्येक व्यक्ति सामान्य जीवन जी सकता है। उसने कहा कि इसके अनुसार महिला को केवल दौरे आते हैं, वह मिर्गी से पीड़ित नहीं है और अगर यह मान भी लिया जाए कि वह मिर्गी से पीड़ित है, तो भी यह 'निश्चित रूप से एक मानसिक विकार या मनोरोग नहीं कि प्रतिवादी को लाइलाज या मानसिक रूप से अस्वस्थ माना जाए। अदालत ने कहा कि चिकित्सीय साक्ष्य से पता चलता है कि वर्तमान मामले में महिला मिर्गी से पीड़ित नहीं है।

भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान वाराणसी ने मनाया 33वां स्थापना दिवस समारोह

सब्जियों द्वारा कृषि विविधिकरण किसानों की आय दुगुनी करने में सहायक : प्रमोद कुमार मिश्रा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी ने गुरुवार को अपना 33 वाँ स्थापना दिवस मनाया इस समारोह के मुख्य अतिथि भारत के प्रधान मंत्री के प्रधान सचिव डॉ प्रमोद कुमार मिश्रा थे समारोह में अन्य विशिष्ट अतिथि के रूप में देवेश चतुर्वेदी, अपर मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश तथा डॉ. तिलक राज शर्मा , उप महानिदेशक (फसल विज्ञान और बागवानी विज्ञान), आईसीएआर नई दिल्ली उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत संस्थान परिसर में हाई-टेक वेजिटेबल नर्सरी के उद्घाटन एवं वृक्षारोपण के साथ हुई संस्थान के निदेशक डॉ तुषार कांति बेहेरा ने अपने स्वागत संबोधन में संस्थान की अब तक की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला एवं 2047 तक सब्जी उत्पादन दोगुना करने की कार्ययोजना का विवरण दिया। मुख्य अतिथि डॉ प्रमोद कुमार मिश्रा ने अध्यक्षीय संबोधन में भारतीय सब्जी अनुसन्धान संस्थान के शोध कार्यों की प्रसंशा करते हुए कहा कि भारत के सब्जी उत्पादन परिदृश्य में भारतीय सब्जी अनुसन्धान संस्थान की महत्वपूर्ण भूमिका रही है उन्होंने बताया कि सब्जियों के माध्यम से कृषि विविधिकरण करके किसान अपनी आय बढ़ा सकते है, उन्होंने आशा जताई कि हाई-टेक वेजिटेबल नर्सरी के माध्यम से किसानों को रोपण सामग्री सहजता से उपलब्ध होगी जिससे उत्तर प्रदेश के लाखों किसान लाभान्वित होगे उनके अनुसार सब्जियों की खेती को रोजगारपरक बनाने की आवश्यकता है तथा जलवायु परिवर्तन, आर्टिफीसियाल इंटेलिजेंस, अधिक उत्पाद मूल्य एवं प्रसंस्करण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर शोध समय की मांग है। डॉ देवेश चतुर्वेदी ने अपने संबोधन में बताया कि उत्तर प्रदेश सब्जी उत्पादन में अग्रणी राज्य है तथा पूर्वांचल के किसान अब सब्जियों का विदेशों में निर्यात करके अधिक आय अर्जित कर रहे है डॉ तिलक राज शर्मा ने बताया कि भारत सब्जी उत्पादन में नित नए आयाम स्थापित कर रहा है तथा पिछले वर्ष 7000 करोड़ से अधिक मूल्य की सब्जियों का निर्यात किया गया है इस अवसर पर संस्थान के विभिन्न प्रकाशनों का विमोचन किया गया एवं वर्षोपरांत सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए वैज्ञानिक वर्ग में प्रदीप करमाकर, तकनीकी वर्ग में सुधीर कुमार एवं कृषि विज्ञान केंद्र में डॉ मनोज कुमार पांडे को प्रशस्ति पत्र दिया गया तथा स्कूली छात्रों को पुरस्कार वितरित किये गए इस अवसर पर एक कृषि प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। इस समारोह में पीएमओ के अधिकारीगण, कौशल राज शर्मा, आयुक्त वाराणसी मंडल, एस. राजलिंगम, जिलाधिकारी, वाराणसी, डॉ. संजय कुमार सिंह, महानिदेशक, उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद, लखनऊ, राज्य के कृषि और बागवानी विभागों के अधिकारीगण, संस्थान के सभी वैज्ञानिक, तकनीकी, प्रशासनिक अधिकारी, सहायक कर्मचारी, शोध छात्र, एवं बड़ी संख्या में किसान तथा स्कूली छात्र उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. धनन्जय प्रताप सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन डा. सुधाकर पाण्डेय सहायक महानिदेशक (बागवानी), आईसीएआर ने किया।

"इंस्टिट्यूट ऑफ विजुअल आर्ट्स एंड डिजाइन" का हुआ शुभारंभ

प्रखर वाराणासी। साकेत नगर चौराहा वाराणसी में "इंस्टिट्यूट ऑफ विजुअल आर्ट्स एंड डिजाइन" का शुभारंभ भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री दिलीप सिंह पटेल एवं श्रीमती सुष्मिता सेठ संयोजिका बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, संस्था के निदेशक श्री दिलीप कुमार सिंह द्वारा क्षेत्रीय अध्यक्ष जी को पोर्ट्रेट देकर सम्मानित किया गया। इस संस्था का उद्देश्य पूर्वांचल तथा बिहार के छात्रों को फाइन आर्ट्स तथा डिजाइन के क्षेत्र में उचित मार्गदर्शन प्रदान करना है। इस अवसर पर नरिया पार्षद सुशीला देवी , पार्षद प्रतिनिधि राजीव सिंह पटेल, संजय शुक्ला, आशुतोष प्रजापति, जयश्री द्विवेदी, धर्मेंद्र द्विवेदी, राजेंद्र सिंह, शैलेश पटेल, आशीष गुप्ता, रणधीर सिंह, आशीष कुमार पटेल, रविंद्र कुमार, बिनीता सिंह, अनुपम पटेल, चंदन कुशवाहा एवम् अन्य उपस्थित रहे !

बिना मुआवाजा दिये सैकड़ों को किया जा रहा बेघर

पीएम नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के रामनगर का मामला

प्रखर रामनगर वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के रामनगर में सड़क चौड़ीकरण को लेकर लगभग चार सौ घरों को प्रशासन द्वारा तोड़े जाने की तैयारियां चल रही है। कुछ घर तोड़े भी जा चुके हैं। सम्बन्धित पीड़ितों की बात न तो शासन से कोई सुनने को तैयार हैं और न ही विपक्षी पार्टियां कुछ बोलने को तैयार हैं। यहां तक कि कुछ क्षेत्रीय अखबारों को छोड़ दिया जाए तो राष्ट्रीयकृत अखबार भी इस खबर को प्रमुखता नही दे रहे हैं। पीड़ितों का कहना है कि "सड़क चौड़ीकरण को लेकर हमे कोई दिक्कत नहीं है। हमारी कई पीढ़ियां सैकड़ों वर्षों से यहीं जीवन यापन किये हैं। बेसुध महंगाई में आज हम सभी की आर्थिक स्थिति इतनी अच्छी नही है कि सरकार के बिना मुआवजे के हम अपना दूसरा आशियाना कही और बना सके।"रामनगर के वरिष्ठ समाजसेवी कृपा शंकर यादव का मानना है कि " प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिस ससदीय क्षेत्र के सांसद है, उस क्षेत्र के पीड़ितों की बात सत्ता पक्ष के किसी जनप्रतिनिधि द्वारा न सुना जाना यहां के आम जनमानस का अपमान है।" पद्म विभूषित प्रख्यात समाज सेविका डा. निर्मला देश पाण्डेय के देहावसानोंपरांत बलिया से रामनगर वाराणसी तक नशा उन्मूलन पदयात्रा कर चुके कृपा शंकर यादव ने बताया कि जिन लोगों के घर टूट रहे हैं यकीनन सरकार से बिना मुआवजा मिले वे अन्य दूसरे जगह अपना नया घर नही बना सकते। राजनीतिक दलों और समाजिक संगठनो का आवाह्न करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि " जिनके घर टूट रहे हैं समय रहते उनका दर्द बाटते हुए उनके मुआवजे की मांग को सरकार तक न पहुंचाया गया तो यहां के समाजिक वातावरण में सरकार और जनप्रतिनिधियों सहित समाजिक कार्यकताओं के खिलाफ गलत सन्देश जाएगा।" बताते चलें कि समाजसेवा के क्षेत्र में कई अभियानों का नेतृत्व कर चुके वरिष्ठ समाजसेवी कृपा शंकर यादव बेघर हो रहे पीड़ितों के परिजनों के भविष्व को लेकर बहुत चिन्तित है और जिला प्रशासन द्वारा समय रहते मुआवजे को लेकर कोई कदम नहीं उठाए जाने की स्थिति में कोई बडा कदम उठाने की तैयारी कर रहे हैं।

यादव महासभा ने किया डॉ0 अंजू यादव को सम्मानित

प्रखर गाजीपुर। जमानिया तहसील क्षेत्र के दिलदार नगर थाना अंतर्गत फूली गांव निवासी डॉ अंजू यादव को पीसीएस जे की परीक्षा उत्तीर्ण कर सिविल जज बनने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके प्रथम पैतृक गांव आगमन पर अखिल भारतीय यादव महासभा के जिला अध्यक्ष भूपेंद्र यादव ने डॉ अंजू के घर पहुंच कर बधाई देते हुए प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। तथा सुखद स्वास्थ्य और उज्जवल भविष्य की कामना की। भूपेंद्र यादव ने कहा कि उत्तरोत्तर विकास के पथ पर बढ रही बेटियों के उत्साह को बढ़ाया जाना प्रबुद्ध समाज के कर्तव्य का एक हिस्सा है। डॉ अंजू ने अपनी मेधा का परचम लहरा कर यादव जाति नारी समाज के साथ साथ जिले का मान बढ़ाया है। गौरतलब हो कि डॉ अंजू यादव ग्राम फुल्ली निवासी रामअवतार यादव की पुत्री हैं। जो पीसीएस परीक्षा 2022 उत्तीर्ण कर 116वां स्थान हासिल किया है। अंजू यादव लखनऊ के सिटी मान्टेसरी स्कूल राजाजी पुरम से हाईस्कूल तथा इण्टर मीडिएट की पढ़ाई के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय से एल एल बी एल एल एम के अलावा पी एच डी की डिग्री हासिल की हैं। मां-बाप की चार संतानों में अंजू यादव सबसे बड़ी हैं। इस मौके पर जिलाध्यक्ष भूपेंद्र यादव के साथ पूर्व आर्मी कैप्टन सुब्बा यादव, विजय यादव, अजय यादव, विजय कुमार मधुरेश आलोक यादव, पारस यादव, रिशु यादव आदि मौजूद रहे।

दवा प्रतिनिधि ने पुष्पांजलि अर्पित कर मनाई शहीदे आजम भगत सिंह की जयंती

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। गुरुवार को दवा प्रतिनिधियों के संगठन की गाजीपुर ईकाई में शहीद-ए-आजम भगत सिंह की 108वीं जयंती ईकाई के सदस्यों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित करके और साथियों के बीच मिष्ठान वितरण करते हुए मनाई गई। गाजीपुर ईकाई के उपाध्यक्ष काम0 संजय विश्वकर्मा की अध्यक्षता में कार्यक्रम का संचालन जिला मंत्री काम0 मयंक श्रीवास्तव द्वारा किया गया। कार्यक्रम में राज्य कार्यकारिणी सदस्य काम0 मो0 अफजल ने कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों को संबोधित करते हुए शहीद भगत सिंह द्वारा स्वतंत्रता संग्राम तथा मजदूरों, किसानों के हक में किए गए कार्यों और संघर्षो पर प्रकाश डाला। राज्य कार्यकारिणी सदस्य अफजल ने बताया कि भगत सिंह द्वारा ब्रिटिश काल में सरकार के नुमाइंदो तक अपनी आवाज पहुंचाने हेतु मजदूरों के शोषण के लिए औपनिवेशिक सरकार द्वारा लाए गए इंडस्ट्रियल डिस्प्यूट एक्ट के विरोध में दिल्ली स्थित असेंबली के सेंट्रल हाल में बम फोड़कर तत्कालीन निरंकुश और बहरी ब्रिटिश सरकार को जगाने का काम किया था। उन्होंने बताया कि आज भी कारपोरेट व पूंजीवाद के दबाव में सरकारें श्रम कानूनों को खत्म कर मजदूरों को गुलाम बनाने का काम कर रही हैं जिसका हमारा संगठन यूपीएमएसआरए और राष्ट्रीय संगठन लगातार ज्ञापन व आंदोलन के माध्यम से विरोध कर रही है। साथ ही उन्होंने मजदूर यूनियन के लिए उसके द्वारा किए गए कार्यों को याद किया। कार्यक्रम में ईकाई के काम0 एस.के. राय, काम0 संजय विश्वकर्मा, निकेत तिवारी, काम0 मो. अफजल, काम0 मयंक श्रीवास्तव, काम0 दिग्विजय शर्मा, काम0 सुधीर राय, काम0 मोहित गुप्ता, काम0 आर. पी. एस यादव, काम0 विकास वर्मा, काम0 शिवम गुप्ता, काम0 अविनाश त्रिपाठी ने अपनी सहभागिता दी।

विद्युत कर्मियों की पदोन्नति में की जा रही हीला हवाली का विद्युत मजदूर पंचायत उत्तर प्रदेश ने किया विरोध

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। मुख्यमंत्री के द्वारा 30 सितंबर तक पदोन्नति की कार्यवाही पूरी किए जाने के आदेश का विद्युत मजदूर पंचायत उत्तर प्रदेश ने स्वागत किया है विद्युत मजदूर पंचायत उत्तर प्रदेश के मंडल मंत्री एवं मीडिया प्रभारी अंकुर पांडेय ने बताया है कि उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के शीर्ष प्रबंधन द्वारा जहां अभियंताओं की पदोन्नति निरंतर जारी है वहीं दूसरी तरफ क्षेत्रीय स्तर पर कर्मचारियों की पदोन्नति के मामले में घोर हीला हवाली की जा रही है मुख्य अभियंता संवर्ग ,मंडलीय सवर्ग एवं खंडीय संवर्ग के पदोन्नति के तमाम पद रिक्त चल रहे है लेकिन किसी भी स्तर से पदोन्नति की कार्यवाही पूर्ण नही हो रही है और अभियंताओं के वर्षभर के रिक्त होने वाले पदों की गणना कर वर्ष में एक बार चयन समिति की बैठक कर पदोन्नति हेतु चयन की कार्रवाई पूर्ण कर दी जाती है और जैसे-जैसे अभियंताओं के पद रिक्त होते हैं तो उनपर तुरंत पदोन्नति कर दी जाती है परंतु वही अभियंताओं द्वारा कर्मचारी के वर्षों वर्षों से रिक्त पड़े पदों पर पदोन्नति की कार्रवाई पूर्ण करने में घोर हीला-हवाली किया जाता हैं जिसके कारण कर्मचारियों में बराबर असंतोष बना रहता है मुख्य रूप से पद्दोन्नति एवं अन्य कर्मचारी समस्याओं संबधित 12 सूत्रीय मांग पत्र पर लगभग चार घंटे चली वार्ता के बाद मुख्य अभियंता द्वारा समस्त अंकित समस्याओं का निदान कराने का प्रबल आश्वाशन दिया जिसके मिन्ट्स ऑफ मीटिंग जल्द ही मुख्य अभियंता स्तर से जारी किया जाएगा श्री पांडेय ने पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक महोदय से अपील किया है कि माननीय मुख्यमंत्री जी के आदेश का पालन किए जाने हेतु क्षेत्रीय अधिकारियों के साथ ही साथ डिस्काम के अधिकारियों को भी निर्देशित करने की कृपा करें ताकि जहां मुख्यमंत्री जी के आदेश का पालन हो सके वहीं कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ प्राप्त हो सके।

नासवी के 25 साल महा अधिवेशन सड़क से संसद तक नई दिल्ली में हुआ सम्पन्न

प्रखर पूर्वान्चल हरिद्वार। नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्ट्रीट वेंडर्स ऑफ इंडिया (नासवी) द्वारा भारतवर्ष के 26 राज्यों के रेहड़ी पटरी के संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ एक दिवसीय अपना 25 वां वार्षिक महोत्सव नई दिल्ली संसद मार्ग स्थित एनडीएमसी सभागार में आयोजित किया गया जिसमें 6 सत्र आयोजित कर कार्यक्रम के अंत में अलग-अलग राज्यों से आए प्रतिनिधियों ने संस्कृति कार्यक्रम भी आयोजित किया` 25 वें वार्षिक महोत्सव में मुख्य अतिथि मनोज जोशी, केंद्रीय सचिव शहरी विकास राहुल कपूर, केंद्रीय संयुक्त सचिव शहरी विकास सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता वरुण सिंह, कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्र प्रकाश सिंह, कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय समन्वयक अरविंद सिंह ने किया नासवी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य संजय चोपड़ा ने उत्तराखंड के रेहड़ी पटरी वालों का प्रतिनिधित्व करते हुए

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना लक्ष्य आगामी वर्ष 2030 तक बढ़ाई जाने के साथ प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर योजना, राष्ट्रीय आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पथ विक्रेता संरक्षण अधिनियम जैसी योजनाओं का भी क्रियान्वन के साथ केंद्रीय निगरानी समिति बनाए जाने की मांग को प्रमुखता से उठाया` इस अवसर पर नासवी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रप्रकाश सिंह ने कहा नासवी के संघर्ष के 25 वर्ष पूरे हो जाने पर सड़क से लेकर सदन तक खूब संघर्ष में पड़ाव के उपरांत आज पूरे भारतवर्ष में रेहड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स को एक नई पहचान मिली है लेकिन स्थानीय निकायों की लापरवाही की वजह से स्ट्रीट वेंडर्स को आज भी अतिकर्मनकारी मानकर शोषण व उत्पीड़न किया जाता है जो की अन्याय पूर्ण है` नासवी के राष्ट्रीय समन्वयक अरविंद सिंह ने कहा 1998 में पथ विक्रेताओं को संगठित कर सामाजिक रूप से न्याय दिलाने के लिए संघर्ष करते चले आ रहे हैं नासवी के 25 साल बेमिसाल काफी चुनौती पूर्ण रहे हैं उन्होंने यह भी कहा जिस प्रकार से भारत सरकार द्वारा भारतवर्ष के रेहड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स के लिए प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना चलाई जा रही है ठीक इसी प्रकार से देश के सभी निकायों को वेंडिंग जोन, हॉकिंग जोन बनाए जाने के निर्देश के साथ शहरी समृद्धि में रेहड़ी पटरी वालों को शामिल किया जाना न्याय संगत होगा` इस अवसर पर नासवी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, लघु व्यापार एसो. की प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय द्वारा देश के सभी नगर निगम के आयुक्त सहित रेहड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स के संगठनों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित कर विज्ञान भवन में राष्ट्रीय पथ विक्रेता संरक्षण अधिनियम के क्रियान्वयन को लेकर एक बड़ी कार्यशाला का आयोजन कर देश की आबादी के ढाई परसेंट स्ट्रीट वेंडर्स को भारत सरकार के संरक्षण में स्वरोजगार देने के लिए बड़े कदम उठाने की आवश्यकता है` नासवी के 25 वर्ष पूरे होने पर वार्षिक उत्सव में सम्मलित हुए राज्यों के प्रतिनिधियों में गोकुल प्रसाद, इरशाद अहमद, अभिषेक निगम, रेनू शर्मा, कंचन देवी, लीलावती, मोहम्मद शबीर, मनोज कुमार, होना जी चौहान, जफर मुनव्वर, टाइगर सिंह एम कबीर आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

एनडीआरएफ वाराणसी में अंतर बटालियन वॉलीबॉल एवं योग प्रतियोगिता का शुभारंभ

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। 11 एनडीआरएफ वाराणसी के कैंपस में रेस्क्यूअर्स टीमों के बीच अंतर बटालियन वॉलीबॉल एवं योग प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ ` वाराणसी में आयोजित होने वाले इस एनडीआरएफ अंतर बटालियन वॉलीबॉल एवं योग प्रतियोगिता में एनडीआरएफ के विभिन्न वाहिनीयों से चुनी हुई रेस्क्यूअर्स खिलाड़ियों व प्रतिभागियों टीमों द्वारा भाग लिया जा रहा है आज शुभारंभ के अवसर पर श्री मनोज कुमार शर्मा, उप महानिरीक्षक ने विभिन्न वाहिनीयों से आयें हुये रेस्क्यूअर्स खिलाड़ियों को शुभकामना देते हुये बताया कि एनडीआरएफ हमेशा खेल को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत रहती है ` खेल एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा हम शारीरिक तथा मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकते हैं तथा कई प्रकार के बीमारियों से अपने आप को बचा सकते हैं एवं अपने परिवार व देश का नाम भी रोशन कर सकते है खेल के द्वारा हमें अपनी टीम में एकता की भावना से कार्य करने की प्रेरणा मिलती है खेल हमें समयबद्धता, धैर्य, अनुशासन, समूह में कार्य करना और लगन सिखाता हैं।

संक्षिप्त खबरें

उपनिरीक्षक हर्षमणि तिवारी ने धारा 82 सीआरपीसी की नोटिस कों अभियुक्त प्रदीप कुमार सिंह के घर पर किया चस्पा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। उपनिरीक्षक हर्षमणि तिवारी द्वारा मुकदमा अपराध संख्या 293 /2022 धारा 420,409 आईपीसी तथा मुकदमा अपराध संख्या 471/ 2022 धारा 420 409 आईपीसी थाना कैंट में अभियुक्त प्रदीप कुमार सिंह पुत्र स्व0 लल्लन सिंह निवासी ग्राम दसवतपुर थाना चोलापुर के घर वाराणसी न्यायालय के आदेश के क्रम में धारा 82 सीआरपीसी के अंतर्गत नोटिस चस्पा तथा डुगडुगी के माध्यम से तमिल की कार्यवाही पूर्ण की गई।

उच्च माध्यमिक विद्यालय रामपुर- मांझा के सहायक अध्यापक रामनारायण यादव का निधन

प्रखर पूर्वांचल गाजीपुर। देवकली ब्लॉक के रामपुर- मांझा उच्च माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत सहायक अध्यापक रामनारायण यादव ग्राम मंदारिया दिनांक 27 सितंबर रात्रि करीब 10:30 बजे लखनऊ के मेदांता हॉस्पिटल इलाज के दौरान देहांत हो गया। खबर गांव के लोगों को लगी सभी लोग सोकाकुल हो गए और विद्यालय के अध्यापक और बच्चों दुखी हो गए। लोगों का कहना बड़े सहज ,सरल स्वभाव एवं मृदुभासी व्यक्ति थे अच्छे टीचर के साथ विद्यालय के अध्यापक एवं बच्चों से बहुत ही अच्छा लगाव , व्यवहार था। उनके दो बच्चे शिवम 16 वर्ष श्वेता 18 वर्ष है। जिनका रो- रो कर बुरा हाल है। अंतिम संस्कार 28 सितंबर चकरी घाट पर किया गया। मौके पर गांव वासियों के साथ अध्यापक एवं बच्चे मौजूद रहे।

सुहावल पुलिस ने किया चोरी की मोटरसाइकिल समेत अभियुक्त को गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सुहवल थाना पुलिस ने चोरी की मोटर साइकिल के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर के निर्देश में अपराध एवम अपराधियो के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस टीम ने सुबह समय करीब चार बजे क्षेत्र के सोनवल रेलवे क्रासिंग के पास से अभियुक्त अब्दुल सलाम पुत्र स्व. इकबाल खान निवासी ग्राम सोनवल थाना सुहवल जनपद गाजीपुर को चोरी की मोटर साइकिल पैशन प्रो काला व स्लेटी रंग के साथ गिरफ्तार कर लिया। वह मोटरसाइकिल बिरनो थानाक्षेत्र से चोरी करके फर्जी नम्बर प्लेट यूपी 60 के 9446 लगा कर चला रहा था। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना पर मुकदमा पंजीकृत किया गया। अन्य विधिक कार्यवाही करते हुए उसे न्यायालय के सुपुर्द किया गया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक लालता प्रसाद यादव व आरक्षी कुलदीप बिन्द व कांस्टेबल मोहित सिंह थाना सुहवल गाजीपुर शामिल रहे।

चौकी निर्माण के लिए सीओ ने किया भूमि पूजन

प्रखर हरपुर, गोरखपुर। हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र मे नई पुलिस चौकी निर्माण के लिए ग्रामसभा चांदपार में भूमिपूजन सीओ खजनी अंजनी कुमार पाण्डेय व थानाध्यक्ष हरपुर महेंद्र मिश्र और नायब तहसीलदार भानु प्रताप सिंह ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर सीओ ने कहा कि इस स्थान पर पुलिस चौकी स्थापित किए जाने की मांग काफी समय से की जा रही थी। यह स्थान जनपद संतकबीरनगर कि सीमा पर स्थित होने के नाते कानून-व्यवस्था की दृष्टि से संवेदनशील है। अक्सर गैर जिलों से आकर आपराधिक वारदातों को अंजाम देने के बाद अपराधी दूसरे जिले में भागकर पुलिस के लिए समस्या पैदा कर देते हैं। पुलिस चौकी के स्थापित हो जाने के बाद उनकी गतिविधियों अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम के इस मौके पर सीईओ अंजनी कुमार पांडे थानाध्यक्ष महेन्द्र मिश्रा और नायब तहसीलदार भानु प्रताप सिंह समेत आदि लोगों उपस्थित रहे।

राजस्व टीम ने सड़क की किया पैमाइस ध्वस्त होगा मकान

प्रखर सहजनवां, गोरखपुर। सहजनवां बखिरा मार्ग के मिनवा चौराहे पर सड़क की भूमि पर अवैध कब्जा कर मकान का निर्माण कर किराये पर दे दिया गया था। जिसकी शिकायत मिनवा निवासी कमलेश ने आईजीआरएस पर किया था। मामले को संज्ञान में लेते हुए अधिशासी अभियंता प्रांतीय खण्ड पीडब्लूडी ने एसडीएम को रिपोर्ट भेज कर राजस्व टीम से पैमाइस कराने का अपील किये थे। शुक्रवार को राजस्व टीम और पीडब्लूडी के अधिकारी मौके पर पहुच कर सड़क के भूमि की पैमाइस किये। जिसमे मकान का अधिक हिस्सा पीडब्लडी के भाग में पड़ा है। और कब्जा करने वाले को चेतावनी दिया कि जितना भूमि सड़क का है उसमें से अवैध कब्जा हटा लें। नही तो आगे की कार्रवाई की जायेगी। इस बाबत जेई के0के0 शुक्ल ने कहा कि पैमाइस के दौरान मकान का अधिक हिस्सा पीडब्लूडी का पड़ा है। राजस्व टीम की रिपोर्ट आने के बाद ध्वस्त कराया जायेगा। इस दौरान कानूनगो मोतीलाल जेई महेश लेखपाल सौम्या श्रीवास्तव,मनीष मौर्य,रामसजीवन सिंह मौजूद थे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं